निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शनिवार 9 मई 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 349 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

रांची के जेल पार्क में तीन दिवसीय बंगला सांस्कृतिक मेला शुरु

संक्षिप्त समाचार

दीवार गिरने से दो की मौत

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के विश्रामपुर थाना क्षेत्र के पहाड़ गेरूआ गांव में एक पुराने जर्जर मकान की कच्ची दीवार गिरने से मकान मालिक के बेटे और एक मजदूर की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मकान मालिक प्रदीप उर्फ गटौरी बैठा के 20 वर्षीय पुत्र सतीश बैठा और गांव के 60 वर्षीय मजदूर दुखी भुइयां के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, प्रदीप उर्फ गटौरी बैठा के पुराने घर की मरम्मत का काम चल रहा था। तीन-चार मजदूर इस कार्य में लगे थे। बारिश के कारण मिट्टी की दीवार कमजोर हो गई थी। सतीश भी मजदूरों के साथ मरम्मत कार्य में जुटा हुआ था।

बेलगाम ट्रक ने महिला को रौंदा

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के वशिष्ठनगर थाना क्षेत्र के जोरी में शुक्रवार की अहले सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला को रौंद दिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने न केवल ट्रक चालक की धुनाई कर दी, बल्कि गया-चतरा मुख्य मार्ग पर कई वाहनों में जमकर तोड़फोड़ की। मृत महिला की पहचान जोरी निवासी प्रेम साव की 50 वर्षीय माता अंजू देवी के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार हर दिन की तरह अंजू देवी आज भी सुबह घर से टहलने और पूजा के लिए फूल लाने निकली थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें रौंद दिया।

बंद खदान से बच्चे का शव बरामद

दुमका(नबिटा ब्यूरो)। जिले के शिकारीपाड़ा थाना के चितरागड़िया गांव में 6 दिन पहले डूबे 5 वर्षीय बालक का शव शुक्रवार को तैरता मिला। पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया है। दरअसल जिले के चितरागड़िया गांव में पत्थर की बंद खदान में आयन अंसारी नाम का बालक नहाने के दौरान डूब गया था। शव की तलाश पहले स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों ने की लेकिन अत्यधिक पानी की वजह से वे सफल नहीं हो पाए। गोताखोरों को इस काम में लगाया लेकिन उन्हें भी कामायाबी हाथ नहीं लगी।

जंगली हाथी ने घर तोड़ा, बच्चा घायल

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के भरनो प्रखंड स्थित बूढ़ीपाठ गांव में एक जंगली हाथी के हमले से एक कच्चा मकान ध्वस्त हो गया। इस घटना में घर में सो रहा 12 वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार बूढ़ीपाठ गांव निवासी रंजीत दास मजदूरी के लिए दूसरे राज्य गए हुए हैं। उनकी पत्नी उर्मिला देवी अपने दो बेटों के साथ घर पर सो रही थीं। देर रात अचानक एक जंगली हाथी गांव में घुस आया और उनके मिट्टी के मकान को तोड़ने लगा। हाथी के धक्के से घर की दीवार गिर गई। दीवार गिरने से 12 वर्षीय रघुनाथ दास मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के समय हाथी घर के अंदर रखे चावल और अनाज खा रहा था। मां उर्मिला देवी ने जान जोखिम में डालकर मिट्टी हटाकर अपने बेटे को बाहर निकाला।

शिक्षक पात्रता परीक्षा : भाषा विवाद पर झारखंड सरकार का बड़ा फैसला, पांच मंत्रियों की कमिटी लेगी निर्णय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा से भोजपुरी, मगही और अंगिका को हटाए जाने से उठे विवाद को शांत करने के लिए हेमंत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत राज्य सरकार ने झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा नियमावली में विभिन्न जिलों के लिए निर्धारित भाषा संबंधी मामलों पर विचार/अध्ययन करने के पश्चात नियमावली में जनजातीय/क्षेत्रीय भाषा को सम्मिलित या विलोपित करने के बिंदु पर अनुशंसा करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर के नेतृत्व में बनाने का फैसला किया है। कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इस कमेटी में श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद और नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार को शामिल किया गया है। इस अधिसूचना के अनुसार समिति की बैठकों के लिए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को नोडल की जिम्मेदारी दी गई है। सरकार के उप सचिव ब्रज माधव के हस्ताक्षर से जारी अधिसूचना के अनुसार समिति यथाशीघ्र अपना प्रतिवेदन राज्य सरकार को समर्पित करेगी। झारखंड मैथिली भाषा संघर्ष समिति ने इसका स्वागत किया है। मैथिली भाषा संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक अमरनाथ झा ने कहा कि सरकार द्वारा गठित समिति के समक्ष हमलोग मांग रखेंगे। संघर्ष समिति का स्पष्ट रुप से मानना है कि झारखंड में द्वितीय राजभाषा में मान्य सभी भाषाओं को शिक्षक पात्रता परीक्षा में मान्यता मिलनी चाहिए, इससे किसी भी भाषा के साथ अन्याय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मैथिली भाषा-भाषी झारखंड के प्रत्येक जिले में रहते हैं जिनकी संख्या लाखों में है ऐसे में हम सरकार के समक्ष समिति के माध्यम से जोरदार ढंग से तथ्यों के साथ बातों को रखेंगे। बता दें कि 13 अप्रैल को मंत्री ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर अंगिका, संथाली, मगही, मैथिली, भोजपुरी, कुड़माली और खोरठा जैसी स्थानीय भाषाओं को परीक्षा में विकल्प के रूप में शामिल करने की मांग की थी। मंत्री ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन में बताया कि संथालपरगना समेत राज्य के कई क्षेत्रों में अंगिका और अन्य क्षेत्रीय भाषाएं व्यापक रूप से बोली जाती हैं। परीक्षा व्यवस्था में इन भाषाओं का अभाव स्थानीय युवाओं को अवसरों से वंचित कर रहा है।

शुभेन्दु अधिकारी होंगे बंगाल के नए मुख्यमंत्री

- भाजपा विधायक दल की बैठक में लगी मुहर, शपथ ग्रहण आज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग गई है। शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा विधायक दल की बैठक में उनके नाम पर मुहर लगी। कोलकाता में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की देखरेख में हुई नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में शुभेंदु अधिकारी को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। भाजपा नेताओं के मुताबिक पश्चिम बंगाल में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को होगा और शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री के तौर पर पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। इससे पहले शुक्रवार सुबह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कोलकाता पहुंचे जहां शुभेंदु अधिकारी समेत भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। शुभेंदु अधिकारी ने इस बार दो सीटों- नंदीग्राम और भवानीपुर से चुनाव लड़ा और दोनों जगहों से चुनाव जीते। भवानीपुर सीट पर उन्होंने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को हराया। 4 मई को चुनाव नतीजों में बीजेपी की बड़ी जीत के बाद से ही शुभेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री पद के लिए प्रबल दावेदार बताया जा रहा था।

उत्पाद सिपाही पेपर लीक मामले में 159 अभ्यर्थियों को मिली जमानत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। उत्पाद सिपाही पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए 159 अभ्यर्थियों को कोर्ट से जमानत मिल गई है। अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार की अदालत ने मामले में सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को 159 अभ्यर्थियों को जमानत प्रदान कर दी गई। झारखंड में हुए उत्पाद सिपाही परीक्षा के दौरान पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए 159 अभ्यर्थियों को शुक्रवार को जमानत मिल गई। अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार की अदालत में आरोपितों को 20-20 हजार रुपए का बेल बांड भरने का आदेश दिया गया है। मामले में कई अभ्यर्थियों की ओर से सीनियर एडवोकेट अविनाश पांडे ने बेल पर बहस किया और उनका पक्ष मजबूती से रखा। अदालत में यह बताया गया कि अभ्यर्थियों को जो पेपर मिले थे उसमें परीक्षा में आए प्रश्न पत्रों में से दो-तीन प्रश्नों के अलावा कोई भी प्रश्न पत्र मैच नहीं कर रहा था। इससे यह सिद्ध होता है कि मामले में 159 अभ्यर्थी दोषी नहीं है। गौरतलब है कि पेपर लीक मामले में 166 आरोपितों को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया था। झारखंड सिविल कोर्ट के वरीय अधिवक्ता अविनाश पांडे ने बताया कि न्यायालय ने यह पाया कि पुलिस के द्वारा जो दस्तावेज पेश किए गए थे वह 650 पन्नो का था। उसमें यह कहीं भी जिक्र नहीं था कि क्वेश्चन पेपर पत्र लीक हुआ है। केस डायरी में भी ऐसी किसी भी बात का जिक्र नहीं किया गया है। अधिवक्ता अविनाश पांडे ने बताया कि ऐसे में यह नहीं माना जा सकता था कि प्रश्न पत्र लीक किया गया है। इसी आधार पर 159 अभ्यर्थियों को जमानत प्रदान की गई है। अदालत में सभी जमानत पाने वाले अभ्यर्थियों को निर्देश दिया है कि उनका जमानत देने वाले लोग, उनके रिश्तेदार ही हो, साथी ही हो, हर पेशी पर वे लोग अदालत में जरूर पेश हो।

झारखंड कांग्रेस के अंदर कलह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड कांग्रेस के अंदर कलह अब खुलकर सामने आने लगा है। मामला अब कार्रवाई तक पहुंचता दिख रहा है। दरअसल सूबे के वित्त मंत्री सह कांग्रेस नेता राधाकृष्ण किशोर ने खुलकर प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ आवाज बुलंद कर दी है। यूं कहें तो उन्होंने बगावती सुर अपना लिया है। इसके बाद पार्टी अब उनके खिलाफ सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। पार्टी सूत्रों की मानें तो राधाकृष्ण किशोर को मंत्री पद से हटाने के साथ-साथ उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की भी तैयारी चल रही है। बताया जा रहा है कि राधाकृष्ण किशोर ने प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इससे पार्टी के अंदर असहज स्थिति बन गई है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में राधाकृष्ण किशोर पर कार्रवाई को लेकर लगातार मंथन चल रहा है और कभी भी उनके खिलाफ बड़ा फैसला लिया जा सकता है। वैसे झारखंड कांग्रेस में असंतोष कोई नया मुद्दा नहीं है। लंबे समय से संगठन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते रहे हैं। पार्टी प्रभारी के. राजू को लिखे गए संदेशों में भी नाराजगी साफ झलकती है। राधाकृष्ण किशोर ने आरोप लगाया है कि संगठन के अंदर भेदभाव की स्थिति है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और रामा खलखो का मामला उठाया। मंत्री का कहना है कि योगेंद्र साव को पार्टी से तीन साल के लिए निष्कासित कर दिया गया, वहीं रामा खलखो को सार्वजनिक आलोचना के बावजूद चुनाव समिति में शामिल किया गया। इससे कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी बढ़ गई है। इतना ही नहीं 81 विधानसभा सीटों के लिए संगठन में बनाई गई जंबो समिति पर भी सवाल खड़ा किया गया है। राधाकृष्ण किशोर का कहना है कि इतनी बड़ी समिति प्रभावी नहीं हो सकती और संगठन को मजबूत करने के लिए ठोस फैसलों की जरूरत है। इन सब बातों के बीच अब यह साफ हो गया है कि राधाकृष्ण किशोर ने खुलकर प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

तीन हार्डकोर उग्रवादी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची/खूंटी। उग्रवाद के खिलाफ अभियान में खूंटी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसपी ऋषभ गर्ग के नेतृत्व में पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के तीन सक्रिय और हार्डकोर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान सैम्युएल गुड़िया, धीरज स्वांसी और सुनील स्वांसी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक ये सभी उग्रवादी जंगल क्षेत्र में बैठक कर किसी बड़ी घटना की साजिश रच रहे थे। साथ ही संगठन के विस्तार और कारोबारियों से लेवी वसूली की योजना भी बनाई जा रही थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने इनके पास से एक देशी कट्टा, जिंदा कारतूस, पीएलएफआई के पर्चे और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। खूंटी एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि 30 अप्रैल को कर्रा थाना क्षेत्र में हुई घटना के बाद से ही पुलिस लगातार उग्रवादियों की तलाश में अभियान चला रही थी। इसके लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया गया था। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर तीनों उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने मार्च महीने में एक गैस एजेंसी पर हुई फायरिंग की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। एसपी के मुताबिक ये उग्रवादी इलाके में दहशत फैलाने और अवैध वसूली के जरिए संगठन को मजबूत करने में सक्रिय थे। उनकी गिरफ्तारी से पीएलएफआई की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। प्रेस वार्ता के दौरान जब राजेश महतो की गिरफ्तारी को लेकर सवाल पूछा गया तो एसपी ऋषभ गर्ग ने कहा कि फिलहाल वह पुलिस की पकड़ से बाहर है। लेकिन जांच में उसके नाम से जुड़े महत्वपूर्ण इनपुट मिले हैं। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है और जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद है। खूंटी पुलिस ने साफ किया है कि जिले में किसी भी उग्रवादी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज कर चुकी है।

युवक-युवती का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत कोपे पंचायत के गेरुआ गांव के निकट स्थित जंगल में शुक्रवार को एक युवक और एक युवती का शव मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन आरंभ कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रथमदृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है परंतु पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है। दरअसल शुक्रवार को गांव के कुछ लोग मवेशी चराने के लिए जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान युवक और युवती का शव देखकर ग्रामीणों ने हल्ला मचाया। इसके बाद आसपास के ग्रामीण वहां जमा हुए और घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रभात दास के निर्देश पर पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और पंचनामा के बाद शवों को कब्जे में ले लिया। छानबीन में पता चला कि दोनों मनिका थाना क्षेत्र के ही रहने वाले थे। युवक की पहचान सुनील कुमार सिंह के रूप में हुई। युवक की शादी भी कुछ महीने पूर्व ही हुई थी। हालांकि कुछ ग्रामीणों ने बताया कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था। संभावना जताई जा रही है कि प्रेम प्रसंग के मामले में ही दोनों ने आत्महत्या कर ली है। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रभात दास ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंची और शवों को कब्जे में ले लिया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रूप से तो संभावना है कि यह आत्महत्या का मामला है। परंतु पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद काफी कुछ स्पष्ट हो पाएगा। बता दें कि गत 1 मई को लातेहार सदर थाना क्षेत्र के रिचुघुटा में रेलवे लाइन के पास प्रेमी युगल का शव बरामद हुआ था। हालांकि उस घटना में युवक के परिजनों का आरोप है कि दोनों की हत्या कर दी गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले के अनुसंधान भी कर रही है। लेकिन घटना के ठीक 8 दिन बाद जिले में एक बार फिर से प्रेमी युगल का शव बरामद होने से क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है।

पीड़ित परिवार को देंगे हरसंभव सहयोग : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। पांच मई की देर शाम को सीसीएल गिरिडीह कोलियरी के क्रशर (सीपी साइडिंग) के पास खूनी संघर्ष हो गया था। यहां खंडीहा निवासी दिलीप दास की हत्या कर दी गई थी। इस मामले को लेकर काफी हो हंगामा भी हुआ। मृतक दिलीप की मां ने मुफस्सिल थाना में हत्या की प्राथमिकी दर्ज करायी है। इस बीच शुक्रवार की सुबह क्षेत्र के विधायक सह सूबे के मंत्री सुदिव्य कुमार मृतक दिलीप के घर पहुंचे। मृतक दिलीप की मां कौशल्या देवी और उनके घर के अन्य सदस्यों से मंत्री ने मुलाकात की। इस दौरान मृतका की मां ने बताया कि मंगलवार की शाम को दिलीप अपनी बहन के घर बगुलवाटांड जा रहा था। इसी बीच सीसीएल के अधिकारी रामसागर समेत अन्य कर्मियों ने उसकी हत्या कर दी। मंत्री ने कौशल्या की मां से कहा कि जो भी मदद होगी, की जाएगी, रोजगार भी दिलाने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा जो भी मदद है की जाएगी। मृतक की मां से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि 'तोर चेहरा देखकर लगे करे हो कि असकरे (अकेले) तो परिवार चलेले हीं, टूटे के जरूरत न है, तू मजबूत हीं एकदम परिवार बचा लभी, बाकी हमनी के पूरा सहयोग रहतो, बेटी- नतनी के रिश्ता तो लगो जो होते मदद करल जीतो। इस दौरान लोगों ने मंत्री को बताया कि सीसीएल के गार्ड का मनोबल बढ़ा हुआ है। यहां के स्थानीय लोगों को गार्ड कुछ समझते नहीं है जबकि बाहरी लोगों के साथ इनकी सेटिंग है। मंत्री ने सभी की शिकायत को गंभीरता से सुना और आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिया। इस दौरान स्थानीय पूर्व मुखिया शंकर दास के अलावा अधिवक्ता सुशील दास, जेएमएम के दिलीप रजक, रंजीत यादव समेत कई लोग मौजूद थे। बता दें कि इससे पहले मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाने के लिए जेएमएम के प्रतिनिधिमंडल ने भी सीसीएल प्रबंधन से वार्ता की थी जिसमें सहयोग राशि देने का वादा किया गया था। दूसरी तरफ इस मामले को लेकर हत्या की प्राथमिकी दर्ज करते हुए पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

बिजली-पानी संकट पर भाजपा का आक्रोश प्रदर्शन, घड़ा फोड़कर जताया विरोध

अंचल और प्रखंड दलालों का अड्डा बन गए : भानु प्रताप शाही, हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल : मनीष जायसवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवीन सिन्हा (हजारीबाग ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी जिला हजारीबाग इकाई की ओर से बिजली और पेयजल संकट को लेकर उपायुक्त कार्यालय के समक्ष शुक्रवार को आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री जय नारायण प्रसाद ने किया। प्रदर्शन में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं मनीष जायसवाल, बरही विधायक मनोज यादव तथा हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए भानु प्रताप शाही ने कहा कि हेमंत सरकार में अंचल और प्रखंड कार्यालय दलालों का अड्डा बन गए हैं तथा आम जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार बिजली और पानी जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान में पूरी तरह विफल रही है। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हेमंत सरकार हर मोर्चे पर असफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता बिजली कटौती, पेयजल संकट और स्मार्ट मीटर से जुड़े बढ़े हुए बिजली बिलों से परेशान है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल जल योजना को राज्य सरकार जानबूझकर धीमा कर रही है ताकि केंद्र सरकार को इसका श्रेय न मिल सके। नेताओं ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने झारखंड को पेयजल योजनाओं के लिए 12,982 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए, लेकिन राज्य सरकार उसका 40 प्रतिशत भी खर्च नहीं कर पाई। इस दौरान भाजपा की ओर से सात सूत्री मांगें भी रखी गईं। इनमें निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, बढ़ी हुई बिजली दर वापस लेने, जले हुए ट्रांसफार्मरों को शीघ्र बदलने, फर्जी एवं बढ़े हुए बिजली बिलों की जांच कराने, बंद पड़े चापाकलों की मरम्मत कराने तथा नल-जल योजना को जल्द पूरा करने की मांग शामिल थी। कार्यक्रम को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य केपी ओझा, हरीश श्रीवास्तव, अशोक यादव, सुदेश चंद्रवंशी, टुन्नू गोप, दिनेश सिंह राठौड़, गणेश यादव, सर्वेश सिंह, मंजू नंदिनी सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। प्रदर्शन में उपेंद्र सिंह, निरंजन मेहता, अजीत बक्शी, मनोरमा राणा, इंद्र नारायण कुशवाहा, जितेंद्र जैन, विवेक सिंह, रमेश ठाकुर, कुलदीप कृष्णा, महेंद्र राम बिहारी, रतन सिंहा, शिवपाल यादव, ऋषि शर्मा, अजीत कुशवाहा, प्रकाश कुशवाहा, विमल गुप्ता, रामाशंकर प्रसाद, श्वेता सिंहा, हेमंती देवी, पूनम कसेरा, निशा चौरसिया, किरण देवी, सोनी पटेल, राजेश चंद्रवंशी, अविनाश कसेरा, तरुण कसेरा, चंदन सिंह, मुकेश सिंहा, मुकुंद साव, कुलदीप पांडे, सुमन कुमार, सुबोध सिंहा, कृष्णा मेहता, नागेश्वर रजक और विजय यादव समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

समाहरणालय स्थित आधार सेंटर का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय परिसर स्थित आधार सेंटर का गुरुवार को उपायुक्त रामनिवास यादव ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आधार कार्ड निर्माण, नाम व पता संशोधन, मोबाइल नंबर अपडेट समेत विभिन्न सेवाओं की प्रक्रिया का जायजा लिया तथा केंद्र पर मौजूद लोगों से सीधे संवाद कर सुविधाओं और समस्याओं की जानकारी प्राप्त की उपायुक्त ने आधार सेंटर में कार्यरत कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि आमजनों को त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवा उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि आधार कार्ड आज हर नागरिक के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बन चुका है, इसलिए इसके निर्माण और संशोधन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कतार में खड़े लोगों से आवेदन की स्थिति, प्रतीक्षा समय और सेवा की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी ली। कई लोगों ने केंद्र में मिल रही सुविधाओं पर संतोष जताया, जबकि कुछ लोगों ने तकनीकी समस्याओं और भीड़ की स्थिति से अवगत कराया। इस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने तथा लोगों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने देने का निर्देश दिया उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को प्राथमिकता के आधार पर सेवा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही आधार से संबंधित सभी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बनाए रखने और समयबद्ध तरीके से कार्य निष्पादित करने पर विशेष जोर दिया उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आम जनता की सुविधाओं को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है और सरकारी सेवाओं को अधिक सरल, सुलभ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त की अध्यक्षता में जनता दरबार

हजारीबाग (नबिटाब)। जिलावासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं प्रभावी निष्पादन को लेकर उपायुक्त श्री हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार के दौरान जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से भू-अर्जन एवं मुआवजा भुगतान, अनुकम्पा नियुक्ति,भू-राजस्व, पेंशन, आवास, रोजगार, एनटीपीसी मुआवजा तथा ऑनलाइन रसीद से संबंधित मामले शामिल थे। उपायुक्त ने उपस्थित सभी फरियादियों की समस्याओं को एक-एक कर गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों की समुचित जांच करते हुए शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान एक दिव्यांग व्यक्ति के रुके हुए पेंशन से संबंधित मामले पर उपायुक्त ने तत्काल सभी अड़चनों को दूर करते हुए पेंशन चालू करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे का निर्देश दिया।

स्वावलंबी साड़ी संगम परियोजना से महिलाओं को मिलेगा आत्मनिर्भरता का मार्ग

गिरिडीह (नबिटासं)। स्वावलंबी साड़ी संगमह्व परियोजना के अंतर्गत आइडिया संस्था द्वारा गुरुवार को मधुबन स्थित श्री शिखर जी गुणायतन चल चरखा महिला प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र में महिलाओं के लिए एक्सपोजर विज़िट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के ज्ञान, कौशल और व्यावहारिक समझ को विकसित करते हुए उन्हें सफल आजीविका मॉडल से जोड़ना था आइडिया संस्था की प्रोग्राम डायरेक्टर खुशी शर्मा ने बताया कि नाबार्ड के सहयोग से संचालित इस परियोजना के तहत जमुआ प्रखंड के बेरहाबाद पंचायत की 90 महिलाओं को साड़ी निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ह्लस्वावलंबी साड़ी संगमह्व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की नई दिशा देगा एक्सपोजर विज़िट के दौरान महिलाओं ने चल चरखा महिला प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया और साड़ी निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों को सफल आजीविका मॉडल, उत्पादन प्रक्रिया और रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से बताया गया संस्था ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने, नए विचारों को अपनाने और आर्थिक रूप से सशक्त बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह पहल महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी कार्यक्रम में चल चरखा महिला प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र की संचालक ज्योति दीदी एवं संगीता दीदी ने महिलाओं को साड़ी निर्माण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह एवं आजीविका सखी मंडल की 15 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में रेखा देवी, हसिना खातून, सोनिया देवी, गुड़िया देवी, अख्तरी बानो, सानिया प्रवीण, कुसुम देवी, रविता देवी, सोनी कुमारी, रीना देवी, सुनिता देवी, मुद्रिका देवी, नीलम देवी, हेमंती देवी और रिंकी देवी सहित बेरहाबाद पंचायत की मुखिया सोनी कुमारी उपस्थित थीं।

धनवार थाना क्षेत्र के धमला सरकवाटांड में विवादित भूमि पर धारा 163 लागू

गिरिडीह (नबिटासं)। खोरीमहुआ एसडीएम खोरीमहुआ द्वारा धनवार थाना क्षेत्र अंतर्गत घोडथम्भा ओपी के पंचायत डुमरडीहा स्थित ग्राम धमला सरकवाटांड में भूमि विवाद को लेकर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता भा०ना०सु०सं० की धारा 163 के तहत कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई मौजा धमला सरकवाटांड के खाता नंबर 05, प्लॉट नंबर 386, रकवा 10 डीसमिल भूमि को लेकर की गई है प्राप्त जानकारी के अनुसार वाद संख्या 19/2026 में प्रथम पक्ष रेवत हजाम एवं द्वितीय पक्ष मो० समसुदीन व अन्य के बीच विवाद चल रहा है। घोडथम्भा ओपी प्रभारी द्वारा भेजे गए प्रतिवेदन ज्ञापांक-561/26 दिनांक 04.05.2026 के आधार पर एसडीएम ने माना कि दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति है तथा शांति भंग, खून-खराबा एवं उपद्रव की आशंका बनी हुई है स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ने दोनों पक्षों के विरुद्ध धारा 163 के अंतर्गत निरोधात्मक कार्रवाई प्रारंभ करते हुए विवादित भूमि पर 60 दिनों तक किसी भी पक्ष के जाने अथवा किसी प्रकार का कार्य करने पर रोक लगा दी है। साथ ही दोनों पक्षों को 22 मई 2026 को उपस्थित होकर कारण बताने का निर्देश दिया गया है कि उनके विरुद्ध निरोधात्मक आदेश को स्थायी क्यों न किया जाए विवादित भूमि की चौहद्दी उत्तर में नासिरउद्दीन, दक्षिण में गनी अली, पूरब में पक्की सड़क तथा पश्चिम में बुनुलाल रॉय व अन्य की भूमि बताई गई है प्रथम पक्ष में रेवत हजाम, निवासी दलदल, थाना धनवार शामिल हैं, जबकि द्वितीय पक्ष में मो० समसुदीन, मो० गणी, मो० हारून रसीद, मो० असलम एवं अलताफ अंसारी शामिल हैं यह नोटिस 05 मई 2026 को एसडीएम खोरीमहुआ के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी किया गया। इसकी प्रतिलिपि धनवार थाना एवं घोडथम्भा ओपी को आवश्यक कार्रवाई एवं नोटिस तामिला सुनिश्चित कराने हेतु भेजी गई है।

13 माह से वेतन नहीं मिलने पर मल्टी पर्पस स्टाफ में आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

गिरिडीह (नबिटासं)। जिले के विभिन्न प्रखंड कार्यालयों में कार्यरत मल्टी पर्पस स्टाफ एमपीएस कर्मियों को लंबे समय से वेतन नहीं मिलने से उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। गांडेय प्रखंड में कार्यरत सफाई कर्मी टिंकू हरिजन, ड्राइवर विजय कुमार सहित कई कर्मियों को पिछले 13 महीनों से वेतन नहीं मिला है इस मामले को लेकर पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने गुरुवार को गांडेय प्रखंड में एमपीएस कर्मियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रशासन से संबंधित कंपनी को तत्काल बकाया वेतन भुगतान का निर्देश देने की मांग की राजेश यादव ने कहा कि कर्मियों को पहले से ही कम वेतन पर कार्य कराया जा रहा है, ऊपर से महीनों तक भुगतान नहीं होने से उनके परिवारों के समक्ष भुखमरी जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के कारण कॉन्ट्रैक्ट मजदूरों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया गया, तो पीड़ित परिवारों के साथ प्रखंड मुख्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा।मौके पर एमपीएस कर्मी टिंकू हरिजन, विजय कुमार सहित पार्टी के कई समर्थक मौजूद थे।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने शुक्रवार को अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार लगाकर आम नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनता दरबार का उद्देश्य आम लोगों को प्रशासन से सीधे जोड़ते हुए उनकी समस्याओं का पारदर्शी एवं समयबद्ध निवारण सुनिश्चित करना रहा जनता दरबार में पहुंचे लोगों ने जमीन विवाद, पेंशन योजना, म्यूटेशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा एवं सड़क निर्माण से जुड़ी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया, जबकि जटिल मामलों को चिन्हित कर निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन का निर्देश दिया उपायुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा आम लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि प्रशासन की जिम्मेदारी है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता दरबार प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके और लोगों का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो इस अवसर पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सह प्रभारी पदाधिकारी, जन शिकायत कोषांग सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

रेल लाइन पर ओवर ब्रिज निर्माण की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। एनएफ रेलवे कटिहार मंडल के द्वारा कटिहार - कुमेदपुर रेलखंड पर कटिहार से कुमेदपुर तक डबल लाइन रेलवे का जहां निर्माण किया जा रहा हैं। वहीं कुरेठा रेलवे स्टेशन का भी भव्य निर्माण किया गया हैं,साथ ही कुरेठा रेलवे स्टेशन के एक नंबर एवं दो नंबर रेलवे स्टेशन के ऊपर से ओवर ब्रिज भी बनाई गई हैं जिससे रेल यात्रियों को सुविधा मिली हैं। कटिहार से कुमेदपुर की ओर जाने वाली रेल खंड की दिशा पूरब पश्चिम हैं। वहीं कुरेठा रेलवे स्टेशन के दो नंबर से दक्षिणी भाग में रेल यात्रियों के लिए रेलवे के ठेकेदार द्वारा ओवर ब्रिज का निर्माण नहीं किए गए हैं।

जीटी रोड पर सघन वाहन जांच अभियान, तीन भारी वाहन जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में सड़क सुरक्षा एवं अवैध परिवहन पर नियंत्रण को लेकर परिवहन विभाग ने शुक्रवार को जीटी रोड पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। जिला उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार के नेतृत्व में डुमरी एवं निमियाघाट थाना क्षेत्र में विशेष जांच अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाए गए तीन भारी वाहनों को जब्त किया गया। जांच टीम ने वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की। कई वाहनों में निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर वाहन चालकों को कड़ी चेतावनी दी गई, जबकि गंभीर अनियमितता पाए जाने पर तीन भारी वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें जब्त कर लिया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन लगातार सख्त कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग, बिना वैध कागजात वाहन संचालन तथा यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी उन्होंने वाहन मालिकों एवं चालकों से सभी आवश्यक दस्तावेजों को अद्यतन रखने और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की।

मृतक दिलीप दास के परिजनों से मिले मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । आज झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्या कुमार सोनू खंडीहा, गिरिडीह पहुंचे, जहां उन्होंने मृतक दिलीप दास के परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान मंत्री ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और दुख की इस घड़ी में सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि पीड़ित परिवार अकेला नहीं है, सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मामले में आवश्यक कार्रवाई एवं परिवार को सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। मंत्री के आगमन पर क्षेत्र के लोगों ने भी मृतक के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई।

मंत्री सुदिव्य सोनू से बंद पड़ी लाइब्रेरी को फिर से शुरू करने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । शिक्षा जगत से जुड़े करियर कैंपस के निदेशक राजेश सिन्हा ने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से वार्ड संख्या 18 स्थित सिद्धू-कान्हु सह सावित्री बाई फुले पुस्तकालय को पुनः शुरू कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तकालय उद्घाटन के कुछ महीनों तक बेहतर तरीके से संचालित हुआ, लेकिन पिछले करीब सवा साल से बंद पड़ा है, जिससे छात्रों को काफी परेशानी हो रही है राजेश सिन्हा ने बताया कि 1 फरवरी 2025 को मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के हाथों पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया था। शुरूआती तीन-चार महीनों तक यहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पढ़ने आते थे, लेकिन बाद में जिन कर्मियों को संचालन की जिम्मेदारी दी गई थी, उनके हट जाने के बाद पुस्तकालय बंद हो गया उन्होंने कहा कि वार्ड संख्या 18 पिछड़ा क्षेत्र माना जाता है और यहां इस तरह की शैक्षणिक व्यवस्था से आसपास का माहौल बेहतर बन सकता है। पुस्तकालय खुला रहने से युवाओं और विद्यार्थियों को पढ़ाई का उचित वातावरण मिलता है तथा समाज में सकारात्मक बदलाव आता है।

मदर्स डे ऑफर के साथ सुसज्जित गोवा सिटी अपार्टमेंट बना आकर्षण का केंद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पल्लवी राज कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. द्वारा सगुना मोड़, पटना में विकसित किए जा रहे ह्लगोवा सिटीह्व फुली फर्निश्ड अपार्टमेंट प्रोजेक्ट में विशेष मदर्स डे ऑफर की घोषणा की गई है। ए एवं बी ब्लॉक में निमार्णाधीन यह परियोजना रेरा से स्वीकृत है तथा परियोजना का कार्य सुचारु रूप से चल रहा है।

कंपनी ने विश्वास जताया है कि गोवा सिटी परियोजना निर्धारित समय पर पूर्ण कर ली जाएगी। ह्लगोवा सिटीह्व परियोजना आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण है। यहां फुली फर्निश्ड अपार्टमेंट, लिफ्ट की सुविधा, 247 बिजली एवं पानी की व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी एवं सुरक्षा गार्ड, पावर बैकअप, फायर सेफ्टी सिस्टम, मॉड्यूलर किचन, आकर्षक लॉबी एवं भव्य प्रवेश द्वार जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त बच्चों के खेलने का क्षेत्र, पार्किंग की समुचित व्यवस्था, कम्युनिटी हॉल तथा हरित एवं खुला वातावरण भी इस परियोजना को विशेष बनाता है। कंपनी के चेयरमैन संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि ह्लगोवा सिटीह्व का उद्देश्य पटना के नागरिकों को सुरक्षित, आधुनिक एवं किफायती आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इस मदर्स डे के अवसर पर उन माताओं के लिए विशेष ऑफर की घोषणा की गई है, जिन्होंने समाज और लोगों के हित में सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि सगुना मोड़ जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में यह परियोजना न केवल रहने के लिए उपयुक्त है, बल्कि निवेश के दृष्टिकोण से भी एक सुनहरा अवसर साबित होगी।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर हास्य योग शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी गिरिडीह भवन में हास्य योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हास्य योग गुरु एवं रेड क्रॉस के चेयरमेन अरविंद कुमार ने उपस्थित लोगों को हास्य योग और लाफिंग थेरेपी के माध्यम से तनावमुक्त जीवन जीने की कला सिखाई उन्होंने हास्य और योग के समन्वय से कई अभ्यास कराए तथा स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा कीं।

शिविर में शामिल लोगों ने कहा कि हास्य योग से मानसिक तनाव कम होता है और मन को काफी सुकून मिलता है कार्यक्रम में सचिव विवेश जालान, संजय कुमार, प्रभात खेतान, प्रदीप कुमार, पिंकी खेतान, गुड्डी भारती, सोनम सेठ, पिंकी साहा, ज्योति तरवे, मीरा साव समेत कई लोग मौजूद थे।

आरके महिला कॉलेज की कैडरों ने एनसीसी कैंप में दिया उत्कृष्ट प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आर के महिला महाविद्यालय, गिरिडीह की 18 कैडेट्स ने 22 झारखंड बटालियन एनसीसी हजारीबाग द्वारा आयोजित सी ए टी सी-1 कैंप में भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। यह प्रशिक्षण शिविर 29 अप्रैल से 8 मई तक राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, सिलवार, हजारीबाग में कमांडिंग ऑफिसर कर्नल ए के रवि के नेतृत्व में आयोजित किया गया।प्रशिक्षण शिविर के दौरान कैडेट्स को प्रतिदिन पीटी, फायरिंग, मैप रीडिंग, सेक्शन फॉर्मेशन, व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व विकास, संचार कौशल, सामाजिक विकास, फायर फाइटिंग, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।कैंप में खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ।

रस्सा कस्सी प्रतियोगिता में कैडेट मनीषा एवं मन्नत की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कैडेट प्रीति को द्वितीय पुरस्कार मिला। वहीं ग्रुप डांस प्रतियोगिता में कैडेट आकृति, तनु एवं सीमा ने प्रथम स्थान हासिल कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया फायरिंग प्रतियोगिता में कैडेट निशा, आकृति और सोनी का प्रदर्शन सराहनीय रहा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स का चयन आगे चलकर आईडीएसएससी इंटर डायरेक्टरेट स्पोर्ट्स शूटिंग चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा। इसके अलावा कैडेट शिवांगी ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय में पांचवां स्थान प्राप्त किया तथा कैडेट साल्वी ने सेक्शन फॉर्मेशन में बेहतर प्रदर्शन किया।कैंप के समापन अवसर पर 22 झारखंड बटालियन हजारीबाग के कमांडिंग ऑफिसर ने कैडेट्स को अनुशासन में रहकर व्यक्तित्व विकास करने एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। पीआई स्टाफ द्वारा प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया सभी कैडेट्स प्रशिक्षण प्राप्त कर सीटीओ डॉ. पूनम प्रभा मुंडु के साथ वापस लौटीं। कैडेट्स की उपलब्धियों पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एन. शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झारखंड को मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। कृषि-पशुपालन और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रातू स्थित अत्याधुनिक मत्स्य परियोजना का अवलोकन किया। इस दौरान युवाओं के नवाचार आधारित पहल की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य को मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश हो रही है।

उन्होंने परियोजना में उपयोग की जा रही आधुनिक तकनीक, मत्स्य उत्पादन की उन्नत व्यवस्थाओं एवं नवाचार आधारित मॉडल का निरीक्षण किया। इस क्रम में मंत्री ने कहा कि झारखंड में मत्स्य उद्योग के विकास की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार की प्राथमिकता किसानों एवं युवाओं के लिए ऐसा सशक्त इको सिस्टम विकसित करना है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित हों।

उन्होंने कहा कि राज्य को मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। "किंग फिशरीज" द्वारा विकसित किए गए एकीकृत मत्स्य मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकों के समन्वय से मछली पालन को एक नए आयाम तक पहुंचाया जा सकता है।

इस परियोजना में बायोफ्लॉक टैंक, आधुनिक बायोफ्लॉक मॉडल, हैचरी, फीड प्लांट एवं अन्य उन्नत व्यवस्थाओं का समावेश किया गया है। जो मत्स्य पालन को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित ऐसी परियोजनाएं न केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाएंगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त करेंगी। यदि राज्य के युवा नवाचार एवं आधुनिक तकनीकों के साथ आगे बढ़ें तो झारखंड राष्ट्रीय स्तर पर मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकता है। कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में बायोफ्लॉक तालाब योजना को शामिल किया है। साथ ही मत्स्य उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से "फिश मार्केट शेड योजना" को भी राज्य योजना में जोड़ा गया है। जिससे उत्पादन के साथ-साथ विपणन व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 में राज्य का मत्स्य उत्पादन लगभग 3.81 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है, जबकि मत्स्य बीज उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इन आंकड़ों को और अधिक बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि झारखंड ने पिछले कुछ वर्षों में मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है।

चांडिल, मैथन, तेनुघाट, कोनार, मसानजोर एवं तिलैया डैम जैसे जलाशयों में केज कल्चर के माध्यम से उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। राज्य सरकार का उद्देश्य मत्स्य उत्पादन को बढ़ाकर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करना तथा पलायन को रोकना है। इसके लिए मत्स्य पालकों को बीज उत्पादन, तालाब प्रबंधन एवं आधुनिक तकनीकों से संबंधित प्रशिक्षण के साथ वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

विभागीय मंत्री ने कहा कि झारखंड के युवा "किंग फिशरीज" जैसी पहल के माध्यम से आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर विभाग इनके अनुभव एवं तकनीकी विशेषज्ञता का भी लाभ लेगा।

खेल चयन और शिक्षकों की कार्यशैली पर उठे सवाल, छात्र संघ ने कुलपति को सौंपा 7 सूत्री मांग पत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में छात्र हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर शुक्रवार को हिंदू छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. राजीव मोहर से मुलाकात की। इस दौरान संगठन ने 7 सूत्री मांग पत्र सौंपते हुए खेल विभाग, शिक्षकों की कार्यशैली और विश्वविद्यालय की मूलभूत सुविधाओं में कथित अनियमितताओं पर जल्द कार्रवाई की मांग की है।

संगठन ने आरोप लगाया है कि सत्र 2025-26 में विश्वविद्यालय की वॉलीबॉल और कबड्डी टीमों में वास्तविक खिलाड़ियों की उपेक्षा कर बाहरी खिलाड़ियों को अवसर दिया गया, जबकि एथलेटिक्स, फुटबॉल और गर्ल्स टीम को लेकर भी छात्रों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं। छात्र संघ ने इन मामलों की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग उठाई है।

गौरतलब है कि खेल प्रतियोगिताओं और समारोहों में ऐसे लोगों को मेडल, प्रमाण पत्र और अन्य सुविधाएं दी गईं, जिनका विश्वविद्यालय से कोई संबंध नहीं था। खेल सामग्री की खरीद और अन्य खर्चों में भी वित्तीय अनियमितता की आशंका जताई गई है। संगठन ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। छात्र नेताओं ने सत्र 2024-25 में डीएसपीएमयू फुटबॉल टीम और बालिका फुटबॉल टीम के चयन प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं।

उनका कहना था कि कई योग्य खिलाड़ियों को टीम में जगह नहीं दी गई, जबकि चयन प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। संगठन ने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उचित अवसर देने और खेल चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। हिंदू छात्र संघ ने विश्वविद्यालय परिसर और खेल मैदानों में नियमित खेल गतिविधियां शुरू करने तथा खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग रखी।

साहिबगंज में 20वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक, किसानों के समग्र विकास पर चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

साहिबगंज। किसानों के समग्र विकास और कृषि उत्पादन बेहतर बनाने की दिशा में शुक्रवार को जिला कृषि विज्ञान केन्द्र में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता रांची के बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के अतिरिक्त निदेशक प्रसार(एडीईई) डॉ. निरंजन लाल ने की। 20वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में कृषि से जुड़े सभी तकनीकी पदाधिकारी शामिल हुए।

बैठक की शुरुआत से पहले कंटीजेंसी प्लान(आकस्मिकता प्लान) पर चर्चा की गई। जिसमें आगामी खरीफ और रबी सीजन के दौरान यदि सुखाड़ की स्थिति उत्पन्न हो जाए, बारिश ना हो, कम बारिश में फसल नहीं हो पाए तो ऐसे स्थिति में किसान को कैसे राहत और फायदा पहुंचाना है इस पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने मजबूती से अपनी बातें रखी और आपदा से निपटने के उपाय सुझाए। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-2026 की उपलब्धियों को गिनाया। जिसके बाद वित्तीय वर्ष 2026-2027 में किसानों के समग्र विकास के मद्देनजर कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के लिए अपने-अपने विचार रखे।

फर्जी पुलिस बनकर उगाही करने वाला शातिर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। लहेरी थाना पुलिस ने खाकी का रौब दिखाकर आम लोगों और वाहन चालकों से अवैध वसूली करने वाले एक शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया है। लहेरी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि गुरुवार की शाम गश्ती के दौरान पुलिस टीम नाजो मॉल के पास पहुंची। इसी दौरान एक टोटो चालक घबराया हुआ पुलिस टीम के पास पहुंचा और बताया कि एक युवक खुद को पुलिसकर्मी बताकर उसे बंधक बनाकर घुमा रहा है। चालक ने आरोप लगाया कि आरोपी चालान काटने के नाम पर उससे 25 हजार रुपये की मांग कर रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस वाहन को देखते ही संदिग्ध युवक भागने लगा, लेकिन गश्ती दल ने पीछा कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसकी पहचान दीपनगर थाना क्षेत्र के डुमरावां निवासी विपिन पासवान के रूप में हुई।

शिक्षकों और सुविधाओं के अभाव में भविष्य पर सवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची विश्वविद्यालय के मोरहाबादी स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एलएलएम जैसे प्रोफेशनल कोर्स की पढ़ाई यहां बिना एक भी नियमित शिक्षक के संचालित की जा रही है। दो बैच पासआउट भी हो चुके हैं, लेकिन छात्रों का आरोप है कि संस्थान में न तो बार काउंसिल ऑफ इंडिया के मानकों के अनुरूप शैक्षणिक सुविधाएं हैं और न ही पर्याप्त फैकल्टी।

अब इस मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने भी सख्त रुख अपनाते हुए सत्र 2026-27 में नए एडमिशन पर रोक लगा दी है। इंस्टीट्यूट में एलएलएम दो वर्षीय कोर्स के रूप में संचालित होता है, जिसमें चार सेमेस्टर हैं। प्रत्येक बैच में करीब 60 छात्रों का नामांकन होता है। इसके अलावा पांच वर्षीय बीबीए एलएलबी कोर्स भी संचालित है। बावजूद इसके, संस्थान में एक भी स्थायी शिक्षक नियुक्त नहीं है। कुल सात शिक्षक कार्यरत हैं और वे भी संविदा आधारित हैं, जिन्हें हर 11 महीने पर नियुक्त किया जाता है।

बीसीआई लीगल एजुकेशन रूल 2008 के अनुसार किसी भी लॉ संस्थान में कम से कम 10 स्थायी लॉ फैकल्टी होना अनिवार्य है। नियमों के तहत स्थायी निदेशक और पर्याप्त शैक्षणिक संसाधनों की भी आवश्यकता होती है। छात्रों और विशेषज्ञों का आरोप है कि आईएलएस इन मानकों पर खरा नहीं उतरता। हाल ही में नैक टीम ने भी स्थायी नियुक्ति को लेकर सवाल उठाए थे।

कोर्ट ने क्या कहा था

20 मार्च 2026 को झारखंड हाईकोर्ट की जस्टिस आनंदा सेन की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए आईएलएस में 2026-27 सत्र के नए एडमिशन पर पूर्ण रोक लगाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि जब तक बीसीआई मानकों के अनुरूप मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जातीं और 10 योग्य लॉ शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होती, तब तक नए छात्रों का नामांकन नहीं लिया जा सकता। कोर्ट ने लाइब्रेरी, कॉमन रूम, मूट कोर्ट, स्पोर्ट्स फील्ड, कंप्यूटर सुविधा और अलग वॉशरूम जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी को गंभीर माना। इससे पहले 2024 और 2025 में भी बीसीआई ने विश्वविद्यालय प्रशासन को कई कमियों की ओर ध्यान दिलाते हुए सुधार का निर्देश दिया था। इसके बावजूद 2025 बैच में एडमिशन लिया गया।

जनसुनवाई के दौरान कई मामलों का निस्तारण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय "सबका सम्मान-जीवन आसान" के अंतर्गत आम नागरिकों के दैनिक जीवन को सरल, सहज एवं सम्मानजनक बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिला पदाधिकारी, रवि प्रकाश के निर्देशानुसार जिले के ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई आयोजित की गई। जिला स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में किया गया। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजनों द्वारा कुल 44 शिकायतें दर्ज कराई गईं। जिला पदाधिकारी द्वारा कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को जांचोपरांत आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया गया।

जनसुनवाई के दौरान थाना-नारदीगंज अंतर्गत ग्राम-मधुवन निवासी प्यारे यादव द्वारा एल.पी.सी. निर्गत कर मुआवजा भुगतान कराने, थाना-रोह अंतर्गत ग्राम-मूसेपुर निवासी राम शरण द्वारा दिव्यांग प्रमाणपत्र बनवाने, थाना-रजौली अंतर्गत ग्राम-अन्धवारी निवासी राम विलास सिंह द्वारा चापाकल मरम्मती कराने तथा थाना-मेसकौर अंतर्गत ग्राम-अंकरी निवासी सुखदेव चौधरी द्वारा जमीनी विवाद के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य परिवादियों द्वारा भी विभिन्न प्रकार की शिकायतें दर्ज कराई गई। जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को सभी मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में अपर समाहर्ता, नवादा सदर एवं रजौली अनुमंडल सहित जिले के ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित कर आमजनों की समस्याओं को सुना गया तथा उनके निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई।

हृदय गति रुकने से समाजसेवी का निधन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। बीते दिवस अकबरपुर के व्यवसाय एवं समाजसेवी रोहन साव की मौत अचानक हृदय गति रुक जाने के वजह से हो गयी। उनके निधन पर साहू समाज के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। उनकी स्मृति में एक शोक सभा का आयोजन खुर नदी के किनारे साहू समाज के प्रखंड अध्यक्ष राजीव कुमार बॉबी की अध्यक्षता में की गई। बॉबी ने लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि रोहन साव एक मिलनसार प्रवृत्ति के मितभाषी व्यवहारिक सामाजिक व्यक्ति थे। उनकी मृत्यु से सिर्फ साहू समाज को ही नहीं, बल्कि अकबरपुर को भी एक अपूरणीय क्षति हुआ है। उपस्थित लोगों ने उनके आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण कर प्रार्थना किया। इस अवसर पर अर्जुन साव, सुबोध कुमार, बबलू, अमित कुमार, मुन्ना साव, अजय कुमार, भोला, रवि साव, कारू साव, समेत दर्जनों व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रिंस खान के आवास पर पुलिस ने की कुर्की जब्ती

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के वासेपुर इलाके में शुक्रवार को फरार अपराधी प्रिंस खान के घर पुलिस ने कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। बैंक मोड़ थाना और भूली ओपी की संयुक्त टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और न्यायालय के आदेश के तहत पूरी प्रक्रिया पूरी की गई। कार्रवाई के दौरान इलाके में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रिंस खान लंबे समय से फरार है और उसके खिलाफ हत्या, रंगदारी, फायरिंग, धमकी समेत कई संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। अदालत में लगातार अनुपस्थित रहने के कारण धनबाद कोर्ट ने उसके खिलाफ कुर्की-जब्ती का आदेश जारी किया था। इसी आदेश के अनुपालन में पुलिस टीम ने उसके वासेपुर स्थित आवास पर कार्रवाई की।

बताया जा रहा है कि इससे पहले भी पुलिस उसके कई ठिकानों पर दबिश दे चुकी है, लेकिन अब तक वह गिरफ्तारी से बचता रहा है। पुलिस का कहना है कि प्रिंस खान पाकिस्तान में छिपकर अपने गिरोह का संचालन कर रहा है और लगातार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिलाने की कोशिश कर रहा है। धनबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि प्रिंस खान गैंग के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उसके करीबी सहयोगियों, शूटरों और नेटवर्क से जुड़े लोगों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी की जा रही है। हाल के दिनों में गैंग से जुड़े कई लोगों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है और कई अहम जानकारियां भी हाथ लगी हैं। हाल ही में प्रिंस खान के करीबी सैफी उर्फ मेजर को पुलिस ने रिमांड पर लिया था। जिसमें सैफी ने पुलिस के सामने कई राज खोलें है। पुलिस कई सफेदपोश की कुंडली खंगाल रही है।

बंजर जमीन से समृद्धि तक: गुमला के किसान संतोष ने रचा सफलता का नया अध्याय

युवाओं को प्रेरणा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुमला। जिले के कोयनारा गांव के प्रगतिशील किसान संतोष साहू ने अपनी मेहनत, तकनीकी समझ और सरकारी योजनाओं के समुचित उपयोग से बंजर पड़ी जमीन को आय के सशक्त स्रोत में बदलकर एक मिसाल कायम की है। कभी जिस भूमि पर खेती छोड़ दी गई थी, आज वही खेत हरियाली और समृद्धि की कहानी कह रहा है। संतोष साहू ने ड्रिप इरिगेशन प्रणाली अपनाकर स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू की, जिससे न केवल जल संरक्षण संभव हुआ बल्कि उच्च गुणवत्ता की पैदावार भी मिलने लगी। इसके साथ ही उन्होंने इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम (आईएफएस) को अपनाते हुए खेती को बहुआयामी बनाया।

खेत में ग्राफ्टेड टमाटर और बैंगन की खेती से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, वहीं लहसुन, प्याज, ब्रोकली और संरक्षित वातावरण में शिमला मिर्च की खेती उनके नवाचार को दर्शाती है। संतोष बताते हैं कि पहले खेती से कोई खास लाभ नहीं होता था, जिससे उन्होंने इसे छोड़ दिया था। लेकिन जिला उद्यान विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन, विशेषकर दीपक कुमार सिंह के सहयोग से उन्होंने दोबारा खेती शुरू की और आज प्रतिदिन 5 से 10 हजार रुपये तक की आमदनी हासिल कर रहे हैं। उनकी इस पहल से न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, बल्कि गांव की आधा दर्जन से अधिक महिलाओं को भी रोजगार मिला है। उनकी पत्नी सुलेखा देवी भी इस कार्य में बराबर की भागीदारी निभा रही हैं।

जिला उद्यान पदाधिकारी सह भूमि संरक्षण पदाधिकारी आशीष प्रताप के अनुसार, भूमि संरक्षण योजना के तहत बने परकोलेशन टैंक में मत्स्य पालन कर अतिरिक्त आय का स्रोत विकसित किया गया है। साथ ही मुर्गी और बकरी पालन को जोड़कर आय के विविध विकल्प तैयार किए गए हैं। यह मॉडल न सिर्फ आर्थिक मजबूती देता है, बल्कि परिवार के पोषण स्तर को भी बेहतर बनाता है। संतोष की खेती पर्यावरण के अनुकूल भी है। ड्रिप इरिगेशन से जल की बचत, तालाब के माध्यम से भू-जल पुनर्भरण और जैविक पोषण प्रबंधन से मिट्टी की उर्वरता में सुधार हो रहा है। उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने इसे जिले के लिए प्रेरणादायक मॉडल बताते हुए अन्य किसानों से इससे सीख लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, सरकारी योजनाओं और परिश्रम के समन्वय से खेती को लाभकारी व्यवसाय में बदला जा सकता है। साथ ही किसानों से प्रशासन एवं संबंधित विभागों से संपर्क कर तकनीकी मार्गदर्शन लेने का आग्रह किया है।

तीन नाबालिग समेत चार लड़कियों को कराया मुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। सिलाव थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आर्केस्ट्रा की आड़ में चल रहे मानव तस्करी और जबरन डांस कराने के मामले का खुलासा किया है। वार्ड नंबर-06 स्थित एक किराए के मकान में छापेमारी कर पुलिस ने तीन नाबालिग समेत चार लड़कियों को रेस्क्यू किया है। पुलिस के अनुसार इन लड़कियों को जबरन आर्केस्ट्रा में डांस करने के लिए मजबूर किया जाता था और विरोध करने पर प्रताड़ित किया जाता था। राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक नालंदा के निर्देश पर गठित संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। टीम में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, महिला थाना और सिलाव थाना की पुलिस शामिल थी। इस अभियान को 'एसोसिएशन फॉर वॉलेन्ट्री एक्शन' के सहयोग से अंजाम दिया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से आर्केस्ट्रा संचालन में शामिल एक महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भोजपुर निवासी रोशनी कुमारी, मध्य प्रदेश निवासी अनुप कुमार वंशल, नूरसराय निवासी पवन कुमार तथा छत्तीसगढ़ निवासी धीरज प्रकाश के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि लड़कियों को मानव तस्करी के माध्यम से यहां लाया गया था और उन्हें जबरन डांस कराने के लिए दबाव बनाया जाता था। डांस करने से इनकार करने पर उनके साथ मारपीट और मानसिक प्रताड़ना की जाती थी। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस गिरोह का नेटवर्क किन-किन राज्यों तक फैला हुआ है और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस रेस्क्यू अभियान में जिला बाल संरक्षण इकाई और स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने रेस्क्यू की गई लड़कियों को सुरक्षित स्थान पर भेजते हुए आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा, पिन-723121, पश्चिम बंगाल निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। निविदा बंद होने की तारीख और समय है **29.05.2026 को सुबह 11:00 बजे**। विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **क्रम संख्या:** 1। **निविदा सूचना संख्या: एसएनटी_ई_टेंडर_एडीए_26_27_06, दिनांक: 07.05.2026**। **कार्य का नाम:** आद्रा मंडल में चार (04) अदद स्टेशनों (अर्थात कुस्तौर, महुदा, खानूडीह एवं राधागांव) में इलेक्ट्रॉनिक इन-मोशन वे-ब्रिज (ईआईएमडब्ल्यूबी) की स्थापना के सम्बन्ध में एस एंड टी कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 58,11,355.30। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा सूचना संख्या: एसएनटी_ई_टेंडर_एडीए_26_27_07, दिनांक: 07.05.2026**। **कार्य का नाम:** भारतीय रेल में संहिता सम्बन्धी प्रावधान के अनुसार आद्रा मंडल में 03 अदद समपार फाटकों (केए-48, आरसी-2 एवं एमआर-35) की इंटरलॉकिंग के सम्बन्ध में एस एंड टी कार्य (यूडब्ल्यू 24-25)। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,31,27,719.09। (PR-140)

छात्र जदयू ने परीक्षा नियंत्रक से की मुलाकात, केंद्र बदलाव पर जताई नाराजगी

हिलसा (नालंदा)/नबिटा सं। शुक्रवार को पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय से जुड़े छात्र जदयू के प्रदेश महासचिव धर्मपाल राज के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल पटना स्थित विश्वविद्यालय कार्यालय पहुंचा, जहां परीक्षा नियंत्रक डॉ. प्रो. मनोज कुमार से मुलाकात कर अपनी मांगों को रखा। छात्र नेताओं ने स्नातक परीक्षा केंद्र को बिहारशरीफ स्थानांतरित किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि एसयू कॉलेज का परीक्षा केंद्र विगत कई वर्षों से शहर के सरदार पटेल कॉलेज में तथा सरदार पटेल कॉलेज का केंद्र एसयू कॉलेज में निर्धारित होता रहा है लेकिन इस बार स्नातक परीक्षा के लिए एसयू कॉलेज का परीक्षा केंद्र बिहारशरीफ में बना दिया गया है, जो हिलसा से करीब 35 किलोमीटर दूर है। इससे छात्रों, विशेषकर छात्राओं को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। प्रतिनिधिमंडल ने परीक्षा नियंत्रक को आवेदन सौंपते हुए मांग किया कि पूर्व की तरह ही परीक्षा केंद्र हिलसा में निर्धारित किया जाए। इस पर परीक्षा

कई जिलों में बारिश, वज्रपात और तेज हवा का अलर्ट, गर्मी से राहत

रांची/ नबिटा ब्यूरो। झारखंड में अभी मौसम का मिजाज बदला बदला रहेगा। 8 मई को राज्य के कई हिस्सों में आंशिक बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। रांची स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी इलाकों को छोड़कर राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम का असर देखने को मिल सकता है। कई जिलों में गरज-चमक, वज्रपात और तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक, 8 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी और मध्य हिस्सों में कहीं-कहीं तेज गर्जन के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। इसके साथ ही वज्रपात की भी आशंका जताई गई है। जिन जिलों पर सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है उनमें धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी और जामताड़ा शामिल हैं।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने चटकाईं लाठियां

पटना कालेज से निकलकर बीपीएससी आफिस जा रहा था छात्रों का जुलूस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बीपीएससी नियमावली में बदलाव की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस कार्रवाई हुई है। पटना कॉलेज से निकाला गया विरोध मार्च जब जेपी गोलंबर पहुंचा, तो वहां बड़ी संख्या में जुटे हजारों अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बन गई।

इसी दौरान प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया, जिससे कई छात्र-छात्राएं घायल हो गए। छात्र नेता दिलीप के नेतृत्व में हो रहे इस आंदोलन में अभ्यर्थी लगातार परीक्षा प्रक्रिया में देरी का विरोध कर रहे थे और जल्द विज्ञापन जारी करने की मांग कर रहे थे। छात्र पटना कॉलेज से निकलकर बिहार लोक सेवा आयोग के कार्यालय की ओर जा रहे थे, लेकिन उन्हें जेपी गोलंबर पर ही रोक दिया गया। इस

- जेपी गोलंबर पर हुआ बवाल
- कई छात्र - छात्राएं चोटिल

दौरान कुछ छात्र नेताओं को भी हिरासत में लिया गया है।

छात्र नेता दिलीप ने कहा कि लाखों अभ्यर्थी पिछले दो वर्षों से वैकेंसी का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले एक वर्ष से शिक्षा मंत्री द्वारा लगातार यह कहा जा रहा है कि 10-15 दिनों में वैकेंसी आ जाएगी, जबकि चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान भी ढ्ढश्वक्च 4 का विज्ञापन जल्द जारी करने का आश्वासन दिया गया था। दिलीप कुमार ने कहा कि एक ओर सरकार वैकेंसी की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर बीपीएससी अधियाचना मिलने के बावजूद विज्ञापन जारी नहीं कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग और बीपीएससी द्वारा लाखों अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया जा रहा है। अगर जल्द विज्ञापन जारी नहीं किया गया तो पटना में फिर से बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

बीपीएससी ने फरवरी के दूसरे सप्ताह में एक नोटिस जारी कर कहा था कि अधियाचना मिल चुकी है और शीघ्र ही विज्ञापन जारी किया जाएगा, लेकिन अब तक विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। दिलीप कुमार ने आरोप लगाया कि बार-बार अभ्यर्थियों को गुमराह किया गया है।

लापता युवक की लाश बरामद

पूर्णिया। जिले में तीन दिनों से लापता युवक की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। अपराधियों ने युवक की हत्या करने के बाद शव को साक्ष्य छिपाने की नीयत से नहर किनारे फेंक दिया। शुक्रवार को शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, जबकि मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

मृतक की पहचान जानकीनगर थाना क्षेत्र के रूपौली दक्षिण पंचायत स्थित रमजानी मंडल टोला निवासी 40 वर्षीय गजेंद्र मंडल के रूप में हुई है। उनका शव बीकोठी दिबरा बाजार के समीप वरुणेश्वर वितरणी नहर के किनारे झाड़ियों से बरामद किया गया।परिजनों के अनुसार, गजेंद्र मंडल पिछले तीन दिनों से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता थे। काफी खोजबीन के बाद भी जब उनका कोई सुराग नहीं मिला तो परिवार ने स्थानीय थाने में गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई थी। पुलिस और परिजन लगातार उनकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान दिबरा बाजार के पास नहर किनारे झाड़ियों में एक शव पड़े होने की सूचना मिली।

बस में सफर कर रही छात्रा के साथ कंडक्टर ने की छेड़खानी

पटना से परीक्षा देकर लौट रही थी मुजफ्फरपुर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पटना से परीक्षा देकर घर लौट रही एक छात्रा के साथ चलती बस में छेड़खानी का मामला सामने आया है। आरोप है कि बस के कंडक्टर ने सफर के दौरान छात्रा के साथ बदसलूकी की और कई बार गलत तरीके से छूने की कोशिश की। घटना के बाद डरी-सहमी छात्रा मुजफ्फरपुर पहुंचते ही फूट-फूटकर रोने लगी। परिजनों को जानकारी मिलने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। पीड़िता मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि परीक्षा खत्म होने के बाद वह शाम के समय बस से पटना से अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान वैशाली जिले के सराय इलाके के पास बस के कंडक्टर ने उसके साथ छेड़खानी शुरू कर दी।

छात्रा के मुताबिक, उसने कंडक्टर की हरकतों का विरोध किया, लेकिन आरोपी नहीं माना और पूरे रास्ते उसे परेशान करता रहा। सफर के दौरान उसने कई बार छात्रा को गलत तरीके से छूने की कोशिश की। करीब ढाई घंटे तक छात्रा भय और तनाव में सफर करती रही। मुजफ्फरपुर बस स्टैंड पहुंचने के बाद छात्रा मानसिक रूप से टूट गई और रोने लगी। घर पहुंचकर उसने हिम्मत जुटाकर परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की।

महिला संगठन की बैठक

शिवाजीनगर। प्रखंड अंतर्गत रहियार उत्तर पंचायत के चित्तौड़ा गांव में रंगोली जीविका महिला संगठन की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अनुमोदन पर चर्चा की गई। जिसमें ग्राम संगठन लेखपाल चंदा कुमारी, जीविका मित्र उषा कुमारी, अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में बैठक हुई। ग्राम संगठन लेखपाल ने उपस्थित रंगोली जीविका समूह की दिदीयो को बताया कि सभी महिला को आत्मनिर्भर होना चाहिए और रोजगार की तहत अपने को ऊपर उठाना चाहिए। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत रोजगार द्वारा अपने आप को ऊपर उठाना चाहिए क्योंकि जब तक महिला शिक्षित और आत्मनिर्भर नहीं बनेगी तब तक एक बेहतर समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। क्योंकि महिला ही उन्नति का कारण होती है अगर वह शिक्षित और रोजगार युक्त नहीं रहेगी तब तक समाज कल्याण नहीं होगी

मंत्रिमंडल विस्तार में बांटी गयी परिवारवाद की रेवड़ियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। भाजपा सहित उसके गठबंधन में शामिल जदयू, रालोसपा, हम पार्टियों में परिवारवाद का परचम लहराने की होड़ मची हुई है, जिसका उदाहरण सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल विस्तार में सामने आया है।

बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, मुन्ना मांझी, सुभाष चंद्र सिंह, प्रद्युम्न दुबे, अशोक राम आदि ने कहा कि दिन, रात परिवारवाद का गला फाड़ कर विरोध करने वाले जदयू सुप्रीमो, पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार तथा रालोसपा सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा अपने-अपने पुत्रों को बिना कोई सदन के सदस्य रहे सीधे बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाने तथा हम सुप्रीमो जीतन राम मांझी के पुत्र के मंत्री बनने तथा भाजपा में पूरी परिवारवाद की किताब बनाने की चर्चा सम्पूर्ण बिहार में है। नेताओं ने कहा कि कोई बेटा तो कोई बेटा और पत्नी तो कोई बेटा, पतोहू, समधीनी को अपने, अपने दलों में मंत्री, विधायक बनाने की होड़ मची हुई है।

नेताओं ने कहा कि सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल में जम कर परिवारवाद की रेवड़ीया बांटने की होड़ मची हुई है, जिसे बिहार की सम्मानित जनमानस देख और समझ रही है तथा आने वाले समय में इसका करारा जवाब देगी, क्योंकि बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार नहीं बल्कि परिवारवाद का दफ्तर खोला गया।

कांग्रेस में अन्तर्कलह से झारखण्ड में बढ़ी सियासी हलचल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड कांग्रेस के अंदर कलह अब खुलकर सामने आने लगा है। मामला अब कार्रवाई तक पहुंचता दिख रहा है। दरअसल, सूबे के वित्त मंत्री सह कांग्रेस नेता राधाकृष्ण किशोर ने खुलकर प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ आवाज बुलंद कर दी है। यूं कहें तो उन्होंने बगावती सुर अपना लिया है। इसके बाद पार्टी अब उनके खिलाफ सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। सूत्रों की मानें तो राधाकृष्ण किशोर को मंत्री पद से हटाने के साथ-साथ उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की भी तैयारी चल रही है। बताया जा रहा है कि राधाकृष्ण किशोर ने प्रदेश अध्यक्ष पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इससे पार्टी के अंदर असहज स्थिति बन गई है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में राधाकृष्ण किशोर पर कार्रवाई को लेकर लगातार मंथन चल रहा है और कभी भी उनके खिलाफ बड़ा फैसला लिया जा सकता है। वैसे झारखंड कांग्रेस में असंतोष कोई नया मुद्दा नहीं है। लंबे समय से संगठन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते रहे हैं। पार्टी प्रभारी के. राजू को लिखे गए संदेशों में भी नाराजगी साफ झलकती है। राधाकृष्ण किशोर ने आरोप लगाया है कि संगठन के अंदर भेदभाव की स्थिति है।

उन्होंने उदाहरण के तौर पर पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और रामा खलखो का मामला उठाया। मंत्री का कहना है कि योगेंद्र साव को पार्टी से तीन साल के लिए निष्कासित कर दिया गया, वहीं रामा खलखो को सार्वजनिक आलोचना के बावजूद चुनाव समिति में शामिल किया गया। इससे कार्यकताओं के बीच नाराजगी बढ़ गई है। इतना ही नहीं, 81 विस सीटों के लिए संगठन में बनाई गई जंबो समिति पर भी सवाल खड़ा किया गया है। राधाकृष्ण किशोर का कहना है कि इतनी बड़ी समिति प्रभावी नहीं हो सकती और संगठन को मजबूत करने के लिए ठोस फैसलों की जरूरत है। इन सब बातों के बीच अब यह साफ हो गया है कि राधाकृष्ण किशोर ने खुलकर प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अब देखना होगा कि प्रदेश नेतृत्व उनके खिलाफ क्या फैसला लेता है और क्या कार्रवाई करता है। फिलहाल पूरे मामले पर सत्तापक्ष के साथ-साथ विपक्ष की भी नजरें टिकी हुई हैं।

पुल की रेलिंग से टकरायी कार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिले में शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। जमुई-लक्ष्मीपुर मुख्य मार्ग स्थित कटौना बाईपास पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से जा टकराई। हादसे में रेलवे के जूनियर इंजीनियर (जेई) समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायलों की पहचान टेंगहरा गांव निवासी अमित कुमार, सूरज कुमार और रेलवे में कार्यरत एक जूनियर इंजीनियर के रूप में हुई है। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार काफी तेज गति में थी और अचानक चालक ने नियंत्रण खो दिया। इसके बाद वाहन सीधे पुल की रेलिंग से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर चालक ने अंतिम समय में हैंड ब्रेक नहीं लगाया होता तो कार पुल के नीचे गिर सकती थी, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था।

आंधी-पानी ने मचायी तबाही, लोग हुए हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के कई जिलों में आज भी बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। शाम चार बजे पटना के कई इलाकों में तेज हवा के साथ झमाझम बारिश हुई। हवा की रफ्तार 70 किलोमीटर प्रतिघंटे से अधिक होगी। तेज हवा के कारण राजद दफ्तर के पास एक विशाल पेड़ गिर गया। कई जगह कच्चे घरों को नुकसान पहुंचा है। वीरचंद्र पटेल रोड, गर्दनीबाग, एजी कॉलोनी, बेली रोड इलाके में कई जगह आंधी के कारण पेड़ गिरे हैं। गर्दनीबाग में तो पेड़ गिरने से चार लोग दब गए। इनमें से दो को बाहर निकाल लिया गया। एक युवक की मौत हो गई। वहीं एक अन्य का रेस्क्यु किया जा रहा है। पटना में कई साल बाद आंधी और बारिश के कारण ऐसी तबाही देखने को मिली है। बारिश इतनी तेज थी कि लोगों के घरों में पानी घुस गया। इधर, सड़क पर भी यातायात बाधित हो गई है। जाम के कारण लोग परेशान हैं। मौसम विभाग ने लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है।

अररिया जिले के अररिया, कुसार्कांटा, जोकीहाट, रानीगंज, सिकटी समेत सभी नौ प्रखंड प्रभावित बताए गए हैं। वहीं किशनगंज जिले के किशनगंज, कोचाधामन, दिघलबैंक, ठाकुरगंज और बहादुरगंज सहित सातों प्रखंडों में मौसम खराब रहने की आशंका जताई गई है। पूर्णिया जिले के अमौर, कसबा, धमदाहा, पूर्णिया पूर्व, बनमनखी, श्रीनगर और बैसा समेत 14 प्रखंडों में चेतावनी जारी की गई है। मधेपुरा जिले के आलमनगर, बिहारीगंज, मधेपुरा, मुरलीगंज और सिंहेश्वर सहित 13 प्रखंडों में भी तेज आंधी और बारिश की संभावना है। सुपौल जिले के किशनपुर, निर्मली, प्रतापगंज, सरायगढ़ भपटियाही और सुपौल सहित 11 प्रखंडों के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

फ्लोराइड युक्त पानी से महिला की मौत, प्रशासन बेखबर

दो माह पूर्व हुई थी पिता की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। मुंगेर के हवेली खड़गपुर प्रखंड के गंगटा पंचायत के दूधपनियां गांव में फ्लोराइडयुक्त पानी का कहर लगातार लोगों की जिंदगी निगल रहा है। फ्लोराइड से प्रभावित अपंगता झेल रही ललिता बेसरा की मौत से प्रशासनिक दावों की पोल खुल गई है। शुद्ध पेयजल और समुचित इलाज के अभाव में ग्रामीण अपंगता और गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। कई परिवारों में हालात इतने भयावह हैं कि लोग खाट पर पड़े-पड़े जीवन और मौत से संघर्ष कर रहे हैं। इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर स्थायी समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

हालांकि जिलाधिकारी की पहल पर पीएचईडी विभाग को विशेष निर्देश दिया गया था। उन्हें शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फ्लोराइडयुक्त चापाकलों को हटाकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने को कहा गया था, जिससे कुछ हद तक ग्रामीणों को राहत मिली है। लेकिन फ्लोराइड पीड़ितों की कोई सुध नहीं ली गई। ऐसे में गांव में फ्लोराइड प्रभावित परिवारों की स्थिति एक बार फिर चर्चा में आ गई है।दो माह पूर्व विनोद बेसरा की मौत के बाद गुरुवार को उनकी फ्लोराइड पीड़ित अपंग बेटी 29 वर्षीय ललिता बेसरा ने भी दम तोड़ दिया। एक ही परिवार में पिता और बेटी की लगातार हुई मौत ने प्रशासनिक दावों और आश्वासनों की पोल खोल दी है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से गांव में फ्लोराइडयुक्त पानी पीने से लोग अपंगता का शिकार हो रहे हैं, लेकिन प्रभावित परिवारों की कोई सुध नहीं ली जा रही है।

गौरतलब है कि 7 जनवरी को जिलाधिकारी निखिल धनराज निपनिकर दूधपनियां गांव पहुंचे थे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी थीं तथा विशेष नीति के तहत राहत और सहायता देने का भरोसा भी दिलाया था।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासन केवल औपचारिक दौरे और आश्वासनों तक सीमित है। गंभीर रूप से प्रभावित लोगों के इलाज की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई। ऐसे में लगातार हो रही मौतों से गांव में भय और निराशा का माहौल है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में और भी परिवार इस त्रासदी का शिकार होंगे।

करंट से मौत

शिवाजीनगर। प्रखंड के रहियार दक्षिण पंचायत के वार्ड नं 1 के गमहरिया गांव निवासी महेश राम के 11 वर्षीय पुत्र सौरभ कुमार की विधुत स्पशार्घात से मृत्यु हो गयी। बालक की मूत्यु से स्वजनों एवं गांव में मचा कोहराम। बताया जा रहा है कि गुरुवार के शाम बालक अपने पड़ोसी के यहां बुनियाद पुर सड़क मार्ग स्थित भोज खाने के लिए गया था। भोज खाने के दौरान ही बालक कुछ अन्य लड़कों के साथ खेल रहा था इसी दौरान विद्युत की चपेट में आ गया और विद्युत स्पर्शागत होने से बालक अचेत अवस्था में चला गया। लोगों ने अचेता अवस्था में उसे इलाज के लिए पीएचसी बहेड़ी में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना शिवाजी नगर थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार को मिली तो उन्होंने उक्त बालक के शब को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। और अंतिम संस्कार के लिए मृतक बालक की शब को परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक बालक के पिता महेश राम अपने परिवार की भरण पोषण के लिए दिल्ली में मेहनत मजदूरी के लिए एक कंपनी में कार्य करते थे।

मम्मी ने नहीं मानी बात, बच्चा पहुंचा पुलिस के पास

बच्चे का हौसला देख गांव वाले और पुलिस भी हैरान

गांव के बुजुर्ग ने दी थी दादी को गालियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। गोह थाना में शुक्रवार को एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने पुलिसकर्मियों को भी भावुक कर दिया। एक छोटा बच्चा खुद अपनी शिकायत लेकर थाने पहुंच गया। बताया गया कि गांव के एक बुजुर्ग द्वारा उसकी दादी के साथ गाली-गलौज किए जाने से वह नाराज था। जब उसने घरवालों से शिकायत की और उसकी बात गंभीरता से नहीं सुनी गई, तो वह सीधे पुलिस के पास पहुंच गया। थाने पहुंचे बच्चे की मासूमियत देखकर वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गए। वह आगंतुक पंजी में खुद अपना नाम दर्ज करता दिखा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जब पुलिसकर्मियों ने उससे पूछा कि वह थाने क्यों आया है, तो उसने मासूम अंदाज में कहा कि गांव के एक बुजुर्ग ने उसकी दादी को गाली दी और विरोध करने पर उसे मारने दौड़े।बच्चे ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी मां से शिकायत की थी, लेकिन उसकी बात नहीं मानी गई। इसके बाद उसने खुद ही पुलिस से मदद लेने का फैसला कर लिया। पुलिस जांच में पता चला कि बच्चा जिद में घर से निकल गया था और ऑटो पकड़कर अकेले थाना पहुंच गया। उसकी इस हरकत ने पुलिस और गांव वालों दोनों को हैरान कर दिया।मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस गांव पहुंची और संबंधित बुजुर्ग को समझाया। इसके बाद पूरे मामले को शांत कराया गया।थानाध्यक्ष ने बताया कि बच्चे को सुरक्षित उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने परिवार को भी बच्चों की भावनाओं को गंभीरता से समझने की सलाह दी।

महिला संग शिक्षक संदिग्ध स्थिति में धराया

आजमनगर /कटिहार । प्रखंड क्षेत्र के मरबतपुर पंचायत के धूमनगर वार्ड संख्या 6 में देर रात उस समय हड़कंप मच गया। जब एक बाल बच्चेदार पुरुष को शादीशुदा महिला के साथ कथित रूप से आपत्तिजनक स्थिति में ग्रामीणों ने पकड़ लिया।

जानकारी के अनुसार मोहम्मद इजहार आलम उर्फ नकलू (36) पिता मोहम्मद अली हसन को गांव के ही सीमा खातून पति अबूल खैर के साथ महिला के घर में आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया। बताया जाता है कि महिला की शादी लगभग आठ वर्ष पूर्व मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार अबूलखैर के साथ हुई थी। शादीशुदा जिंदगी ठीक - ठाक चल रहा था। परंतु शादी के बाद से ही पति मजदूरी करने हैदराबाद गया हुआ है।मजदुरी करने गए दंपति के दो बच्चे भी हैं। ग्रामीणों के अनुसार महिला और युवक के बीच पिछले लगभग छह माह से अवैध संबंध होने की चर्चा गांव में चल रही थी। जिसे महिला ने खुद स्वीकारा है। परिजनों ने देर रात दोनों को एक साथ बंद कमरे में अर्धनग्न अवस्था में देखा। जिससे मौके पर हंगामा खड़ा हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने दोनों के हाथ रस्सी से बांध दिए। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। पकड़ा गया युवक गांव के ही मदरसा इत्तेहादुल मुस्लेमीन में शिक्षक के रूप में कार्यरत है। मामले को दफा दफा करने के लिए घंटो पंचायत हुई। परंतु मामले का जब समाधान नहीं हुआ तो घटना की सूचना आजमनगर पुलिस को दी गई। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा महिला तथा पुरुष को घंटो बांध कर रखा गया था। सूचना पाकर आजमनगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अपने साथ थाने ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

आशा कार्यकर्ता की फंदे से लटकी मिली लाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। जिले के मकेर थाना क्षेत्र अंतर्गत चकिया गांव में एक आशा कार्यकर्ता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान चकिया गांव निवासी सुरेन्द्र राम की पुत्री प्रियंका कुमारी के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि गांव में शोक का माहौल है। बताया जाता है कि मृतक ग्रामीण क्षेत्र में आशा कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत थीं। पति से तलाक होने के बाद वह अपनी छह वर्षीय बेटी के साथ मायके में रहकर उसका पालन-पोषण कर रही थीं। परिजनों के अनुसार गुरुवार की रात परिवार के साथ भोजन करने के बाद वह अपने कमरे में सोने चली गई थीं। शुक्रवार की सुबह उनकी बेटी ने नाना-नानी को बताया कि उसकी मां कोई जवाब नहीं दे रही हैं। इसके बाद परिजन कमरे में पहुंचे तो प्रियंका का शव फंदे से लटका मिला। यह दृश्य देखते ही घर में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलने के बाद मकेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बारिश ने तोड़ी किसानों की कमर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। आंधी ,तूफान एवं भारी बरसात के कारण खेतों में लगी मक्का बगीचे में लगी आम, लीची झरने से हुई बर्बाद हो रहे हैं। जिससे किसानो को हो रही है काफी नुकसान। रुक रुक कर एक सप्ताह से हो रही आंधी तूफान के साथ भारी वर्षा के कारण किसानों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इससे कुछ दिनों पूर्व भी वर्षा के कारण गेहूं की फसल खेतों में गिरने से बर्बाद हो गया था। मौसम की बेरुखी के कारण किसानों के खेतों में लगी फसल एवं खलिहान में रखी गई भूसा एवं मवेशी चरा बर्बाद हो रहा है।

एक ही घर के अलग-अलग कमरों से मिलीं देवरानी-जेठानी की लाशें

परिजन घरकर छोड़ फरार

नबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। सारण जिले के खैरा थाना क्षेत्र के खोदाईबाग गांव में शुक्रवार सुबह एक ही घर से दो महिलाओं के शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक महिलाओं की पहचान 27 वर्षीय प्रीति कुमारी, पति नागा सिंह, तथा 22 वर्षीय ज्योति कुमारी, पति मोहन सिंह, के रूप में हुई है। दोनों महिलाएं आपस में देवरानी-जेठानी थीं। दोनों के शव घर के अलग-अलग कमरों से बरामद किए गए। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत व आक्रोश का माहौल है।

घटना की सूचना मिलते ही खैरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष अखिलेश पासवान ने बताया कि दोनों महिलाओं की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

घटना के बाद मृतक महिलाओं के पति, सास और ससुर घर छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस

उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। ग्रामीणों के अनुसार मामला पारिवारिक विवाद और दहेज प्रताड़ना से जुड़ा हो सकता है।

हालांकि पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि शादी के बाद से ही दोनों महिलाओं को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। उनके साथ आए दिन मारपीट और विवाद होता रहता था। मृतका के भाई ने बताया कि शुक्रवार सुबह फोन पर सूचना मिली कि उसकी बहन की हत्या कर दी गई है। मौके पर पहुंचने पर दोनों महिलाओं के शव अलग-अलग कमरों में पड़े थे, जबकि घर के अन्य सदस्य फरार थे। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करने लगे। फिलहाल, पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

इलाज के दौरान मासूम की मौत

आरा। तरारी प्रखंड के कुरमुरी गांव में गुरुवार की शाम एक दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को गम में डुबो दिया। मामूली सिर की चोट के बाद इलाज के लिए ले जाए गए आठ वर्षीय मासूम अर्जुन कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

मासूम की मौत के बाद पीरो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर मां,बुआ और दादी के चीत्कार से दहल उठा। वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

मृतक अर्जुन कुमार, अनील शर्मा का इकलौता पुत्र बताया जाता है। उसकी मां सरिता देवी बेटे के शव से लिपटकर बार-बार बेहोश हो रही थी, जबकि दादी शारदा कुंवर का करुण विलाप सुन हर कोई सन्न रह गया। पिता अनील शर्मा मुंबई में एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं और घटना के समय वहीं थे। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

स्कॉर्पियो की ठोकर से बाइक सवार की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डेहरी आन सोन। डेहरी रोहतास राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिसैप दो के समीप बुधवार लगभग एक बजे रात्री को तेज रफ़्तार जे एच 13 ई 1128 स्कॉर्पियो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए हैं। मौत की सुचना पर पहुचें स्वजनों एवं ग्रामीणों ने आगजनी कर हाइवे सड़क को जाम कर प्रदर्शन करने लगे। रोहतास थाना के समहूता गांव निवासी राजा चौधरी (19) व घायल इंद्रपुरी थाना के कटार निवासी रंजीत चौधरी (22) की मौत की खबर सुनते ही दोनों के गांव में मातम छा गया और घटना के बाद स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है।घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी अतुलेश झा, डेहरी थानाध्यक्ष राहुल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच कर स्वजनों को समझा बुझाकर जाम हटाया गया और घायल को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया। वही मृतक के शव को सासाराम सदर अस्पताल भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सपुर्द किया गया।घर का चिराग बुझा समहुता रोहतास के रहने वाले बजरंगी चौधरी के एक लौता पुत्र मृतक राजा चौधरी है जो अपने मामा के घर कटार गांव में बगल के शादी समारोह में आया हुआ था।जबकि दुसरा इंद्रपुरी थाना क्षेत्र के कटार गांव के रहने वाले अजय चौधरी के पुत्र रंजीत चौधरी उर्फ टाई कुमार है जो गंभीर रूप से घायल है और इसे बेहतर इलाज के लिए वाराणसी भेजा गया है। ये दोनों अपने मोटरसाइकिल से ऐनीकट झारखंडी मंदिर से बारात से वापस अपने घर कटार गांव जा रहे थे। टक्कर मार कर भाग रहा स्कॉर्पियो को इन्द्रपुरी थाना के माध्यम से शंकरपुर गांव के समीप से पकड़ लिया गया है।

लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए चलेगा विशेष अभियान

बिहार में अब भू माफिया की खैर नहीं

राजस्व विभाग की कमान संभालते ही एक्शन मोड में मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के नवनियुक्त मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने विभागीय कार्यालय कक्ष में विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने विभागीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता तक त्वरित सेवा पहुंचाने को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। कार्यभार ग्रहण करने से पहले विभाग के सचिव जय सिंह ने बुके देकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के निदेशक सुहर्ष भगत, भू-अर्जन निदेशालय के निदेशक कमलेश कुमार सिंह, अपर सचिव डॉ. महेंद्र पाल, अपर सचिव आजीव वत्सराज सहित विभाग के सभी वरीय अधिकारियों ने मंत्री का स्वागत किया। कार्यभार संभालने के बाद मंत्री डॉ. जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य की जनता के कार्यों को सरल और सुलभ बनाना लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग आम जनता से सीधे जुड़ा विभाग है और जनता तक सुविधाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती है।

उन्होंने कहा कि वे पहले भी इस विभाग का नेतृत्व कर चुके हैं और उनके पूर्व कार्यकाल में 11 हजार कर्मियों की बहाली की गई थी। साथ ही विशेष सर्वेक्षण कार्य की शुरुआत भी उसी दौरान हुई थी। मंत्री ने कहा कि प्रारंभिक दौर में विशेष सर्वे को लेकर राज्यभर में भ्रम और अफरा-तफरी का माहौल था, लेकिन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने धैर्य और मेहनत से स्थिति को संभाला तथा आज सर्वे का कार्य सुचारु रूप से चल रहा है। मंत्री डॉ. जायसवाल ने स्पष्ट कहा कि पिछले तीन माह से जारी हड़ताल के कारण विभागीय कार्य प्रभावित हुए हैं और कई महत्वपूर्ण मामले लंबित हैं। इन कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हड़ताल के दौरान कार्य प्रभावित होने से विभाग की छवि भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारियों और राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल अब समाप्त हो गई है, कार्य को पटरी पर लाने के लिए अगले तीन माह विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि अगले तीन महीनों तक पूरी प्रतिबद्धता और मेहनत के साथ काम करना होगा ताकि व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाया जा सके। उन्होंने दो टूक कहा कि काम में कोताही न वे स्वयं करते हैं और न ही किसी प्रकार की लापरवाही पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य लोगों के दरवाजे तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करना है। यही लक्ष्य प्राप्त करना उनका उद्देश्य है। राज्य में सक्रिय भू माफियाओं को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का स्पष्ट संदेश है कि भू माफिया या तो सुधार जाएं या फिर बिहार छोड़ दें। न्याय के साथ विकास सरकार की प्राथमिकता है और इसे हर हाल में लागू किया जाएगा।

महिलाओं, बच्चों और दिव्यांगों के कल्याण को मिलेगी प्राथमिकता : मंत्री

समाज कल्याण विभाग की मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने पदभार संभाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। समाज कल्याण विभाग की मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने सचिवालय स्थित विभाग के मुख्य कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, कार्यान्वयन स्थिति की जानकारी ली। मंत्री ने कहा कि समाज कल्याण विभाग का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े वंचित, असहाय, गरीब, दिव्यांग और पिछड़े वर्ग के लोगों का उत्थान करना है। विभाग की सभी योजनाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, ताकि पात्र लाभुकों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंच सके। डॉ. गुप्ता ने विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, विधवाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के कल्याण पर जोर देते हुए कहा कि इन वर्गों के लिए संचालित योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। महिलाओं की आर्थिक स्वावलंबन, बाल विकास, पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए नए-नए प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि योजनाओं की निगरानी और समीक्षा को और सख्त बनाया जाएगा तथा फील्ड स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। इस अवसर पर विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह, सामाजिक सुरक्षा निदेशालय के निदेशक धर्मेंद्र कुमार और आईसीडीएस एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण निदेशालय के निदेशक योगेश कुमार सागर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण के बाद मंत्री ने विभाग का भ्रमण कर कर्मचारियों से भी संवाद किया और उन्हें प्रोत्साहित किया कि वे पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें।

मंत्री श्रेयसी सिंह ने उद्योग विभाग का पदभार संभाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उद्योग विभाग में उद्योग मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह के आगमन पर उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने उनका स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। इस अवसर पर मंत्री ने औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मंत्री को विभाग की विभिन्न योजनाओं, गतिविधियों एवं प्रगति कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। प्रस्तुतीकरण के दौरान राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश प्रोत्साहन, औद्योगिक आधारभूत संरचना तथा निवेशकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार में उद्योग मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर मिलना उनके लिए गौरव एवं जिम्मेदारी दोनों है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक विकास को नई गति देने तथा निवेशकों के लिए अनुकूल, पारदर्शी एवं उद्योग समर्थ वातावरण तैयार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने तथा राज्य में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से उद्योग विभाग पूरी प्रतिबद्धता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करेगा। साथ ही विभागीय कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाते हुए उद्योगों को त्वरित एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी जाएगी।

महाराणा प्रताप की वीरगाथा राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देती रहेगी : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

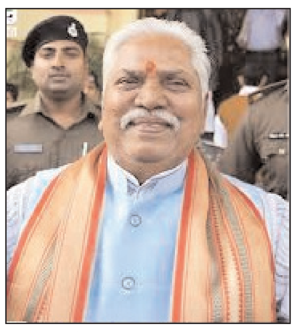

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर महान योद्धा महाराणा प्रताप को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें शौर्य, साहस और पराक्रम का प्रतीक बताया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि मातृभूमि और धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महाराणा प्रताप की गौरवगाथा सदैव अविस्मरणीय रहेगी। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप अपनी वीरता, दृढ़ संकल्प और मुगल शासक अकबर के खिलाफ अभूतपूर्व संघर्ष के लिए इतिहास में अमर हैं। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी युद्ध में महाराणा प्रताप ने अदम्य साहस का परिचय दिया और मातृभूमि के गौरव तथा आत्मसम्मान की रक्षा के लिए कठिन संघर्ष किया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि महाराणा प्रताप ने घास की रोटी खाना स्वीकार किया, लेकिन मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं की। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का अतुल्य समर्पण, अमर बलिदान और वीरगाथा आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रप्रेम, स्वाभिमान और त्याग की प्रेरणा देती रहेगी।

मखाना, शहद और सब्जी उत्पादकों को मिलेगा सहकारिता मॉडल का लाभ : राम कृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने सहकारिता मंत्री का पदभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान विभाग के सचिव धर्मेंद्र सिंह, सहयोग समितियों के निबंधक रजनीश कुमार सिंह समेत विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने विभाग में बतौर मंत्री अपनी प्राथमिकताएं बताईं। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता सहकारिता का सर्वांगीण विकास होगा। सहकारिता से समाज के सभी वर्गों, विशेषकर समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं एवं युवाओं को जोड़ने पर विशेष बल दिया जाएगा। सहकारिता का सबसे मजबूत स्तंभ पैक्स है। मेरी प्राथमिकता पैक्सों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना होगी। पैक्सों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था से संबंधित सभी प्रकार के व्यवसाय को प्रारंभ किया जाएगा। सहकारी बैंकों को मजबूत बनाना प्राथमिकता रहेगी। सहकारी बैंकों के कस्टमर बेस को बढ़ाना एवं बैंकों में नवीनतम तकनीकी के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। किसानों को समय पर कृषि ऋण दिया जाना एवं उनकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अधिप्राप्ति के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को पैक्स में प्रोत्साहित किया जाएगा। सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि अब कृषि के साथ-साथ विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में भी सहकारिता को प्रोत्साहित किया जाएगा। सहकारी समितियों में आधुनिकतम टेक्नोलॉजी एवं पेशेवर प्रबंधन को प्रोत्साहित कर उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाया जाएगा। वेजफेड को मजबूत करने के लिए सब्जी उत्पादक समितियों को सशक्त बनाया जाएगा। शहद एवं मखाना उत्पादक एवं प्रसंस्करण के लिए प्रखंड स्तरीय समितियों को गठित कर किसानों को उनके उत्पादन का समुचित लाभ दिलाया जाएगा।

गांव से शहर तक मिलेगी समान स्वास्थ्य सुविधा : निशांत कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। निशांत कुमार ने शुक्रवार को नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने गुरुवार को नए मंत्रिमंडल गठन के दौरान मंत्री पद की शपथ ली थी। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसका पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पिता नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में राज्य में जो भी ईमानदारी पूर्वक विकास कार्य किए, उसे भविष्य में भी जारी रखा जाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में लोगों को दी जाने वाली सुविधाओं को लेकर मंत्री ने कहा कि यह शहर से लेकर गांव तक एक समान होगी। यानी अमीर-गरीब में बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक जरूरतमंद को उच्च कोटि की स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जाएगी। श्री कुमार ने कहा कि कार्यभार ग्रहण करने का आज पहला दिन है, इसलिए राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं और योजनाओं को थोड़ा समझना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में कराए जाने वाले विकास कार्यों में पूरी ईमानदारी और संवेदना बरती जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों की एक बैठक भी की जिसमें सचिव लोकेश कुमार सिंह, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक अमित कुमार पांडेय के साथ दूसरे पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कौशल विकास को मिलेगी नई दिशा

मंत्री बनने पर अरुण शंकर प्रसाद को डॉ. आनंद रंजन झा ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/वैशाली। युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, श्रम संसाधन एवं प्रवासी कल्याण विभाग, बिहार सरकार के मंत्री बनाए जाने पर डॉ. आनंद रंजन झा ने अरुण शंकर प्रसाद को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर डॉ. झा ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना की। डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि अरुण शंकर प्रसाद के नेतृत्व में बिहार के युवाओं को कौशल विकास, रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में नई दिशा एवं बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मंत्री के रूप में उनका अनुभव, दूरदर्शिता एवं कार्यशैली राज्य के लाखों युवाओं के भविष्य को मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर केवाईपी वेल्फेयर सोसाइटी वैशाली की ओर से कुशल युवा कार्यक्रम के सफल एवं निरंतर संचालन हेतु मंत्री से विशेष आग्रह भी किया गया। डॉ. झा ने कहा कि कुशल युवा कार्यक्रम बिहार सरकार की युवाओं के लिए एक महत्वाकांक्षी एवं जनहितकारी योजना है जो युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के अधीन संचालित है और राज्य के लाखों युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं रोजगारोन्मुख बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने सोसाइटी की ओर से निवेदन किया गया कि वर्तमान समय में योजना से जुड़ी विभिन्न समस्याओं, तकनीकी बाधाओं एवं प्रशासनिक चुनौतियों का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन सुचारु रूप से जारी रह सके तथा अधिक से अधिक युवाओं को इस योजना का लाभ मिल सके। केवाईपी वेल्फेयर सोसाइटी वैशाली के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा ने मंत्री से अनुरोध किया कि केंद्र संचालकों, प्रशिक्षकों एवं विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सकारात्मक एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं जिससे योजना की गुणवत्ता, विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता बनी रहे तथा बिहार के युवाओं का भविष्य सुरक्षित एवं सशक्त हो सके।

पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक दल के नेता सुवेंदु अधिकारी को मंगल पांडेय दी बधाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पश्चिम बंगाल भाजपा प्रभारी मंगल पांडेय ने पश्चिम बंगाल भाजपा विधानमंडल दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने पर सुवेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि श्री अधिकारी का यह चयन भाजपा कार्यकर्ताओं की वर्षों की मेहनत, जनता के भरोसे और संगठन की मजबूत नींव का परिणाम है। उनके चयन के लिए पश्चिम बंगाल बतौर पर्यवेक्षक आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी कोटि-कोटि धन्यवाद एवं बधाई। अमित शाह की उपस्थिति में यह चयन किया गया। श्री पांडेय ने कहा कि श्री सुवेंदु अधिकारी जमीनी राजनीति के अनुभवी नेता हैं। पंचायत से लेकर विधानसभा तक उनका लंबा अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और जनसंपर्क की मजबूत पकड़ बंगाल की राजनीति में नई ऊर्जा का संचार करेगी।

बुजुर्गों को घर तक राशन पहुंचाने की तैयारी : मंत्री अशोक चौधरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री अशोक चौधरी ने शुक्रवार की सुबह विभाग पहुंचकर अपना पदभार संभाल लिया। इस मौके पर विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। पदभार संभालने के बाद मंत्री अशोक चौधरी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग बिहार के करोड़ों लोगों के जीवन से काफी गहराई से जुड़ा विभाग है। राज्य में राशन कार्ड के लाभार्थियों की संख्या 8 करोड़ से ज्यादा है। हमारा प्रयास होगा कि आगामी दिनों में राशन कार्ड के बुजुर्ग लाभार्थियों को उनके घर तक राशन पहुंचाया जाए। कोई भी योग्य और जरूरतमंद परिवार राशन कार्ड से वंचित नहीं रहेगा। विभाग उपभोक्ताओं के हित में आगे भी लगातार काम करेगा। इस अवसर पर खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के विशेष सचिव विभूति रंजन चौधरी, बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम के प्रबन्ध निदेशक सुनील कुमार, संयुक्त सचिव रवीन्द्र कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी सृष्टि प्रिया सहित अन्य विभागीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने उन्हें विभाग के कार्यकलापों और विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

संविधान विरोधी बिहार सरकार में शिक्षक अभ्यर्थियों का दमन बर्दाश्त नहीं : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने राज्य की नवनियुक्त सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार और सरकार की दमनकारी नीतियों की कड़े शब्दों में निंदा की है। राजेश राम ने कहा कि बिहार सरकार अपनी हक की मांग कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों को सड़कों पर दौड़ा-दौड़ा कर पीट रही है। लात-घूंसों और लाठियों का प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन है। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस द्वारा योग्य अभ्यर्थियों, यहां तक कि महिलाओं को भी जूतों से मारा जा रहा है जो अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ करोड़ों रोजगार देने का दावा करती है वहीं दूसरी तरफ राज्य का खजाना खाली हो चुका है और सरकार हर महीने करोड़ों के कर्ज पर चल रही है। राजेश राम ने मांग की कि जो अभ्यर्थी परीक्षा पास कर चुके हैं और योग्य हैं, उन्हें अविलंब नियुक्ति पत्र दिया जाए।

अश्लील और फूहड़ गानों पर लगेगी रोक : डॉ प्रमोद कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री के रूप में डॉ प्रमोद कुमार ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभाग के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मौके पर सर्वप्रथम उन्होंने शंखनाद कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर विभिन्न कला क्षेत्रों के कई कलाकारों ने उनका स्वागत अभिवादन किया। पदभार ग्रहण के उपरांत मंत्री ने कहा कि बिहार की समृद्ध कला, संस्कृति, लोक परंपराओं एवं विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए विभाग निरंतर कार्य करता रहेगा। उन्होंने कलाकारों, साहित्यकारों एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के सहयोग से राज्य की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य की लोककलाओं, सांस्कृतिक धरोहरों, संग्रहालयों, रंगमंच एवं युवा कलाकारों को प्रोत्साहन देना विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। साथ ही सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने की दिशा में प्रभावी पहल की जाएगी। इसके साथ ही विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना, गुरु-शिष्य परंपरा योजना, कला एवं फिल्म शिक्षा से जुड़ी छात्रवृत्ति योजनाओं तथा बिहार में फिल्म शूटिंग के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने और फिल्म सब्सिडी को बढ़ावा देने संबंधी योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने बेहतर कनेक्टिविटी पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। गांवों से शहरों तक अब सड़क संपर्क सुगम और मजबूत होगा। इसके लिए परिवहन विभाग और अधिक तैयारियों के साथ काम करेगा। यह बात परिवहन विभाग के नए मंत्री दामोदर रावत ने शुक्रवार को विश्वेश्वरैया भवन स्थित अपने कार्यालय में पदभार संभालते हुए कही। परिवहन सचिव राज कुमार और राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसान सहित अन्य विभागीय पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। मंत्री ने कहा कि बिहार भी अन्य राज्यों की तरह परिवहन सुविधाओं से लैस होगा। जाम की समस्या को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार द्वारा ऑनलाइन कटे चालानों में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। ये सभी सुविधाएं जनहित में जरूरी हैं। उन्होंने आगे कहा कि विभाग के पदाधिकारियों पर निगरानी रखी जाएगी ताकि वे बेहतर प्रदर्शन करें। मौके पर विभाग के संयुक्त सचिव कृत्यानंद रंजन सहित अन्य विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहें।

लंबित ट्रैफिक चालान अब लोक अदालत में जमा करें, मिलेगी 50% तक छूट

मोटरवाहन अधिनियम के तहत दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को 24 घंटे में थाना से छोड़ना अनिवार्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्यभर में जिन लोगों ने सड़क पर वाहन चलाते समय किसी के नियम का उल्लंघन किया है और उनका चालान कट गया है। 90 दिन बीतने के बाद भी जिन लोगों ने इसे जमा नहीं किया है, उन्हें इसे लगभग 50 फीसदी छूट के साथ एक मुश्त जमा करने की सुविधा लेकर सरकार आई है। इसके लिए सभी जिला मुख्यालय में मौजूद जिला कोर्ट में लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। अगले वर्ष मार्च तक कुछ-कुछ अंतराल पर इस तरह की लोक अदालतों का आयोजन किया जाएगा। ताकि लोग अपने सभी लंबित चालानों का निपटारा करवाकर राजस्व जमा कर सकें। यह जानकारी एडीजी (ट्रैफिक) सुधांशु कुमार ने दी। वह शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में पहली लोक अदालत का आयोजन 9 मई को पटना समेत अन्य स्थानों पर होने जा रहा है। इसमें ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों तरह से चालान की राशि जमा करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। एडीजी श्री कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायलों को राहत देने के लिए पीएम राहत योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री ने 13 फरवरी 2026 को की है। इसके तहत किसी सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को इलाज के लिए सरकार की तरफ से 1.50 लाख रुपये आर्थिक सहायता के तौर पर दी जाती है। किसी वाहन से सड़क पर धक्का लगने के 24 घंटे के अंदर पीड़ित को किसी अधिमान्य प्राप्त अस्पताल में एडमिट कराना अनिवार्य होता है। अगर व्यक्ति के पास आयुष्मान कार्ड मौजूद है, तो वे भी इसके माध्यम से लाभ उठा सकते हैं। थाना वालों को इससे संबंधित जानकारी ई-डार पोर्टल पर भी भरना आवश्यक है। किसी तरह के दुर्घटना की जानकारी का थाना स्तर पर 24 घंटे में संपुष्ट करना होगा। एडीजी ने कहा कि मोटरयान अधिनियम की धारा 136 के दर्ज प्रावधानों के अनुसार किसी दुर्घटनाग्रस्त वाहन को थाना से 24 घंटे में छोड़ना अनिवार्य है।

सोलर स्ट्रीट लाइट की शिकायतों का जल्द होगा निपटारा : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश ने पदभार ग्रहण किया। मौके पर सचिव मनोज कुमार ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। मंत्री श्री प्रकाश ने लोगों की शिकायतों के निपटारे पर दिया जोर, कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत पंचायतों में लगी सोलर स्ट्रीट लाइट्स के रख-रखाव और योजना के क्रियान्वयन से संबंधित शिकायतों का तुरंत निपटारा सुनिश्चित किया जाए। दूसरी बार विभाग का पदभार संभालने पर मंत्री ने विभागीय योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली। साथ ही वित्त आयोग की ओर से सम्पोषित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति लेकर योजनाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेने का सचिव को निर्देश दिया। आगे कहा कि राज्य सरकार पंचायतों को विकास की सशक्त इकाई के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए पंचायती राज संस्थाओं को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह, पारदर्शी व जनोन्मुख बनाने की दिशा में विभाग निरंतर काम करता रहेगा।

संपादकीय

मिलावट, ज़हरीली खेती और बीमार होता समाज

राजगढ़ से भाजपा सांसद रोडमल नागर का यह बयान कि उनकी कॉलोनी में 27 बच्चे ब्लड कैंसर से पीड़ित हैं, केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं माना जाना चाहिए। यह उस भयावह सच्चाई की ओर संकेत है, जिसे समाज लंबे समय से अनदेखा करता आ रहा है। यदि किसी क्षेत्र में इतने कम समय में बड़ी संख्या में बच्चे गंभीर बीमारी का शिकार हो रहे हैं, तो यह केवल संयोग नहीं हो सकता।

आज बाजार से लेकर खेत तक, हर जगह मिलावट और रासायनिक प्रयोग की अंधी दौड़ दिखाई दे रही है। दूध नकली है, सब्जियां इंजेक्शन से तैयार की जा रही हैं और उत्पादन बढ़ाने की लालसा में जमीन में जरूरत से ज्यादा रासायनिक खाद डाली जा रही है। नतीजा यह है कि भोजन धीरे-धीरे पोषण नहीं, बल्कि बीमारी का कारण बनता जा रहा है।

कभी जिन सब्जियों और अनाज को स्वास्थ्य का आधार माना जाता था, वही अब लोगों के शरीर में जहर घोलने का माध्यम बनते जा रहे हैं। खेती में अंधाधुंध यूरिया और कीटनाशकों के उपयोग ने मिट्टी की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाया है। इसका असर केवल खेत तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे लोगों के स्वास्थ्य पर दिखाई देने लगा है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के बढ़ते मामले इसी संकट की चेतावनी हैं। चिंता की बात यह भी है कि इस विषय पर समाज और प्रशासन दोनों की संवेदनशीलता कम होती जा रही है। मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई अक्सर औपचारिक बनकर रह जाती है। खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभाग समय-समय पर अभियान चलाते जरूर हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति में बड़ा सुधार दिखाई नहीं देता। राजनीतिक बयानबाजी से अलग हटकर अब आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर इस समस्या को गंभीरता से लें। यदि वास्तव में किसी क्षेत्र में बच्चों में कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, तो वहां व्यापक स्वास्थ्य सर्वेक्षण और वैज्ञानिक जांच कराई जानी चाहिए। साथ ही मिलावटी खाद्य पदार्थों और जहरीली खेती पर कठोर नियंत्रण जरूरी है। यह केवल किसानों या व्यापारियों का मुद्दा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का प्रश्न है। यदि अभी भी चेतावनी को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और भयावह हो सकती है। स्वस्थ समाज की शुरुआत स्वस्थ भोजन और सुरक्षित खेती से ही संभव है।

अब इंडिया गठबंधन का क्या होगा?

अशोक भाटिया

मई 2026 के विधानसभा चुनाव परिणामों और कांग्रेस की बदलती रणनीतियों (विशेषकर तमिलनाडु में ष्ठरूय से दूरी) के बाद इंडिया गठबंधन गंभीर संकट में है और इसके भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। बंगाल, केरल और पंजाब में क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का तालमेल न होना गठबंधन की एकता को कमजोर कर रहा है।

बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी की काफी समय तक कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ने की चर्चाएं चल रही थीं। कुछ सीटों पर दोनों दलों में एक राय नहीं बन पाई। ऊपर से तो दोनों ही दल चुप्पी साधे रहे, लेकिन अंदर ही अंदर खटपट होती रही। अचानक एक दिन ममता ने कह दिया- एकला चलो, यानी बंगाल में ढ्ढह्लष्ठढ्ढ गठबंधन को खारिज करते हुए अकेले ही चुनाव लड़ने का ऐलान। ममता को लग रहा था कि कांग्रेस बंगाल में लेफ्ट के साथ भी गलबहियां कर रही है, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा। वाम दल के विरोध की लहर पर सवार होकर ही ममता सत्ता के शिखर तक पहुंची थीं। ऐसे में ये नजदीकी ममता को खटकी और उन्होंने फौरन किसी भी तरह के गठबंधन से दूरी बना ली।

ममता की गठबंधन से दूरी का मुख्य कारण बंगाल में अपनी राजनीतिक जमीन बचाना और कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार न करना था। ममता के लिए राज्य की सत्ता और क्षेत्रीय वर्चस्व, राष्ट्रीय गठबंधन की तुलना में हमेशा प्राथमिकता पर रहे हैं। अब न सत्ता रही, ना ही वर्चस्व। इसी वजह से ममता को अचानक से गठबंधन की याद आई।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में स्टालिन की हार के बाद अब इस बात पर बहस छिड़ी है कि इंडिया गठबंधन का क्या होगा। अभी तक संसद में इंडिया गठबंधन के घटक दलों के रूप में समाजवादी पार्टी और डीएमके हमेशा से कांग्रेस के पीछे खड़ी रही। जबकि तृणमूल कांग्रेस का स्टैंड मुद्दों के आधार पर बदलता रहता था। वहीं अभी हुए विधानसभा चुनावों की बात करें तो कांग्रेस ने दो राज्यों में अपने ही इंडिया गठबंधन के साथियों के खिलाफ चुनाव लड़ा। केरल में वह वाममोर्चा को हरा कर सत्ता में आई, जबकि बंगाल में वह तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ी और 292 सीटों पर उम्मीदवार उतारे।

राहुल गांधी ने अपने चुनावी प्रचार में ममता बनर्जी की सरकार पर तीखे प्रहार किए। यहां तक तो कोई समस्या नहीं है, क्योंकि राज्यों में राजनीतिक दल एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं, मगर केंद्र में बीजेपी के खिलाफ एकजुट हो जाते हैं। मगर अब इंडिया गठबंधन में दिक्कत ये है कि कांग्रेस तमिलनाडु में डीएमके का साथ छोड़ कर एक्टर विजय के साथ सरकार में शामिल होने जा रही है। जबकि डीएमके के साथ मिलकर उन्होंने अभी चुनाव लड़ा है। वैसे लोग इसे कांग्रेस की मौक़ापरस्त राजनीति भी कह सकते हैं, मगर यह राजनीति है। यदि मौका चूक गए तो चूकते ही रहेंगे और इतिहास गवाह है कांग्रेस ने ऐसे कई मौके चूके हैं।

अगर कांग्रेस एक्टर विजय के साथ सरकार में जाती है तो संसद में उसे लोकसभा में डीएमके के 22 और राज्यसभा के 8 सांसदों का समर्थन नहीं मिल पाएगा। दरअसल डीएमके के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस में चुनाव से पहले भी दो राय थी। कांग्रेस का एक धड़ा डीएमके के साथ चुनाव में जाने के पक्ष में नहीं था, खासकर तमिलनाडु के कांग्रेसी। मगर अंत में राहुल गांधी को मानना पड़ा और कांग्रेस डीएमके का गठबंधन हुआ। अब देखना है कि तमिलनाडु की राजनीति क्या करवट लेती है। कांग्रेस के एक नेता का कहना है कि कांग्रेस को एक्टर विजय के साथ जाना चाहिए हम अगली लोकसभा में तमिलनाडु की सभी 39 सीटें जीत सकते हैं।

दूसरी ओर राहुल गांधी अब तृणमूल कांग्रेस की तरफ से नरम हैं और भारतीय जनता पार्टी पर बंगाल में वोट चोरी के साथ साथ सरकार चोरी का आरोप लगा दिया है। वहीं समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव तो कोलकाता ही पहुंच गए। कुल मिलाकर यहां पर इंडिया गठबंधन पर एकसाथ दिखाई दे रहा है। मगर अगले चुनाव तक क्या होगा यह अभी कहना मुश्किल है। लेकिन इंडिया गठबंधन का सबसे बड़ा टेस्ट उत्तर प्रदेश में 2027 के चुनाव में होना है। यहां देखना होगा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एकसाथ लड़तीं है या अलग-अलग।

राहुल और अखिलेश पहले भी एक साथ लड़ चुके हैं। कांग्रेस अकेले भी लड़ चुकी है।अभी लोकसभा में उत्तर प्रदेश से कांग्रेस के 6 सांसद हैं।समाजवादी पार्टी के 37 सांसद मिलाकर कुल 43 सांसद होते हैं, इस लिहाज से उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव दिलचस्प हो सकता है। लेकिन इस सब के लिए इंडिया गठबंधन को 2027 और उसके आगे तक जिंदा रहना पड़ेगा।

बात करें तमिलनाडु तो वहां कांग्रेस के एक वर्ग ने चुनाव से पहले टीवीके के साथ गठबंधन करने की इच्छा खुलकर व्यक्त की थी, लेकिन अब जब कांग्रेस के पास पूर्ण बहुमत नहीं है, तो उसने टीवीके का समर्थन किया है।जहां कुछ विशेषज्ञ इसे ÷तमिलनाडु में कांग्रेस पार्टी को मज़बूत करने का निर्णय÷ मानते हैं, वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ÷यह एक अवसरवादी निर्णय है, नीतिगत निर्णय नहीं।÷विजय की नवगठित पार्टी, जिसने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाग लिया था, उसने 108 सीटें जीती हैं।कांग्रेस ने टीवीके को सरकार बनाने में समर्थन दिया है। डीएमके के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने 5 सीटें जीती हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता गिरीश चोडंकर के नाम से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पार्टी टीवीके का समर्थन इस शर्त पर करेगी कि भारतीय संविधान में विश्वास न रखने वाली सांप्रदायिक ताकतों को गठबंधन से बाहर रखा जाए। वे आगे कहते कि वे तमिलनाडु में कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवित करना चाहते हैं। वे इसे ज़मीनी स्तर पर मज़बूत करना चाहते हैं। अपने बयान में गिरीश चोडंकर ने कहा, यह गठबंधन आपसी सम्मान, उचित हिस्सेदारी और दोनों पक्षों की ज़िम्मेदारी की भावना पर आधारित है। यह न केवल वर्तमान सरकार के गठन के लिए बल्कि भविष्य के स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों के लिए भी जारी रहेगा।

लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के समर्थन को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में पत्रकार मालन ने कहा, ÷कांग्रेस द्वारा स्थानीय निकाय चुनावों से लेकर लोकसभा चुनावों तक टीवीके को समर्थन देने का कारण शायद आगामी चुनावों में अधिक सीटें जीतना हो सकता है। उन्हें लगता है कि विजय के साथ गठबंधन करने से उन्हें आसानी होगी। उन्होंने डीएमके को अपने भविष्य के रुख़ से अवगत कराने के लिए भी ऐसा कहा होगा।÷तमिलनाडु में कांग्रेस लंबे समय से डीएमके की सबसे बड़ी सहयोगी रही है।

इंदिरा गांधी के समय से लेकर राहुल गांधी के वर्तमान युग तक, कुछ मतभेदों के बावजूद डीएमके-कांग्रेस संबंध लंबे समय तक कायम रहे हैं।डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के बीच का रिश्ता भी तमिलनाडु में कई बार चर्चा का विषय रहा है। दोनों ने सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों पर एक-दूसरे को भाई कहा है।

एलंगोवन राजशेखरन ने राज्य की बड़ी पार्टियों का फायदा उठाने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा, कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियों के खिलाफ काम किया। राज्य की पार्टियां कांग्रेस से नाराज़ हो गई हैं। इस तरह के रवैये के साथ, कांग्रेस पार्टी कभी भी भाजपा गठबंधन के विकल्प के रूप में उभर नहीं पाएगी। कांग्रेस ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है।

जा मीडिया ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस के इस फैसले से उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठ सकते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा, ÷कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता युवा पीढ़ी के नेताओं से सहमत नहीं हैं। वे इस अवसर का लाभ उठाकर पार्टी को मज़बूत करने की कोशिश कर रहे हैं। 1967 में तमिलनाडु में डीएमके के सत्ता में आने के बाद से कांग्रेस ने सरकार में कोई भूमिका नहीं निभाई है। अब यह स्थिति बदल सकती है।÷

हालांकि, कांग्रेस के मोहन कुमारमंगलम का कहना है कि मंत्रिमंडल में भूमिका उनके लिए कोई शर्त नहीं है।एलंगोवन राजशेखरन का कहना है कि कांग्रेस की यह शर्त कि सांप्रदायिक ताकतें जो भारतीय संविधान में विश्वास नहीं करतीं÷ इस गठबंधन में शामिल न हों, अस्वीकार्य है।वे कहते हैं, अगर विजय मुख्यमंत्री बनने के बाद केंद्र सरकार के साथ सामंजस्य बिठाने का फैसला करते हैं तो कांग्रेस क्या करेगी?

चेन्नई इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च की वरिष्ठ प्रोफेसर आनंदी कहती हैं, टीवीके-कांग्रेस गुट ने नीतियों पर क्या चर्चा की? दोनों पक्षों ने निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण, भाषा नीति, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद आदि पर क्या बात की? यह सवाल उठता है कि क्या वे ऐसी आपातकालीन स्थिति में इन विषयों पर चर्चा कर सकते थे। यह तो सिर्फ संख्या का खेल है।÷मोहन कुमारमंगलम कहते हैं, ÷विजय ने कई बार यह स्पष्ट किया है कि उनका राजनीतिक शत्रु भाजपा है। हमने अपने समर्थन की शर्त यह रखी है कि सांप्रदायिक ताकतें गठबंधन में शामिल न हों। इसका मतलब है कि भाजपा को गठबंधन में नहीं आना चाहिए।

इंडिया गठबंधन में अब विजय आएंगे या डीएमके निकलेगी ये भी एक बड़ा सवाल है राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का विरोध करने के लिए गठित इंडिया गठबंधन का क्या होगा? के सवाल पर मालन कहते हैं, विजय इंडिया गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। हालांकि उस गठबंधन में शामिल पार्टियां अपने-अपने राज्यों में अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं, लेकिन वे राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का विरोध करने के मुद्दे पर एकजुट हैं। हालांकि, अब अगर टीवीके इंडिया गठबंधन में शामिल हो जाता है, तो यह सवाल उठ सकता है कि डीएमके गठबंधन में रहेगी या नहीं। इसका समाधान अगले लोकसभा चुनावों तक हो सकता है।÷

मोहन कुमारमंगलम ने कहा, डीएमके की नीति भाजपा के खिलाफ नहीं है। ऐसे में वे इंडिया गठबंधन में क्यों नहीं शामिल होते? दोनों दलों (टीवीके और डीएमके) को एक साथ आकर भाजपा का विरोध करना चाहिए। इंडिया गठबंधन में हर तरह की नीतियों वाले दल शामिल हैं। क्या डीएमके इंडिया गठबंधन में शामिल होने के बजाय भाजपा के साथ गठबंधन करेगी? भविष्य में कुछ भी हो सकता है।

सड़क सिकुड़ी, खतरे बढ़े : अवैध रैंप की अनदेखी समस्या

डॉ विजय गर्ग

शहरों और कस्बों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। जहां एक ओर विकास के नाम पर नई सड़कें, मकान और बाजार खड़े हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अव्यवस्थित निर्माण और नियमों की अनदेखी भी बढ़ती जा रही है। इसी अव्यवस्था का एक खामोश लेकिन खतरनाक रूप है–घर के आगे बनाए गए अवैध रैंप। ये रैंप देखने में भले ही छोटे लगें, लेकिन इनका प्रभाव बड़ा और गंभीर है। संकरी गलियों में इनका फैलाव न केवल आवागमन में बाधा बन रहा है, बल्कि हादसों का कारण भी बनता जा रहा है।

समस्या की जड़: सुविधा या स्वार्थ?: घर के सामने रैंप बनाने का उद्देश्य आमतौर पर वाहन को आसानी से घर के भीतर ले जाना होता है। यह सुविधा पहली नजर में जायज लगती है, लेकिन जब हर घर अपनी सुविधा के लिए सड़क के हिस्से पर कब्जा करने लगे, तो यह सामूहिक समस्या बन जाती है।

अधिकतर मामलों में ये रैंप बिना किसी अनुमति के बनाए जाते हैं और सड़क के स्तर से ऊंचे या चौड़े होते हैं, जिससे सड़क का वास्तविक आकार सिकुड़ जाता है।

संकरी गलियों में बढ़ती मुश्किलें: छोटे शहरों और पुराने मोहल्लों की गलियां पहले ही काफी संकरी होती हैं। ऐसे में जब हर घर के सामने एक-एक रैंप बन जाता है, तो पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह असंतुलन का कारण बनता है

साइकिल और दोपहिया वाहन फिसलने का खतरा बढ़ जाता है

चार पहिया वाहनों का गुजरना चुनौतीपूर्ण हो जाता है

बरसात के दिनों में यह समस्या और भी विकराल रूप ले लेती है, जब पानी रैंप के आसपास जमा होकर फिसलन पैदा करता है।

हादसों का बढ़ता ग्राफ: अवैध रैंप सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि खतरा भी हैं। कई मामलों में देखा गया है कि अचानक ऊंचे या टेढ़े-मेढ़े रैंप से वाहन का संतुलन बिगड़ जाता है। बाइक सवारों के फिसलने की घटनाएं आम हो गई हैं। रात के समय, जब दृश्यता कम होती है, दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है। एम्बुलेंस या फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन वाहन भी इनसे प्रभावित होते हैं। एक छोटी सी लापरवाही कभी-कभी बड़े हादसे का कारण बन जाती है।

कानून और व्यवस्था की अनदेखी: नगर निकायों के नियम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि सार्वजनिक सड़क पर किसी भी प्रकार का स्थायी निर्माण अवैध है। इसके बावजूद, स्थानीय प्रशासन अक्सर इस मुद्दे पर सख्ती नहीं दिखाता।

कारण कई हो सकते हैं :

शिकायतों का अभाव: राजनीतिक या सामाजिक दबाव, जागरूकता की कमी, परिणामस्वरूप, यह समस्या धीरे-धीरे सामान्य मान ली जाती है, जबकि यह पूरी तरह गैरकानूनी है।

सामाजिक मानसिकता भी जिम्मेदार: इस समस्या का एक पहलू हमारी सोच से भी जुड़ा है। हम अक्सर अपनी सुविधा को प्राथमिकता देते हुए यह भूल जाते हैं कि सड़क सार्वजनिक संपत्ति है।

मेरे घर के सामने है, मैं जो चाहूं करूं –यह सोच सामूहिक हित के विपरीत है। जब हर व्यक्ति यही सोच अपनाता है, तो पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है।

समाधान की दिशा में कदम

इस समस्या से निपटने के लिए केवल प्रशासन ही नहीं, समाज की भागीदारी भी जरूरी है।

1. सख्त प्रशासनिक कार्रवाई

नगर निगम या पंचायत को नियमित निरीक्षण कर अवैध रैंप हटाने चाहिए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाना चाहिए।

2. स्पष्ट दिशा-निर्देश

यदि रैंप की आवश्यकता हो, तो उसके लिए मानक तय किए जाएं–जैसे ऊंचाई, चौड़ाई और डिजाइन–ताकि वह सड़क में बाधा न बने।

3. जन जागरूकता अभियान

लोगों को यह समझाना जरूरी है कि सड़क पर कब्जा करना केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि दूसरों की सुरक्षा से खिलवाड़ भी है।

4. सामुदायिक पहल

मोहल्ला स्तर पर लोग मिलकर इस समस्या का समाधान निकाल सकते हैं। सामूहिक निर्णय लेकर अवैध निर्माण हटाए जा सकते हैं।

भविष्य के लिए चेतावनी

यदि इस समस्या को अभी नजरअंदाज किया गया, तो आने वाले समय में यह और गंभीर रूप ले सकती है। बढ़ती आबादी और वाहनों के साथ यह समस्या दुर्घटनाओं, ट्रैफिक जाम और सामाजिक तनाव का कारण बन सकती है।

निष्कर्ष : अवैध रैंप कोई छोटी समस्या

हमारी साझी सभ्यता का प्रतीक : सोमनाथ

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत

जय सोमनाथ !

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है।

हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है- प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।

यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है। 1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, ''इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।'' उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया।

दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया। 11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं।

पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्रयंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। इसके साथ ही उनकी पारंपरिक पहचान को भी बनाए रखा है। आज बेहतर कनेक्टिविटी से ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आ पा रहे हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है, आजीविका सुरक्षित हो रही है, साथ ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना और सशक्त हो रही है।

सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते। भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इसकी भव्यता और दिव्यता को लौटाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उनकी ऐसी ही आस्था पूरे भारतवर्ष को लेकर भी थी। वे एकता की ऐसी अद्भुत डोर से बंधे थे, जिसे जमीनी सीमाओं में नहीं बांटा जा सकता। आज की विभाजित दुनिया में, सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। सोमनाथ अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ हमेशा खड़ा रहेगा, क्योंकि यह हमारी साझा सभ्यता का प्रतीक है। इसी गौरव को नमन करते हुए बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में और दानवीरों की उदारता को याद करते हुए अगले एक हजार दिनों तक यहां विशेष पूजा आयोजित की जाएगी। यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि बड़ी संख्या में लोग इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं। सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है। यही भावना हमें विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है- प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है!

संक्षिप्त समाचार

रेडक्रॉस के संस्थापक की जयंती पर विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कटिहार (नबिटासं)। रेडक्रॉस सोसाइटी चेयरमैन डॉक्टर रंजना झा के नेतृत्व में रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यूनेन्ट के जन्मदिन को मनाने के लिए रेडक्रॉस भवन पर एकत्रित हुए। आज ही के दिन 8 मई 1928 को रेडक्रोस संस्थापक का जन्म हुआ था। उनके जन्मदिवस को मानव सेवा में उनके योगदान तथा रेडक्रॉस स्वयंसेवकों के सेवा भाव को याद करने के लिए विश्व रेडक्रॉस दिवस के रूप मनाया जाता है। उन्होने कहा कि आज अपनी स्थापना के 163 वे वर्ष में रेडक्रॉस लगभग दस करोड़ स्वयंसेवकों के सहयोग से विश्व के 195 देशों में मानव स्वास्थ्य तथा जीवन की रक्षा में हर पल हर क्षण लगी हुई। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस के अविस्मरणीय सेवा कार्यों के लिए इसे तीन तीन बार नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया है।

पूर्व चेयरमैन अनिल चमरिया ने कहा कि रेडक्रॉस सोसाइटी की कटिहार शाखा प्रतिबद्धता के साथ पीड़ितों की मदद करने में सदैव अग्रणी भूमिका निभाती आई है। सचिव संतोष गुप्ता ने कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर मध्य विद्यालय मिरर्चाईबारी के बच्चों का स्वास्थ्य जांच किया गया। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सतीश कुमार द्वारा लगभग 100 बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की गई एवं निःशुल्क दवाई का वितरण भी किया गया। डॉक्टर सतीश ने बताया कि बच्चों मे विटामिन की कमी के साथ, भूख कम लगना, क्रिमी तथा आँखों की भी समस्या पायी गई। डॉक्टर रंजना झा ने सातवी एवं आठवीं कक्षा के छात्राओं की जांच की एवं उन्हे उचित मार्गदर्शन भी दिया। संतोष गुप्ता ने कहा कि इस संस्था की पहचान के लिए सफेद पट्टी पर लाल रंग के क्रास चिह्न को मान्यता दी गई। प्रबंध समिति सदस्य आलोक सिन्हा,बबन झा, पुरुषोत्तम मोदी, देवराज शर्मा के साथ कोषाध्यक्ष पंकज पूर्वे उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि इस मौके पर रेडक्रॉस संस्थापक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर रेडक्रॉस भवन मे झंडोतोलन किया गया। मौके पर उपस्थित स्कूल प्रबंध समिति अध्यक्ष सह वार्ड पार्षद मनीष घोष उर्फ बिट्टू घोष के साथ प्रधानाध्यापक सुबोध प्रसाद उपस्थित थे। उन्होंने संस्था की सेवा कार्य के लिए सहृदय साधुवाद दिया। वार्ड पार्षद नितेश सिंह उर्फ निक्कू सिंह के साथ शिक्षकगण भी उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा की सांगठनिक चुनाव संबंधी बैठक आयोजित

कटिहार (नबिटासं)। शहर आनंद भवन में राष्ट्रीय लोक मोर्चा का सांगठनिक चुनाव संबंधी बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला संयोजक उमाकांत आनंद ने की। बैठक में मुख्य रूप से जिला निर्वाचन प्रवेक्षक नीरज मेहता और जिला निर्वाचन पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह मौजूद रहे । इस दौरान पंचायत अध्यक्ष,प्रखंड अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष चुनाव संबंधी विचार विमर्श किया गया।जिला निर्वाचन प्रवेक्षक नीरज मेहता ने कहा पंचायत अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष का चुनाव निर्धारित तिथि से कराया जाएगा।इसके लिए कई दिशा निर्देश भी दिए।जिला निर्वाचन पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने पंचायत अध्यक्ष चुनाव संबंधी पार्टी पदाधिकारी को पारदर्शी से चुनाव

कराने का निर्देश दिए ताकि प्रखंड अध्यक्ष का चुनाव सही तरीके से किया जा सके।जिला संयोजक उमाकांत आनंद ने कहा जिला में हमारी पार्टी काफी मजबूत है। संगठन चुनाव के बाद पार्टी और अधिक मजबूत होगा। बैठक में प्रदेश सचिव पिंकू कुमार,जिला उपाध्यक्ष दिलीप सिंह, महासचिव दयानंद,उदय सिंह, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष तापेश्वर सिंह,व्यवसायिक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष शंकर गुप्ता,युवा नेता अंकित सिंह,मो. सद्दाम, नारायणन राय,कपिल मंडल सहित सभी जिला पदाधिकारी, प्रखंड संयोजक सहित क्रियाशील सदस्य मौजूद रहे।

नदी मार्ग में सुरक्षित यात्री फेरी सेवा की मांग

मनिहारी /कटिहार (नबिटासं)। भारतीय जनता पार्टी किसान प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष गुड्डू यादव ने अनुमंडल पदाधिकारी मनिहारी को मांगपत्र सौंपकर मनिहारी - साहिबगंज झारखंड के बीच जनहित में यात्री फेरीसेवा बहाल करने की मांग की है। मनिहारी घाट से नदी मार्ग से साहिबगंज जाने का सुगम मार्ग वर्षो से रहा है। इन घाटों से पूर्व में यात्री फेरी सेवा क्रियाशील रहने से सीमांचल व झारखंड क्षेत्र से हजारों की संख्या में यात्री पार उतरते थे। लेकिन विगत कुछ महीने से फेरीसेवा बाधित रहने से लोगों को भय के साये में नाव के सहारे पार उतरने की विवशता है। दोनों ही ओर गंगा किनारे के वाणिज्य व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव पड रहा।श्री यादव ने व्यापक जनहित में मनिहारी- साहिबगंज के बीच यात्री फेरीसेवा सहित मालवाहक फेरी सेवा बहाली की मांग की है।

मनसाही में वृद्धा पेंशन के केवाईसी का कार्य सुस्त पड़ा

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड क्षेत्र में वृद्धा पेंशन को लेकर जीवन प्रमाणिक कार्य कर्मियों को द्वारा कछुए की चाल पर चल रही हैं। वरीय पदाधिकारी के आदेशानुसार जीवन प्रमाणिक को लेकर पत्र जारी करते हुए पत्र में 30 अप्रैल से 30 मई तक की समय सीमा निर्धारित की गई है । मनसाही के सातों पंचायत के पंचायत भवन में शिविर के माध्यम से जीवन प्रमाणिक कार्य करने का दिशा निर्देश दिया गया हैं,मगर निचले स्तर के कर्मियों द्वारा समय पर नहीं पहुंचाना और कम संख्या में कर्मियों की उपस्थित के कारण कार्य पूर्ण रूप से नहीं हो पाता हैं। जिसके कारण आठ दिनों के अंदर मात्र 717 लोगों का ही जीवन प्रमाणिक कार्य किया गया हैं जबकि शेष 2443 व्यक्ति का अभी भी जीवन प्रमाणीकरण होना हैं।इस संदर्भ में प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमन कुमारी ने कहा कि अगले दिन से सभी पंचायत भवन में कार्यरत कर्मियों की जांच कराई जाएगी जो अनुपस्थित रहेंगे उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कुरेठा पंचायत भवन में लगे शिविर में पंचायत के मुखिया अवधेश प्रसाद यादव, कचहरी सचिव कृष्णदेव प्रसाद सिंह,सुपरवाइजर छोटू कुमार गोस्वामी,कार्यपालक सहायक शिशिर कुमार,विकास मित्र कौशल ऋषि, पर्यवेक्षक श्रवण कुमार आदि उपस्थित रहे ।

गंगा किनारे और गंगा की कोख मे बसे लोगों की आजीविका, आवास और अस्तित्व पर मंथन

मनिहारी /कटिहार (नबिटासं)। पावन गंगातट पर बसे पावन नगरी मनिहारी की धरा पर दिल्ली से आये पर्यावरण शवाहिक सिद्दीकी एवं साभवी ठाकुर ने गंगाघाटी मंच बिहार के संयोजक भगवान जी पाठक, अभिलाषा परिवार के सचिव राजेश कुमार सिंह की अगुवाई में नेशनल पब्लिक स्कूल मनिहारी के प्रांगण में संबंधित हितधारकों,सामाजिक कार्यकताओं के साथ बैठक की। नदी घाटी मंच, बिहार एवं अभिलाषा परिवार, कटिहार द्वारा गंगा किनारे और गंगा की कोख में बसे लोगों की आजीविका, आवास और अस्तित्व से संबन्धित मुद्दों पर व्यापक चर्चा हेतु पहली बार आयोजित ह्लगंगा संवादह्व में जिले भर के शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकताओं, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं से चर्चा के उपरान्त स्थानीय परिस्थितियों से अवगत होने तथा गंगा किनारे एवं गंगा के कोख की परिस्थितियों से रुबरु होने हेतु दिल्ली से आए उच्च न्यायालय के पर्यावरण वकील शवाहिक सिद्दीकी तथा साभवी ठाकुर, नदियों के सवाल पर काम करने वाले पर्यावरणविद् भगवानजी पाठक तथा अभिलाषा परिवार के सचिव राजेश कुमार सिंह की टीम नेशनल पब्लिक स्कूल मनिहारी परिसर में सामाजिक कार्यकर्ता डॉ० ओम प्रकाश पाण्डेय के संयोजकत्व में सभी हितधारकों से परिचर्चा की। परिचर्चा में मनिहारी महाविद्यालय, मनिहारी के सेवानिवृत प्राध्यापक प्रो० वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गंगा के कटाव से इसके किनारे तथा इसके कोख में बसे लोगों की आजीविका प्रभावित होती है उनके परिवार ने भी कटाव का दंश झेला है उनकी पुस्तैनी जमीन गंगासिकस्त हो गई जिसे आजादी के पूर्व उनके पूर्वजों ने रजिस्ट्री केवाला से खरीदा था; गंगबरार होने पर कागज रहने के बावजूद जमीन पर वे दखलाकार नहीं हो सके। सामाजिक कार्यकर्ता एवं तीर्थ पुरोहित रमेश मिश्रा ने मनिहारी गंगा घाट पर पूजन सामग्री एवं अन्य अवसर पर दूकानदारों की चुनौतियों की जानकारी दी।

कटिहार जंक्शन पर जहरीले खीरे का खेल बेनकाब

सड़े खीरे को केमिकल में डुबोकर बनाया जा रहा था हरा-ताजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार रेलवे जंक्शन पर यात्रियों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वाला एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने रेलवे स्टेशन पर महिलाओं द्वारा खुलेआम बेचे जा रहे प्लेटफार्म पर खीरे की पोल खोलकर रख दी है। वीडियो में एक महिला हॉकर सड़े-गले और पीले पड़ चुके खीरों को हरे रंग के केमिकल घोल में डुबोकर उन्हें ताजा और आकर्षक बनाते हुए दिखाई दे रही है।वही कुछ ही सेकेंड में खराब खीरा गहरे हरे रंग में बदल जाता था और फिर उसे यात्रियों को ह्लताजा खीराह्व बताकर बेचा जाता था। इस वीडियो के वायरल होते ही कटिहार स्टेशन और आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया।

यात्रियों में दहशत का माहौल है और लोग अब स्टेशन पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों को लेकर सतर्क हो गए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह के संदिग्ध रंग और केमिकल का सेवन लीवर, किडनी और पेट से जुड़ी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। यात्रियों का आरोप है कि स्टेशन परिसर में खुलेआम ऐसा ह्लधीमा जहरह्व बेचा जा रहा था।वही मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला हॉकर को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 07 मई 2026 को सोशल मीडिया पर शिकायत मिलने के बाद आरपीएफ ईस्ट पोस्ट कटिहार की विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच में यह पुष्टि हुई कि स्टेशन परिसर में खीरे को हरे खाद्य रंग में डुबोकर ताजा दिखाने के उद्देश्य से बेचा जा रहा था। इसके बाद 08 मई 2026 को आरपीएफ ने मामला दर्ज कर विशेष छापेमारी अभियान चलाया। जिसमें स्टेशन और रेल परिसर में खीरा कुल 9 महिलाओं को पकड़कर रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। जानकारी के अनुसार वायरल वीडियो में दिख रही महिला की पहचान काढागोला निवासी फूलबती देवी (65) के रूप में हुई। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह और एक अन्य महिला खीरे को हरे रंग में डुबोकर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए बेचती थीं। फिलहाल आरोपी महिला को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में रेलवे प्रशासन ने साफ कहा है कि यात्रियों की सुरक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा कटिहार स्टेशन पर अवैध हॉकरों और मिलावटखोरों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा। यह घटना यात्रियों के लिए एक बड़ी चेतावनी है कि स्टेशन पर खुले खाद्य पदार्थ खरीदने से पहले सतर्क रहें और संदिग्ध वस्तुओं से दूरी बनाएं।

खाकी की लापरवाही में लुट रही किसान की गाढ़ी कमाई

भू-माफिया के आगे बेबस कटिहार प्रशासन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले से रक्षक ही भक्षक बनने का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसने पुलिसिया कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहाँ के कोलासी पुलिस शिविर कोढ़ा थाना क्षेत्र में पुलिस की कथित मिलीभगत से एक किसान के खेत में लगी तैयार मकई की फसल को भू-माफियाओं द्वारा न केवल लूटा गया, बल्कि पुलिस ने जब्त किए गए ट्रैक्टर और अनाज को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के वापस आरोपियों को ही सौंप दिया।जानकारी के अनुसार बरमसिया निवासी पीड़ित किसान संजय कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। घटना बीते दिन की है।

पीड़ित का आरोप है कि दोपहर करीब 1 बजे संजय यादव, कुमार राकेश,रिंकू यादव और जैदुल समेत 20-25 हथियारबंद लोगों ने उनके 15 बीघा के खेत में घुसकर जबरन फसल काटना शुरू कर दिया।पीड़ित ने तत्काल डायल 112 और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर सहायक थाना कटिहार के एसआई मोहम्मद सद्दाम हुसैन और कोलासी कैंप के एएसआई अश्विनी कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने वहां से मकई से लदा एक बिना नंबर प्लेट का ट्रैक्टर-ट्रेलर जब्त किया और उसे कोलासी पुलिस शिविर ले आई। हैरानी की बात तब हुई जब पीड़ित ने थाने जाकर कार्रवाई की जानकारी ली। आरोप है कि पुलिस अधिकारियों ने भू-माफियाओं के साथ साठगांठ कर बिना किसी प्राथमिकी दर्ज किए ही, अनाज से लदे ट्रैक्टर को चुपचाप छोड़ दिया। पीड़ित का दावा है कि लूट की इस घटना में उन्हें करीब 80 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।पीड़ित संजय कुमार सिंह का दर्द सिर्फ वर्तमान घटना तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि साल 2020 में भी इसी तरह उनकी गेहूं की फसल लूट ली गई थी। उस समय भी पुलिस को लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मामला पटना उच्च न्यायालय सी डब्ल्यूजेसी 20372/2025 और अन्य न्यायालयों में विचाराधीन होने के बावजूद माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।पुलिस ने मेरी आंखों के सामने मेरे अनाज को माफियाओं को सौंप दिया। जब रक्षक ही लुटेरों के साथ मिल जाएं, तो एक आम किसान कहाँ जाए?

सहयोग शिविर को लेकर बीडीओ ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार) । 19 मई को भमरैली पंचायत में आयोजित होने वाली सहयोग शिविर को सफल बनाने को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम प्रकाश की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी के कार्यालय वेश्म में आयोजित बैठक में प्रखंडस्तरीय विभागीय पदाधिकारी व कर्मी शामिल रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ ने कहा कि प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ एवं संवेदनशील बनाकर आमजनों की समस्याओं के यथाशीघ्र निराकरण के उद्देश्य से सभी पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन किया जाना है।उन्होंने कहा कि प्रखंड क्षेत्र में इसकी शुरूआत 19 मई को भमरैली पंचायत से शुरू होगी।उन्होंने कहा कि पंचायत मुख्यालय में लोगों आवेदन प्राप्त करने के लिए कार्यपालक चंदन कुमार को नामित किया गया है।वे कायार्पालक अवधि में आम जनों से आवेदन प्राप्त करेंगे।विभागीय पदाधिकारियों का दायित्व है कि अपने विभाग से संबंधित समस्याओं का 19 मई को शिविर में समाधान कर देंगे। शिविर में आधार कार्ड,जाति -निवास'-आय -प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, जॉब कार्ड, वोटर कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन आवास, शौचालय बिजली नल जल सहित अन्य योजनाओ संबंधित आवेदन प्राप्त किया जाएगा। उन्होंने पंचायतवासियों से अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन पंचायत कार्यालय में जमा करने की अपील की है।

शराब तस्कर व दो वारंटी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। मनिहारी पुलिस ने दिवाकालीन गश्ती के दौरान वाहन जांच के क्रम में नीमा से ओलीपुल की ओर जानेवाली सडक पर एक स्कूटी की जांच के दौरान डिक्की एवं झोला मे छुपाकर ले जायी जा रही विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस ने स्कूटी को भी जप्त कर लिया है। शराब के साथ पकडे गये व्यक्ति की पहचान कटिहार मफ्फसिल थाना क्षेत्र उदामारखा निवासी उपेन्द्र सिंह के पुत्र मनोहर कुमार सिंह (24) के रुप में हुई है। पुलिस ने मद्य निषेध की सुसंगत धाराओं में इसी दौरान विभिन्न कांडों मे फरार चल रहे वारंटी मनिहारी नगर पंचायत क्षेत्र के नयाटोला वार्ड संख्या दो निवासी अनिल महतो (35) एवं सिंगलटोला से मुन्ना महतो (50) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

महिला संग शिक्षक संदिग्ध स्थिति में पकड़ाया ग्रामीणों ने किया पुलिस के हवाले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के मरबतपुर पंचायत के धूमनगर वार्ड संख्या 6 में देर रात उस समय हड़कंप मच गया। जब एक बाल बच्चेदार पुरुष को शादीशुदा महिला के साथ कथित रूप से आपत्तिजनक स्थिति में ग्रामीणों ने पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार मोहम्मद इजहार आलम उर्फ नकलू (36) पिता मोहम्मद अली हसन को गांव के ही सीमा खातून पति अबूल खैर के साथ महिला के घर में आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया। बताया जाता है कि महिला की शादी लगभग आठ वर्ष पूर्व मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार अबूलखैर के साथ हुई थी। शादीशुदा जिंदगी ठीक - ठाक चल रहा था। परंतु शादी के बाद से ही पति मजदूरी करने हैदराबाद गया हुआ है।मजदुरी करने गए दंपति के दो बच्चे भी हैं। ग्रामीणों के अनुसार महिला और युवक के बीच पिछले लगभग छह माह से अवैध संबंध होने की चर्चा गांव में चल रही थी। जिसे महिला ने खुद स्वीकारा है। परिजनों ने देर रात दोनों को एक साथ बंद कमरे में अर्धनग्न अवस्था में देखा। जिस पर मौके पर हंगामा खड़ा हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने दोनों के हाथ रस्सी से बांध दिए।

डिग्री कॉलेज मिलने से स्थानीय छात्र-छात्राओं और शिक्षकों में उत्साह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। बिहार के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जिले के हर प्रखंड में एक डिग्री कॉलेज बनवाने एवं जल्द ही चालू कर नए सत्र चालू करवाने का घोषणा जहां किया गया हैं। वहीं यह कार्य काफी प्रगति पर हैं बता दें कि मनसाही प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मनसाही कटिहार में डिग्री कॉलेज हो जाने से विद्यालय के शिक्षक ही नहीं बल्कि मनसाही क्षेत्र के विभिन्न दल के जनप्रतिनिधियों एवं आम लोगों में काफी उत्साह हैं और गौरव की बात हैं कि मनसाही में एक डिग्री कॉलेज मिला। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक रविकांत ने कहा कि

जिस बच्चें को इंटर के बाद कटिहार शहर के भीड़ भाड़ वाले डीएस कॉलेज,केबी कॉलेज सहित अन्य कॉलेज में नामांकन लेने में काफी दिक्कत होती थी आज डिग्री कॉलेज मरंगी में हो जाने से मनसाही प्रखंड के सभी छात्र-छात्राएं आगे की पढ़ाई मनसाही से ही कर पाएंगे। विद्यालय के नाम से भूमि उपलब्ध रहने के कारण ही डिग्री कॉलेज मरंगी में दिया गया हैं। इस दौरान कॉलेज के प्रधानाचार्य बीना रानी ने कहा कि सरकार के आदेशानुसार डिग्री कॉलेज तत्काल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मरंगी के ऊपरी मंजिल पर ही चलाया जाएगा जब डिग्री कॉलेज के भवन बन जाएंगे तब उन्हें नए भवन में शिफ्ट किया जाएगा जिसको लेकर सर्वप्रथम दिन प्रधानाचार्य वीना रानी ने डीएस कॉलेज से आकर मरंगी में सभी शिक्षक एवं प्रधान शिक्षक शिक्षिका के साथ एक बैठक कर आगे की रणनीति तैयार की। अपना पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि अगले आदेश आने के बाद बीए में हिंदी, हिस्ट्री, सोशल साइंस, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिकल साइंस में नामांकन लिया जाएगा। इस मौके पर हर्ष जाहिर करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक रविकांत ने कहा कि बहुत ही भाग्य की बात हैं कि हमारे ही विद्यालय में डिग्री कॉलेज स्थापित की गई बच्चों की भविष्य के लिए इससे कोई बड़ी बात नहीं हो सकती हैं ।

जनता दरबार में 68 मामलों की सुनवाई, निष्पादन के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया । सात निश्चय 3.0 के अंतर्गत संचालित सबका सम्मान-जीवन आसान कार्यक्रम के तहत समाहरणालय स्थित परमान सभागार में जिला पदाधिकारी विनोद दूहन की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया। इस दौरान कुल 68 मामलों की सुनवाई की गई तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जनता दरबार में प्राप्त मामलों में फसल क्षति, नल-

जल योजना के ऑपरेटरों का लंबित मासिक भुगतान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पेंशन योजना, शिक्षा विभाग में कथित फर्जी बहाली, आंगनबाड़ी सेविका चयन, वासगीत पर्चा की जमीन पर कब्जा, जमीन निबंधन से संबंधित समस्याएं सहित अन्य जनहित से जुड़े मामले प्रमुख रूप से शामिल रहे। भरगामा प्रखंड निवासी कृष्ण चंद दास ने जेबीसी नहर बिंदु-74 से संबंधित राजस्व मामले में अनियमितता की शिकायत दर्ज कराई। वहीं रानीगंज निवासी आदित्य कुमार ने चिकित्सकीय लापरवाही के कारण अपनी बहू की मृत्यु होने का मामला जिलाधिकारी के समक्ष रखा। जोकीहाट निवासी मो० फिरोज आलम ने शिक्षा विभाग में फर्जी बहाली से संबंधित शिकायत की। नरपतगंज निवासी मो० शहीद आलम ने जमीन निबंधन की रोक सूची हटाने की मांग की। अररिया निवासी शमीम अख्तर ने नल-जल योजना के अंतर्गत ऑपरेटरों के लंबित भुगतान का मामला उठाया। वहीं रानीगंज निवासी उग्रानंद झा ने मक्का फसल क्षति से संबंधित शिकायत दर्ज कराई। सिकटी प्रखंड से आए फरियादी जगलाल मंडल ने वासगीत पर्चा की जमीन पर अवैध दखल-कब्जा किए जाने की शिकायत जिलाधिकारी के समक्ष रखी।

कचना पुलिस की ओर से जनसंवाद कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। पुलिस एवं पब्लिक के बीच विश्वास बढ़ाने तथा समस्याओं के त्वरित समाधान एवं क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से कचना थाना परिसर में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता थानाध्यक्ष आनंद कुमार ने की। इस दौरान लोगों ने अपनी समस्याओं को सीधे पुलिस अधिकारी के समक्ष रखा। मौके पर थानाध्यक्ष ने लोगों की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना। जल्द समाधान की दिशा में कदम बढ़ाने का आश्वासन दिया। इस दौरान थानाध्यक्ष ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि थाने में सप्ताह में दो दिन सोमवार एवं शुक्रवार को नियमित रूप जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से जनसंवाद कार्यक्रम में उपस्थित होकर बेझिझक अपनी समस्या रखने की अपील की है।

बच्चों एवं महिलाओं के पोषण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में बाल विकास परियोजना की संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में उपविकास आयुक्त अमित कुमार,डीपीओ आइसीडीएस पूर्णिमा कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अभिषेक रंजन,गोपनीय शाखा प्रभारी पदाधिकारी अभिषेक किशोर सहित अन्य शामिल रहे।

बैठक में आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण, बाल सुलभ शौचालय निर्माण, लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ एवं पोषण ट्रैकर बोर्ड आदि योजनाओं की समीक्षा की गई।डीएम ने आंगनबाड़ी भवन निर्माण को लेकर अंचल अधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं कनीय अभियंता संयुक्त रुप से सरकारी भूमि चिह्नित कर यथाशीघ्र अनापत्ति प्रमाण-पत्र निर्गत करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि जिले में 425 बाल सुलभ शौचालय निर्माण का काम लंबित है।उन्होंने एलएइओ को 15 दिनों के अंदर निर्माण करने का निर्देश दिया।उन्होंने सभी सीडीपीओ को आंगनबाड़ी केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करने का निर्देश दिया ताकि केन्द्रों का समय पर खुलना, बच्चों की शतप्रतिशत उपस्थिति, बच्चों का एफआरएस सत्यापन नवनिर्मित किया जा सके।उन्होंने कहा कि अतिरिक्त कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराने का निर्देश दिया।

नदी तटीय समुदायों के अधिकार और आजीविका पर मंथन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । गंगा घाटी मंच एवं अभिलाषा परिवार स्वयंसेवी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में गंगा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले में पहली बार आयोजित इस संवाद में नदी-तटीय समुदायों के पर्यावरणीय न्याय, सामुदायिक जल अधिकार तथा समावेशी नदी बेसिन शासन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम में मछुआरों, नदी किनारे के किसानों, महिलाओं,प्रवासी समुदायों तथा नदी कटाव और गाद जमाव से प्रभावित लोगों की आजीविका और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों पर अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए। वक्ताओं ने कहा कि गंगा - ब्रह्मपुत्र - मेघना जीबीएम बेसिन से जुड़े समुदायों के अनुभवों और स्थानीय आवश्यकताओं को नदी विकास और शासन की नीतियों में समावेशी रूप से शामिल किया जाना चाहिए। संवाद में

विशेषज्ञों,सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय समुदायों ने अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, सामुदायिक भागीदारी और समावेशी नदी शासन के आधार पर नदी पारिस्थितिकी तंत्रों के संरक्षण एवं प्रभावित समुदायों के पुनर्वास की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही नदी प्रदूषण,गाद भराव और मछलियों की घटती संख्या जैसी समस्याओं पर गंभीर विमर्श किया गया। कार्यक्रम में दियारा क्षेत्र में रहने वाले लोगों की समस्याओं और उनकी आजीविका के मुद्दों पर भी गहन चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बाढ़ के समय आने वाली आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन तथा कानून-व्यवस्था और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता जताई। डीआरडीए निदेशक सह गंगा समिति के नोडल पदाधिकारी सुदामा प्रसाद ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि दियारा क्षेत्र में रहने वाले लोगों की आजीविका और सुरक्षा को लेकर ठोस पहल की जरूरत है। पूरे संवाद के दौरान गंगा और उसकी सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर गंभीर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि यदि नदियां सुरक्षित और जीवंत नहीं रहेंगी, तो उनसे जुड़ी आजीविका और समाज भी प्रभावित होगा। कार्यक्रम में समाज की भागीदारी के साथ नदी संरक्षण अभियान को मजबूत करने पर सहमति बनी। इस अवसर पर दिल्ली से आए उच्च न्यायालय के पर्यावरण वकील शवाहिक सिद्दीकी, सांभवी ठाकुर, अभिलाषा परिवार के सचिव राजेश कुमार सिंह, भगवान जी पाठक, पर्यावरणविद् टीएन तारक, ब्रज मोहन प्रसाद, प्रोफेसर प्रभु नारायण लाल दास, विनय भूषण प्रसाद, नवीन चौधरी, अधिवक्ता भास्कर सिंह, छाया तिवारी, डॉ.ओम प्रकाश पांडे, किशोर मंडल, सूरज गुप्ता, अरुण कुमार चौबे, शिवानंद सिंह, नवीन कुमार, अमरेश कुमार सिंह और राजकुमार गुप्ता सहित कई सामाजिक कार्यकताओं ने अपने विचार रखे।

एचडीएफसी बैंक के लोन की ब्याज दरों में बदलाव, 0.05 फीसदी तक की कटौती की

नई दिल्ली, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक ने लोन की ब्याज दरों में बदलाव किया है। कुछ खास समय-सीमाओं के लिए बैंक ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट्स (एमसीएलआर) में 5 बेसिस पॉइंट्स यानी 0.05 फीसदी तक की कटौती की है। यह उन कर्जदारों के लिए अच्छी खबर है जिनके लोन इस व्यवस्था से जुड़े हुए हैं। दूसरी ओर, बैंक ने एक खास समय-सीमा के लिए एमसीएलआर में 5 बीपीएस की बढ़ोतरी भी की है। बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, नई दरें 7 मई, 2026 से लागू हो गई हैं। इस बदलाव के बाद एचडीएफसी बैंक की एमसीएलआर दरें अब लोन की समय-सीमा के आधार पर 8.05% से 8.60% के बीच हैं। इससे पहले, एचडीएफसी बैंक की एमसीएलआर दरें 8.10% से 8.55% के दायरे में थीं। बैंक ने 7 अप्रैल, 2026 को किए गए पिछले रेट एडजस्टमेंट की तुलना में कुछ खास समय-सीमाओं के लिए अपने एमसीएलआर में बदलाव किया है। ओवरनाइट,

एक महीने, तीन महीने और छह महीने की एमसीएलआर दरों में 5 बेसिस पॉइंट्स की गिरावट आई है। अब ओवरनाइट और एक महीने की एमसीएलआर दरें 8.10% से घटकर 8.05% हो गई हैं। तीन महीने की दर 8.20% से घटकर 8.15% रह गई है। छह महीने की एमसीएलआर दर 8.35% से घटकर 8.30% हो गई है। दूसरी ओर, एक साल और दो साल की एमसीएलआर दरें 8.35% और 8.45% पर जस की तस बनी हुई हैं। इसके उलट, तीन साल की एमसीएलआर दर 5 बेसिस पॉइंट्स बढ़कर 8.55% से 8.60% हो गई है। MCLR वह न्यूनतम ब्याज दर है जो किसी वित्तीय संस्थान को किसी खास लोन के लिए लेनी होती है। यह किसी लोन के लिए ब्याज दर की निचली सीमा तय करती है। उधार लेने वालों के लिए यह दर सीमा तब तक तय रहती है, जब तक आरबीआई की ओर से अन्यथा न कहा जाए। आरबीआई ने 2016 में एमसीएलआर की शुरुआत की थी।

अडानी ने बनाई 2 नई कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह की कंपनी-अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने कारोबार को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, एजीईएल ने क्लीन एनर्जी सोर्सज से बिजली उत्पादन के लिए 2 नई कंपनियों का गठन किया है। एजीईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि नई इकाइयों का गठन उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडयरी कंपनी अडानी रिन्यूएबल एनर्जी सिक्स्टी फोर लिमिटेड द्वारा किया गया है। जानकारी के मुताबिक स्टेप-वन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एआरई64एस1एल) और स्टेप-टू रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एआरई64एस2एल) का गठन रिन्यूएबल एनर्जी सोर्सेज से बिजली उत्पादन के उद्देश्य से किया गया है। बता दें कि इन नई कंपनियों की पैरेंट फर्म-अडानी ग्रीन एनर्जी है। इस कंपनी के शेयर की बात करें तो

इसकी कीमत 1364.90 रुपये है। गुरुवार को इंट्रा-डे में यह शेयर 1,378 रुपये तक जा पहुंचा। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। वहीं, एक दिन पहले के मुकाबले 0.85% बढ़कर बंद हुआ। इसी साल, जनवरी महीने में शेयर 767 रुपये के निचले स्तर तक आ गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 34 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ 514 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 383 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 3727 करोड़ रुपये हो गई।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें दबाए रख पाना मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। चार राज्यों में विधानसभा चुनाव खत्म हो गए हैं। लोगों का ध्यान दोबारा एक बड़ी आर्थिक चिंता की ओर जाने लगा है। वह है ईंधन की कीमतें। ऐसी अटकलें तेल हैं कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में जल्द ही बढ़ोतरी हो सकती हैं। वैसे तो सरकार लगातार इन दावों को खारिज करती रही है। लेकिन, कीमतों पर इस तरह के कंट्रोल को कब तक बनाए रखा जा सकेगा, इस पर अब सवाल उठने लगे हैं। मिडिल ईस्ट में लंबे समय से जारी जियोपॉलिटिकल टेंशन के बावजूद भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इस बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत से अपील की है कि वह ग्लोबल वास्तविकताओं के आधार पर ईंधन की कीमतों को तय होने दे। लंबे समय तक इन्हें जबरन दबाए रख पाना मुमकिन नहीं है।

क्रूड का बदल चुका है पूरा गणित: कच्चे तेल की कीमतें ईरान संकट से पहले लगभग 70 डॉलर के आसपास थीं। अब क्रूड ऑयल की कीमतें 100 डॉलर के पार पहुंच गई हैं। एक समय तो ये 126 डॉलर तक भी चली गई थीं। इस अचानक हुई बढ़ोतरी ने सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों पर भारी बोझ डाल दिया है। इन कंपनियों ने खुदरा कीमतों को स्थिर बनाए रखने के लिए बढ़ी हुई लागत

आईएमएफ ने भारत से की अपील

का बोझ खुद उठाया है। इससे उन्हें लगातार वित्तीय नुकसान हो रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की हालिया रिपोर्ट में सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार नहीं किया जा सकता। इस बीच, सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने पहले ही कमर्शियल एलपीजी, इंडस्ट्रियल डीजल, 5 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर और अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों के लिए जेट ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं ताकि वे बढ़ती लागत के हिसाब से तय हो सकें। जहां एक ओर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हुई हैं। वहीं घरेलू एलपीजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, कमर्शियल एलपीजी (19 किलो) की कीमत में हाल ही में अचानक 993 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। यह इस बात का संकेत है कि कुछ खास क्षेत्रों में कीमतों में बदलाव का सिलसिला पहले ही शुरू हो चुका है। इन घटनाक्रमों के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत से अपील की कि वह ईंधन की कीमतों को ग्लोबल मार्केट की वास्तविकताओं के अनुरूप तय होने दे। यह कुछ समय तक तो चल सकता है।

आईएमएफ क्यों चाहता है कि बढ़ें कीमतें

आईएमएफ का यह नजरिया आर्थिक बुनियादी बातों पर आधारित है। उसका मानना है कि ग्लोबल सप्लाई और डिमांड में संतुलन बनाने के लिए ईंधन की कीमतों को बढ़ने देना जरूरी है। रोड्रिगो वाल्डेस ने इस नजरिए को साफ तौर पर समझाया: 'हमारे पास तेल नहीं है। हमारे पास ऊर्जा नहीं है। ऊर्जा सभी के लिए ज्यादा महंगी होनी चाहिए ताकि बदलाव हो सके और हम कम खपत करें।' उन्होंने आगे चेतावनी दी, 'यह एक ग्लोबल शॉक है। अगर देश कीमतों के संकेतों को दबाते हैं तो वैश्विक कीमतें और बढ़ जाएंगी।'

जताई यह चिंता

चिंता की बात यह है कि अगर बड़ी अर्थव्यवस्थाएं सब्सिडी या कीमतों की सीमा तय करके उपभोक्ताओं को बचाती हैं तो ग्लोबल डिमांड बनावटी तौर पर ज्यादा बनी रहती है। इससे सप्लाई की कमी और बढ़ जाती है। कीमतें ऊंची बनी रहती हैं। आम धारणा के उलट आईएमएफ बिना रोक-टोक कीमतों में बढ़ोतरी की वकालत नहीं कर रहा है। इसके बजाय वह व्यापक सब्सिडी और लक्षित सहायता के बीच फर्क करता है। जहां पहली चीज खपत के तरीकों को बिगाड़ती है। वहीं दूसरी चीज सरकारों को बाजार के संकेतों में दखल दिए बिना असर को कम करने की सहूलियत देती है। टेम्परेरी कैश ट्रांसफर की सिफारिश करके आईएमएफ एक संतुलित नजरिए का सुझाव देता है। यह कीमतों के संकेतों को बनाए रखता है। साथ ही इस बदलाव के दौर में परिवारों को सहारा देता है। ग्लोबल तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहने और राजकोषीय दबाव बढ़ने के साथ भारत के सामने एक जटिल नीतिगत चुनौती है। कीमतों को दबाए रखना शायद थोड़े समय के लिए राहत दे सकता है। लेकिन, इससे सरकारी खजाने पर बोझ पड़ सकता है। बाजार का डायनेमिक्स बिगड़ सकता है। आईएमएफ का तर्क है कि कीमतों को आर्टिफिशियल रूप से कम रखना लंबे समय तक संभव नहीं हो सकता। आयोजित कार्यक्रम में आईएमएफ के डायरेक्टर (एशिया-प्रशांत) कृष्णा श्रीनिवासन ने कहा, 'सरकार ने तेल पर एक्साइज टैक्स में कटौती की है। उर्वरक पर कुछ सब्सिडी भी दी है।

पीएफ पर 34% ब्याज! प्राइवेट ट्रस्ट अब नहीं दे पाएंगे भारी-भरकम इंटरेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने उन कंपनियों के लिए नियमों में बड़ा बदलाव किया है जो अपना योगदान खुद के ट्रस्ट के जरिए संभालती हैं। अब इन कंपनियों के लिए हर साल होने वाले अनिवार्य ऑडिट की जगह रिस्क-आधारित सिस्टम लागू किया जाएगा। साथ ही, ये ट्रस्ट अपने कर्मचारियों को दर से 2% से ज्यादा ब्याज नहीं दे सकेंगे। नए नियमों का सबसे बड़ा फायदा यह है कि कंपनी बिकने या मर्जर होने पर भी उनका पीएफ ट्रस्ट का स्टेटस खत्म नहीं होगा। सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने हाल ही में इन नियमों को मंजूरी दी है।

नए सिस्टम के तहत, ये प्राइवेट ट्रस्ट द्वारा घोषित सालाना ब्याज दर से 2 प्रतिशत से ज्यादा अतिरिक्त ब्याज नहीं दे पाएंगे। अधिकारी ने बताया, यह फैसला पैसों की समझदारी बनाए रखने और बहुत ज्यादा रिटर्न देने से रोकने के लिए लिया गया है। दरअसल, यह देखा गया था कि कुछ ट्रस्ट तब 34% जैसा भारी-भरकम ब्याज देने लगते थे जब उनके सदस्यों की संख्या बहुत कम रह जाती थी।

ऑडिट के मामले में अब ईपीएफओ केवल उन्हीं कंपनियों या ट्रस्ट की जांच करेगा जिनमें जोखिम ज्यादा होगा। या जो नियमों का पालन नहीं कर रहे होंगे। जो कंपनियां नियम मान रही हैं, उनका हर साल ऑडिट करना जरूरी नहीं होगा। नए नियमों के मुताबिक, अगर कोई कंपनी किसी दूसरी कंपनी के साथ जुड़ती है या उसे खरीदती है तो भी उसका तहत 'छूट प्राप्त' दर्जा बरकरार रह सकेगा। एक सीनियर अधिकारी ने श्वञ्ज को बताया कि भारत में करीब 1,000 से 1,200 बड़ी कंपनियां, और प्राइवेट संस्थान हैं जिन्हें छूट मिली हुई है। ये कंपनियां ऐक्ट 1952 की धारा 17 के तहत अपना ट्रस्ट खुद चलाती हैं। हालांकि, शर्त यह होती है कि उन्हें अपने कर्मचारियों को स्कीम के बराबर या उससे बेहतर फायदे देने होते हैं। कोई भी कंपनी अपनी मर्जी से या कोर्ट के आदेश पर ही इस छूट (एग्जेंप्शन) को खत्म कर सकती है। अगर कोई कंपनी अपना ट्रस्ट बंद करती है या छूट छोड़ती है, तो उसे अखबारों में पब्लिक नोटिस देना होगा।

प्राइवेट पीएफ ट्रस्ट को छूट

- करीब 1,000 से 1,200 बड़ी कंपनियों को ईपीएफ से छूट मिली हुई है
- ये कंपनियां ऐक्ट 1952 के तहत अपना ट्रस्ट खुद चलाती हैं
- उन्हें अपने मेंबर्स को के बराबर या उससे बेहतर फायदे देने होते हैं
- ये ट्रस्ट अपने मेंबर्स को की दर से 2% से ज्यादा ब्याज नहीं दे सकेंगे
- कुछ ट्रस्ट मेंबर्स की संख्या घटने पर 34% तक भारी-भरकम ब्याज देते हैं।

10 के बजाय 5 साल, सैलरी रिवीजन के नए फॉर्मूले पर मंथन, माना गया प्रपोजल तो ऐसे पड़ेगा फर्क

10 साल के बजाय हर 5 साल में वेतन संशोधन की मांग की गई है

नई दिल्ली, एजेंसी। 8वें वेतन आयोग ने आधिकारिक तौर पर कर्मचारी संघों और कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ परामर्श प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह उन अहम चर्चाओं की शुरुआत है जो आने वाले सालों में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और भत्तों को तय कर सकती हैं। बैठकों का

पहला दौर 28 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच दिल्ली में हुआ। इसमें सैलरी स्ट्रक्चर से लेकर पेंशन रिफॉर्म्स तक कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इनमें से एक रिफॉर्म ने काफी ध्यान खींचा। इसमें 10 साल के बजाय हर 5 साल में वेतन संशोधन की मांग की गई है। दिल्ली में हुई चर्चाओं के दौरान आयोग ने नेशनल काउंसिल-ज्वाइंट कंसल्टेटिव मशीनरी (एनसी-जेसीएम) के साथ कई कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों से बातचीत की। बातचीत का मुख्य फोकस सेवा से जुड़े अहम मुद्दों पर था। इनमें फिटमेंट फैक्टर, प्रस्तावित वेतन संशोधन, पेंशन प्रणाली में बदलाव, भत्ते और पुरानी पेंशन योजना का भविष्य शामिल था। हालांकि, इस विचार पर काफी फोकस किया गया। यह साफ किया कि आयोग के पास सीधे तौर पर ऐसा बदलाव लागू करने का अधिकार नहीं है।

कैसे पड़ेगा फर्क

कर्मचारियों के प्रतिनिधियों का तर्क है कि मौजूदा दस साल का वेतन संशोधन साइकिल अब आर्थिक वास्तविकताओं को सही ढंग से नहीं दिखाता है। एनसी-जेसीएम के सचिव (कर्मचारी पक्ष) शिव गोपाल मिश्रा ने इंडिया टुडे को बताया कि महंगाई और अलग-अलग क्षेत्रों के रुझानों के साथ तालमेल बैठाने के लिए वेतन संशोधन कई बार होना चाहिए। मिश्रा ने कहा, 'सरकारी कर्मचारियों के वेतन में हर पांच साल में संशोधन की मांग पूरी की जानी चाहिए। इसके कई कारण हैं।' शिव गोपाल मिश्रा के मुताबिक, कई सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) और बैंकिंग संस्थान पहले से ही पांच साल के पे रिवीजन साइकिल का पालन करते हैं। पांच साल के अंतराल पर वेतन संशोधन की व्यवस्था है।

दो राज्यों से आईटी डिपार्टमेंट ने जुटाए 20,000 करोड़, एमएस धोनी सबसे बड़े टैक्सपेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025-2026 के दौरान झारखंड और बिहार से इनकम टैक्स विभाग का कुल कलेक्शन लगभग 20,000 करोड़ रुपये रहा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी दोनों राज्यों को मिलाकर सबसे ज्यादा व्यक्तिगत टैक्स देने वाले शख्स रहे। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के एक सीनियर अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इनकम टैक्स के प्रधान मुख्य आयुक्त (बिहार-झारखंड) डॉ. डी. सुधाकर राव ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बिहार और झारखंड से कुल कलेक्शन लगभग 20,000 करोड़ रुपये रहा। इसमें से 12,000 करोड़ रुपये सिर्फ झारखंड से जमा हुए।'

धोनी सबसे बड़े टैक्सपेयर: उन्होंने बताया कि कुल कलेक्शन का लगभग 70 फीसदी हिस्सा टैक्स डिडक्शन एट सोर्स (ञ्जष्ठस्) के जरिए मिला। राव ने कहा, 'पिछले वित्त वर्ष के दौरान बिहार और झारखंड को मिलाकर एमएस धोनी सबसे ज्यादा व्यक्तिगत टैक्स देने वाले व्यक्ति थे।' हालांकि, उन्होंने धोनी के नेट टैक्स

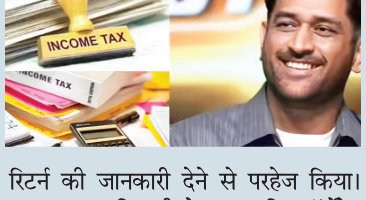

रिटर्न की जानकारी देने से परहेज किया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कॉर्पोरेट जगत में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और सीएमपीडीआई सबसे ज्यादा टैक्स देने वाली कंपनियों में शामिल थीं। राव ने कहा, 'पिछले वित्त वर्ष के दौरान, भारी बारिश की वजह से खनन गतिविधियों पर थोड़ा असर पड़ा था। इसका असर कलेक्शन पर भी दिखा। हमें उम्मीद है कि मौजूदा वित्त वर्ष में टैक्स कलेक्शन का आंकड़ा 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगा।'

उन्होंने आगे बताया कि: बिहार और झारखंड में लगभग 5.5 करोड़ पैन कार्ड धारक हैं। नए इनकम टैक्स एक्ट को लेकर बैठक

इससे पहले, राव ने इनकम टैक्स अधिकारियों के साथ नए इनकम टैक्स एक्ट, 2025 को लेकर एक बैठक की। यह एक्ट 1 अप्रैल से लागू होगा। छह दशक पुराने इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की जगह लेगा। इस बैठक में दोनों राज्यों के 100 से ज्यादा अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

प्रतीक्षा की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नही

जिस सरकारी बैंक में कभी 65 महीने में टॉयलेट करती थीं साफअब वहीं एजीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतीक्षा टोंडवलकर की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। वह मुंबई की रहने वाली हैं।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में कभी उन्होंने सफाईकर्मी के तौर पर काम किया। टॉयलेट और बैंक के फर्नीचर की सफाई की। सिर्फ 65 रुपये महीने की पगार पर वह ये सभी काम करती थीं। फिर आगे चलकर उसी बैंक में प्रतीक्षा असिस्टेंट जनरल मैनेजर बन गईं। 17 साल की उम्र में शादी। फिर 20 साल की उम्र में पति का सिर पर से साया उठ जाने तक, उन्होंने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ देखा और सहा है। जिस मुकाम तक प्रतीक्षा आज पहुंची हैं, वह उनकी कड़ी मेहनत और लगन के कारण ममकिन हुआ। आइए, यहां प्रतीक्षा टोंडवलकर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। प्रतीक्षा की शादी 17 साल की उम्र में सदाशिव कडू से हो गई थी। माता-पिता की आर्थिक तंगी के कारण वह अपनी 10वीं कक्षा की परीक्षा भी पूरी नहीं कर पाई थीं। सदाशिव मुंबई में एसबीआई में बुकबाइंडर के तौर पर काम करते थे। दुख की बात यह है कि जब यह जोड़ा अपने गांव जा रहा था, तभी एक दुर्घटना में सदाशिव की मौत हो गई। इससे 20 साल की उम्र में ही प्रतीक्षा को अपने गुजारे के लिए संघर्ष करना पड़ा।

एसबीआई में सफाईकर्मी का किया काम: शिक्षा की कमी के कारण प्रतीक्षा के लिए ठीक-ठाक नौकरी खोजना काफी मुश्किल था। परिवार का पेट पालने और अपनी हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के लिए उन्हें एसबीआई में सफाईकर्मी के तौर पर काम करने पर मजबूर होना पड़ा। टॉयलेट और बैंक के फर्नीचर की सफाई करके वह महीने के लगभग 60-65 रुपये कमाती थीं। साथ ही अपने बेटे की देखभाल करती थीं। यही नहीं, दूसरे छोटे-मोटे काम भी करती थीं। प्रतीक्षा ने दिन-रात एक कर दिया और अपने बेटे का पेट पालने के लिए अपनी क्षमता से कहीं ज्यादा मेहनत की। हर बड़ी उपलब्धि के पीछे संघर्ष और जीत के कई पड़ाव होते हैं। प्रतीक्षा की कहानी भी इससे अलग नहीं थी।

खाड़ी युद्ध ने बिगाड़ा शाही शादियों का बजट, लेकिन भारत के लिए आया आपदा में अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और तनाव का असर अब भारतीय शादियों के बजट पर साफ दिखने लगा है। वेडिंग्स एंड इवेंट्स के फाउंडर्स मोहित वर्मा और तमन्ना मेहता का कहना है कि विदेशों में होने वाली शादियों का बजट करीब 20-25% बढ़ गया है। देश के भीतर होने वाली शादियों के खर्च में भी 10-15% का उछाल आया है। इवेंट्स की डायरेक्टर आंचल कोचर का कहना है कि इसका सबसे ज्यादा असर उन शादियों पर पड़ा है जो विदेशों में होनी थीं। तनाव की वजह से पश्चिम एशिया का हवाई रास्ता प्रभावित हुआ है।

टैमरिंड ग्लोबल की वीपी अंजलि तोलानी का कहना है कि लग्जरी शादियों में इस्तेमाल होने वाले बाहर से मंगाए गए फूल, प्रीमियम खाने-पीने की चीजें और सजावट के खास सामान की सप्लाई पर बुरा असर पड़ा है। शिपिंग का खर्च बढ़ने और सामान आने में देरी की वजह से इनकी कीमतें आसमान छू रही हैं। द वेडिंग कंपनी के हरिकृष्णन दिनेश ने बताया कि कई मामलों में प्लानर्स को चीन जैसे बाजारों से महंगा सामान मंगाना पड़ रहा है। परिवार अब फूंक-फूंक कर पैसा खर्च कर रहे हैं। दूसरी तरफ वेंडर्स ने कीमतें बढ़ा दी हैं, जिससे

वेडिंग प्लानर्स का मुनाफा कम हो गया है और उन पर काम का दबाव बढ़ गया है। एक्सपर्ट का कहना है कि अमीर लोग तो इस बढ़ी हुई लागत को झेल पा रहे हैं। कई भारतीय वेंडर्स जिन्होंने खाड़ी देशों में अपना काम जमाया था, वे अब वापस भारत की ओर ध्यान दे रहे हैं।

मिडल क्लास

इसकी सबसे ज्यादा मार पड़ रही है। आंचल कोचर के मुताबिक, कम बजट वाले लोग अब फंक्शन कम कर रहे हैं, मेहमानों की लिस्ट छोटी कर रहे हैं और सफर का खर्च बचाने के लिए घर के पास वाले वेन्यू ही चुन रहे हैं।

भारत का फायदा

सारी उथल-पुथल के बीच भारत के लोकल बिजनेस के लिए एक अच्छी खबर भी है। खाड़ी देशों में होने वाली बहुत सी शादियां अब भारत में शिफ्ट हो रही हैं। अंजलि तोलानी ने बताया कि राजस्थान, गोवा, केरल और देहरादून जैसे भारत के लग्जरी ठिकानों के लिए बुकिंग में अचानक तेजी आई है। इन जगहों पर भारी डिमांड की वजह से होटलों और वेन्यू की कीमतें पिछले साल के मुकाबले 35-40% तक बढ़ गई हैं।

उपायुक्त ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने आज सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों, विभागों एवं समग्र व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने इमरजेंसी वार्ड, ऑपरेशन कक्ष, एसएनसीयू कक्ष, आईसीयू, ओपीडी, जांच घर, मातृ शिशु अस्पताल, चिकित्सक रूम एवं अन्य विभागों का जायजा लिया।

ओपीडी एवं इमरजेंसी वार्ड संचालन की विस्तृत जानकारी लेते हुए उन्होंने विभागवार डॉक्टरों की संख्या एवं उपस्थिति की समीक्षा की तथा निर्देश दिया कि ओपीडी एवं इमरजेंसी वार्ड का संचालन बेहतर ढंग से हो और डॉक्टरगण मरीजों का अच्छे से इलाज करें। अस्पताल की अच्छे से

साफ सफाई, पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। दवा वितरण केंद्र का जायजा लेते हुए दवा के स्टॉक की जानकारी ली गई एवं उपलब्ध दवा को प्रतिदिन मरीजों के बीच वितरित करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को पूरी तत्परता के साथ मरीजों के इलाज का निर्देश दिया। रोस्टर अनुसार चिकित्सक, एएनएम, जेएनएम समेत अन्य की बायो मेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ हीं मरीजों का बेहतर

भवन निर्माण की धीमी प्रगति पर तरेरी आंखें

उपचार, उनके साथ संवेदनशील रहने, अच्छा वर्ताव करने एवं उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने, मेनू अनुसार भोजन देने समेत अस्पताल में अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने लैब संचालन की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि प्रयोगशालाएं पूरी क्षमता के साथ कार्य करें। जो मशीनें वर्तमान में उपयोग में नहीं हैं, उनकी समीक्षा कर उन्हें क्रियाशील बनाने हेतु निर्देशित किया गया। उल्लेखनीय है कि सदर अस्पताल खूंटी स्थित डीपीएच लैब में राशनकार्डधारी एवं बीपीएल परिवारों के लिए विभिन्न प्रकार की जांच सुविधाएं पूर्णतः निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर अस्पताल खूंटी में 80 से अधिक प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनमें बायोकेमिस्ट्री, हेमेटोलॉजी, सीरोलॉजी, हार्मोनल टेस्ट, यूरिन जांच सहित कई महत्वपूर्ण जांच शामिल हैं। निशुल्क उपलब्ध प्रमुख जांचों में लीवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट, ब्लड शुगर, लिपिड प्रोफाइल, सीबीसी, प्लेटलेट काउंट, डेंगू, मलेरिया, एचआईवी, थायरॉइड प्रोफाइल, विटामिन बी12, विटामिन डी, प्रेगनेंसी टेस्ट, यूरिन रूटीन, ब्लड ग्रुपिंग समेत अन्य जांचें शामिल हैं।

उपायुक्त ने आमजनों से अपील की है कि वे सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर सदर अस्पताल खूंटी में उपलब्ध निशुल्क जांच सेवाओं का उपयोग करें।

जांच सेवाओं को बेहतर एवं सुचारू रूप से संचालित करने के लिए उपायुक्त द्वारा सिविल सर्जन एवं संबंधित लैब संचालक को निर्देश दिए गए है, ताकि मरीजों का समय पर जांच हो एवं समय पर जांच रिपोर्ट उपलब्ध हो सके। इसके अलावा विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं नगर पंचायत के हेल्थ वेलनेस सेंटर पर भी निःशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध है।

इसके अलावे सदर अस्पताल के नए भवन निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य में तेजी लाने, संबंधित एजेंसी को पत्राचार करने समेत अन्य महत्वपूर्ण दिशा निर्देश संबंधित कार्यपालक अभियंता को दिए गए।

रिम्स में भर्ती मरीज ने लगायी फांसी

घटना से परिसर में अफरातफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रिम्स में भर्ती एक मरीज ने शुक्रवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान विवेक कुमार के रूप में हुई है, जो चतरा जिले का रहने वाला था। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार विवेक कुमार अप्रैल माह से रिम्स में भर्ती था। बताया जा रहा है कि वह नशे का आदी था और गांजा का सेवन करता था। अत्यधिक नशे की वजह से उसकी तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया था। अभी वास्तविक कारणों की पुष्टि नहीं हुई है। शुक्रवार सुबह उसने अस्पताल में ही फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मरीज ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया। अस्पताल प्रबंधन से भी मामले में पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बता दें कि रिम्स झारखंड का सबसे बड़ा अस्पताल है। सुरक्षा के तमाम दावों के बीच इस घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा किया है।

दुष्कर्म की कोशिश करने वाला लिपिक धराया

स्कूल दिखाने के बहाने ले गया था जंगल में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सोनुवा। सोनुवा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास करने के आरोप में पथ निर्माण विभाग के लिपिक सचिन सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

आरोपी लिपिक चक्रधरपुर का निवासी है और पथ निर्माण विभाग के मनोहरपुर स्थित कार्यपालक अभियंता के कार्यालय में पदस्थापित है। मामले को लेकर पीड़िता की मां के द्वारा 6 मई बुधवार को सोनुवा थाना में शिकायत दर्ज कराई।शिकायत मिलने पर पुलिस ने तत्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की पहचान करने के साथ आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने पीड़िता का भी चिकित्सीय जाँच कराया है और कोर्ट में बयान दर्ज कराया गया है।

घटना 4 मई की है, आरोपी लिपिक ने सोनुवा थानाक्षेत्र के एक गांव में पहुंचकर नाबालिग लड़की को स्कूल का रास्ता पूछते हुए साथ चलकर स्कूल दिखाने को बोला। जब पीड़िता लड़की साथ साथ जाने से मना कर दी तो आरोपी सचिन सिंह अपने आप को एक सरकारी कर्मचारी बताते हुए सीसीटीवी कैमरा लगाने का काम करने के लिए स्कूल देखने जाने की जानकारी दी। लेकिन, शाम होने के कारण पीड़िता नाबालिग लड़की मना कर दी। जिसके बाद आरोपी ने विभिन्न प्रकार की बातें कह कर नाबालिक को अपने विश्वास में ले लिया और मोटरसाइकिल में बैठाकर से उसे स्कूल पार करके जंगल की ओर झुंड में ले गया। जहां पर आरोपी ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।

इस दौरान आवाज सुनकर रास्ते से गुजर रहे लोग पहुंचे तो आरोपी ने पीड़िता को वहीं छोड़कर अपना बाइक लेकर भागने का प्रयास किया। लेकिन रास्ता चढ़ाई होने के कारण वो बाईक से गिर गया और बाइक वहीं छोड़कर अंधेरा का फायदा उठाकर पैदल ही भाग गया। इस मामले में पीड़िता की मां ने 6 मई बुधवार को सोनुवा पुलिस से शिकायत की। शिकायत मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी लिपिक सचिन सिंह अपनी गिरफ्तारी रोकने के लिए पहले बाइक चोरी होने का बहाना बनाया। लेकिन, पुलिसिया पुछताछ में अंतत आरोपी सचिन सिंह ने अपनी जुर्म स्वीकार कर लिया।

कांग्रेस उपाध्यक्ष ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

पलामू। जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रिजवान खान ने बैंक प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, बाजार ब्रांच डाल्टनगंज के उपायुक्त को ज्ञापन दिया। सौंपे ज्ञापन में बताया गया है कि मेर साथ मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष अनिल सिंह । आवेदन में बताया गया है कि उद्योग विभाग द्वारा अनुशंसित होकर उक्त बैंक में एक लाभूक का आवेदन आया है। जब मैं प्रबंधक से मिलने जाता गया तो उन्होंने कहा कि लोन रिजेक्ट करने की बात बतायी। कारण पूछने पर उन्होंने कहा कि यहां से लोन स्वीकृत नहीं होता है, तो मैंने बोला कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना शिक्षित बेरोजगार के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना है। जिस पर उन्होंने कहा कि मैं नहीं करूंगा। आवेदन में कहा गया है कि मैंने बोला कि मैं डीसी के पास जाऊंगा तो उन्होंने बोला कि आपको जहां जाना है। तब जाकर मैंने उपायुक्त पलामू से मिलकर प्रबंधक के क्रियाकलाप के खिलाफ पर डीसी साहब से बात किया। डीसी ने आश्वस्त किया कि आवेदन के आलोक में उचित कार्रवाई की जायेगी।

जैक परीक्षा परिणाम : रैंकिंग में गोड्डा रहा पीछे

बुद्धिजीवियों में निराशा, उठ रहे व्यवस्था पर सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की ओर से घोषित 12 वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में गोड्डा जिले का प्रदर्शन पिछले वर्षों की तुलना में निराशाजनक रहा है। राज्य स्तर पर कला संकाय में गोड्डा जिला 23 वें पायदान पर पहुंच गया है जबकि साइंस में 21 वां और कॉमर्स में 17 वां स्थान पर गोड्डा है।

गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष कला और वाणिज्य संकाय में परिणाम संतोषजनक नहीं रहा है। गत वर्ष कला और वाणिज्य संकाय में क्रमशः 94 प्रतिशत और 96 प्रतिशत रिजल्ट रहा था। इस बार यहां कला में 91.69 प्रतिशत और वाणिज्य में करीब 75 प्रतिशत बच्चे ही उत्तीर्ण हुए। जबकि विज्ञान संकाय में 86.98 प्रतिशत रिजल्ट रहा। जिले में कुल 44 प्लस टू हाई स्कूल हैं।

इसमें एनजी प्लस टू हाई स्कूल पथरगामा, राम सुंदर राम प्लस टू हाई स्कूल बलबड्डा, प्लस टू हाई स्कूल हनवारा, प्लस टू हाई स्कूल गुम्मा, प्लस टू हाई स्कूल ललमटिया, प्लस टू हाई स्कूल सुंडमारा, प्लस टू हाई स्कूल जमनी पहाड़पुर, प्लस टू हाई स्कूल रघुनाथपुर, प्लस टू हाई स्कूल बोआरीजोर, प्लस टू हाई स्कूल बकसरा, प्लस टू हाई स्कूल बसंतराय, प्लस टू हाई स्कूल कुर्मीचक सहित एमएके आजाद इंटर कालेज बसंतराय, सूरज मंडल इंटर कालेज पोड़ैयाहाट, वीर कुंवर सिंह इंटर कालेज गोड्डा, इंटर कालेज महागामा, गोड्डा का परीक्षा परिणाम कमोबेश ठीक रहा। शेष 28 स्कूलों का रिजल्ट निराशाजनक रहा है।

यहां कला संकाय में यहां 7840 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। इसमें से 7189 परीक्षार्थी परीक्षा में सफल हुए हैं। प्रथम श्रेणी से 3893, द्वितीय श्रेणी से 3219 और तृतीय श्रेणी से 77 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

यहां महजा चार बच्चों को ही 90 प्रतिशत से अधिक अंक आया है। जबकि आठ प्रतिशत परीक्षार्थी फेल हो गए हैं। जिन चार बच्चों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक आया है उसमें एनजी प्लस टू हाई स्कूल पथरगामा, राम सुंदर राम प्लस टू हाई स्कूल बलबड्डा और हाई स्कूल बसंतराय के बच्चे शामिल है।

गोड्डा जिले में वाणिज्य संकाय में महज 75 प्रतिशत छात्र ही उत्तीर्ण हुए। यहां वाणिज्य संकाय में कुल 4203 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इसमें 3151 छात्र-छात्राओं ने उत्तीर्णता हासिल की। 1051 बच्चे फेल हो गए। जबकि 2447 परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी से, 701 परीक्षार्थी द्वितीय श्रेणी से और एक मात्र परीक्षार्थी तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए।

वाणिज्य संकाय में इंटर कालेज महागामा के एक मात्र विद्यार्थी को 90 प्रतिशत से अधिक अंक आया है। यह दशार्ता है कि वाणिज्य संकाय में पढ़ाई का स्तर कैसा है। फेकल्टी टीचरों के अभाव में अधिकांश प्लस टू हाई स्कूल और इंटर कालेजों में कक्षाएं नहीं चलती है। यहां खानापूर्ति से ही काम चलता है।

जैक 12 वीं के विज्ञान संकाय में राज्य स्तर पर जिले का स्थान 21 वां है। यहां मात्र 146 बच्चे की एपियर हुए । इसमें से 127 ने उत्तीर्णता हासिल की जबकि 19 परीक्षार्थी फेल हो गए। विज्ञान संकाय में 68 परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी से 57 परीक्षार्थी द्वितीय श्रेणी से और दो परीक्षार्थी तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए।

अभिभावकों का कहना है कि अधिकांश स्कूलों में विज्ञान संकाय के शिक्षकों का अभाव है। गणित, जीव विज्ञान, भौतिकी और रसायन विषय के लिए शिक्षक ही नहीं हैं। अधिकांश बच्चे ट्यूशन से ही काम चलाते हैं।

उपायुक्त ने की स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

हीट वेव तैयारियों को ले दिए दिशा-निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया द्वारा स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक कर प्रोग्रेस एवं की-एक्शन प्लान की समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त ने जिले में संचालित अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों एवं मरीजों से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की जानकारी ली। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री रख-रखाव योजना का समुचित एवं योजनाबद्ध तरीके से उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने सिविल सर्जन एवं सभी एमओआईसी को उपलब्ध राशि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। हीट वेव को लेकर सरकार के निदेशानुसार सभी आवश्यक तैयारियां रखने के निर्देश दिए गए, जिससे डायरिया समेत अन्य मौसमी बीमारियों के इलाज में मरीजों को किसी प्रकार की समस्या न हो। बैठक में सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने तथा निर्धारित रोस्टर के अनुसार नियमित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए।

अस्पतालों के डिजिटलाईजेशन एवं सीसीटीवी इंस्टॉलेशन को लेकर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने ई-हॉस्पिटल व्यवस्था के अंतर्गत वर्तमान में मरीजों के डिजिटल रजिस्ट्रेशन एवं अन्य डिजिटल सेवाओं की जानकारी ली तथा सदर अस्पताल के साथ-साथ विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी डिजिटल व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य केंद्रों में ओपीडी एवं आईपीडी संचालन तथा नए अस्पताल में एमटीसी केंद्र संचालन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिले में एम्बुलेंस एवं ममता वाहन की उपलब्धता एवं संचालन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी एम्बुलेंस को शत-प्रतिशत कार्यरत रखने के निर्देश दिए। साथ ही

संचालन में आने वाली समस्याओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव दिए, जिससे मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बैठक में वीएचएसएनडी दिवस का बेहतर तरीके से आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके। साथ ही विद्यालयों में बच्चों का नियमित स्वास्थ्य स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने, ल्ढश कवरेज को लेकर बच्चों के अभिभावकों को जागरूक करने एवं अन्य संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए कवरेज में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर के क्वालिटी सर्टिफिकेशन को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में 29 ठदवर सर्टिफिकेशन की जानकारी दी गई तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के सर्टिफिकेशन हेतु असेसमेंट की प्रक्रिया संचालित होने की जानकारी साझा की गई।

उपायुक्त ने आयुष्मान भारत योजना के तहत एम्पनल्ड अस्पतालों की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक निजी अस्पतालों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए, ताकि ज्यादा से

15 को जिला में चलेगा कृमिनाशक दवा अभियान

ज्यादा मरीजों को निःशुल्क इलाज का लाभ मिल सके। साथ ही छूटे हुए लाभुकों का आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनाने के निर्देश दिए गए। आयुष्मान कार्ड निर्माण को लेकर प्रखंडवार विशेष कैंप आयोजित करने का निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिया गया।

बैठक में फरवरी से मार्च माह तक संचालित एनीमिया मुक्त भारत अभियान की जानकारी दी गई। इस दौरान राज्य स्तर पर बेहतर कार्य करने के लिए खूंटी जिला को तीसरा स्थान प्राप्त होने की जानकारी साझा की गई। उपायुक्त ने इस उपलब्धि पर बेहतर कार्य करने वाले चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों एवं संबंधित कर्मियों को प्रोत्साहित करने की बात कही।

वर्ल्ड टीबी दिवस एवं 100 दिवसीय टीबी कैम्पेन की भी जानकारी दी गई। इस दौरान बेहतर कार्य करने को लेकर उपायुक्त द्वारा एमओआईसी खूँटी एवं एमओआईसी तोरपा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में सिविल सर्जन द्वारा जानकारी दी गई कि जिले में 15 मई को विशेष अभियान चलाकर 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों एवं किशोरों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाई जाएगी। वहीं छूटे हुए बच्चों को 18 मई को पुनः अभियान चलाकर दवा दी जाएगी।

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अधिकाधिक बच्चों एवं किशोरों को दवा खिलाने तथा स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं ग्राम स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने को कहा, ताकि अभिभावक जागरूक होकर अपने बच्चों को दवा खिलाएं। बैठक में डीडीसी, सीएस, डीईओ, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी एमओआईसी, डीडीएम, डीपीसी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

अम्बेडकर पार्क बचाओ संघर्ष समिति ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

अवैध निर्माण पर रोक लगाने का किया अनुरोध

11 मई को दी धरना की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। अम्बेडकर पार्क बचाओ संघर्ष समिति मेदिनीनगर ने आज झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु के नेतृत्व में सदर एसडीओ मेदिनीनगर सुलोचना मीणा को ज्ञापन सौंपकर अम्बेडकर पार्क मेदिनीनगर के अन्दर नगर निगम द्वारा कराए जा रहे अवैध निर्माण कार्य पर शीघ्र रोक लगाकर तुरंत निर्माण सामग्री को वहां से हटवाने की मांग किया है।

प्रतिलिपिमंडल में शामिल राजद के प्रदेश प्रवक्ता विश्वनाथ राम घुरा, राष्ट्रीय बौध महासभा के प्रदेश महासचिव रवि पाल, समाजिक न्याय परिषद के अध्यक्ष राजू रजक,राजद जिला महासचिव विश्वनाथ राम, झारखण्ड क्रांति मंच के पलामू जिलाध्यक्ष धीरज चन्द्रवंशी व भीम आर्मी पलामू के अध्यक्ष चंदू राम ने कहा कि अगर 10 मई तक पार्क के अन्दर अवैध निर्माण पर रोक नहीं लगाया गया तो 11 मई 2026 को अम्बेडकर पार्क मेदिनीनगर में बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष एक दिवसीय धरना देकर तमाम गढ्ढे को भर दिया जाएगा।

विज्ञप्ति में जेकेएम केन्द्रीय अध्यक्ष ने सभी अम्बेडकर वादियों,समाजवादियों व संविधान वादियों से 11 मई को भारी संख्या में अम्बेडकर पार्क मेदिनीनगर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

झारखण्ड में नौ वर्षों बाद छात्र संघों के चुनाव का रास्ता साफ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। लोकतंत्र के सबसे छोटे प्रारूप का छात्र संघ चुनाव को लेकर नौ साल बाद चुनाव कराए जाने को लेकर रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया है। चुनाव होते ही छात्र संघ को विभिन्न कॉलेज व यूनिवर्सिटी में नौ साल बाद नए छात्र नेता भी मिल जाएगा।

इधर स्टूडेंट यूनियन के चुनाव को लेकर विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. डॉ. इंद्र भूषण शर्मा ने विभावि के ज्योलाजी डिपार्टमेंट के एसचओडी डॉ. केके गुप्ता को आगामी दो चरणों के छात्र संघ चुनाव 2026 के चीफ रिटर्निंग आफिसर नियुक्त कर दिया है।

इनके साथ तीन सदस्यीय कमेटी भी गठित कर दिया है। चीफ रिटर्निंग आफिसर केके गुप्ता के नेतृत्व में छात्र संघ चुनाव संपन्न कराया जाएगा। अब चुनाव को लेकर कभी भी चीफ रिटर्निंग आफिसर की ओर से नोटिफिकेशन जारी किया जा सकता है।

इधर चुनाव होने की सूचना के बाद छात्र संगठनों सहित छात्रों में उत्साह के साथ नई ऊर्जा संचार देखने को मिल रहा है। बताते चले की अंतिम बार वर्ष 2018 में छात्र संघ का चुनाव हुआ था। उसके बाद से चुनाव नही कराया जा सका था। जिससे छात्रों व छात्र संगठन के बीच काफी निराशा उत्पन्न हो गई थी।

इस बीच छात्र संघ चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने की उम्मीद पाले बड़ी संख्या में छात्रों का समूह पास आउट कर कालेजों से निकलता चला गया। साथ ही, छात्र संघ चुनाव में अपनी सहभागिता निभाने की आस उनकी धरी की धरी रह गई।

इसी कारण कालेजों में छात्र संघ का अस्तित्व भी समाप्त होता चला गया और छात्रों की समस्याएं बढ़ती चली गई। जबकि छात्र संघ का चुनाव लिंगदोह कमेटी के गाइडलाइन में होता है।

इस कमेटी के अनुसार हर साल छात्र संघ चुनाव किया जाना है। उसके बाद भी यह चुनाव नही होना विश्वविद्यालय की उदासीनता को दशार्ता है। चुनाव को लेकर किसी वाइस चांसलर ने इसे संपन्न कराने की जहमत नही उठाई।

इस बीच कई वाइस चांसलर आए और सेवानिवृत्त होकर चले गए। इस बार यह चुनाव नियत समय पर होने की उम्मीद जगी है, जिससे छात्रों में एक बार फिर से उत्साह का माहौल बन गया है।

इस कारण से विभावि वाइस चांसलर ने कमेटी गठित कर दिया है जो दो चरणों में चुनाव को संपन्न कराएंगे। पहला चुनाव विनोबाभावे विश्वविद्यालय अंतर्गत कालेजों में होगा। दूसरा विश्वविद्यालय में होगा।

कोर्ट से लौट रहे पिता-पुत्र पर जानलेवा हमला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह कोर्ट में हाजिरी देकर लौट रहे पिता-पुत्र पर शुक्रवार को हमला हो गया। यह हमला पचंबा-चितरडीह मार्ग पर रानीखावा के पास हुआ। इस हमले में पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। इसे लेकर गिरिडीह की पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं।कोर्ट से हाजिरी देकर घर लौट रहे पिता-पुत्र पर पहले बोलेरो चढ़ाने की कोशिश की गई, लेकिन इसमें असफल होने के बाद चाकू व बियर की बोतल से ताबड़तोड़ वार कर पुत्र को गंभीर रूप से घायल कर दिया। वहीं, पिता के साथ भी मारपीट कर अपराधी फरार हो गए।घायल युवक करीब 30 वर्षीय पवन यादव तिसरी थाना क्षेत्र के सिंधो गांव निवासी सूरज महतो का पुत्र है। इस घटना में सूरज महतो भी चोटिल हुए हैं। इस क्रम में पिस्टल लहराने की बात भी घायल ने बताई है। घटना शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े 11 बजे की है।

घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां फिलहाल पवन खतरे से बाहर है, जबकि सूरज महतो की स्थिति सामान्य है। घायल ने हमला करने का आरोप गांव के ही भोला यादव, कुलदीप यादव, सुजीत यादव, किशोरी यादव, अनिल यादव, बिरेंद्र यादव, दयानंद यादव, उपेंद्र यादव, बबलू यादव समेत अन्य पर लगाया है। घायल पवन ने बताया कि दो साल पूर्व विजय यादव के अपहरण व हत्या मामले में आरोप लगाते हुए उनलोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामला कोर्ट में चल रहा है। उसी मामले में दोनों पिता-पुत्र बाइक से कोर्ट में हाजिरी देने आए थे। मारपीट करने वाले भी गवाही देने पहुंचे थे। पवन ने बताया कि कोर्ट में हाजिरी देने के बाद वह अपने पिता के साथ बाइक से गांव लौट रहे थे। तभी बोलेरो में सवार होकर पहुंचे आरोपितों ने कोर्ट से ही पीछा करते हुए रानीखावा के पास बाइक पर बोलेरो चढ़ाने का प्रयास किया, किसी तरह दोनों बचते हुए एक दुकान में घुस गए।

मनसाही में डिग्री कॉलेज मिलने से छात्र - छात्राओं में हर्ष व्याप्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार । बिहार के मुख्यमंत्री के निदेशानुसार जिले के हर प्रखंड में एक डिग्री कॉलेज बनवाने एवं जल्द ही चालू कर नए सत्र चालू करवाने का घोषणा जहां किया गया हैं। वहीं यह कार्य काफी प्रगति पर हैं। बता दें कि मनसाही प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मनसाही कटिहार में डिग्री कॉलेज हो जाने से विद्यालय के शिक्षक ही नहीं बल्कि मनसाही क्षेत्र के विभिन्न दल के जनप्रतिनिधियों एवं आम लोगों में काफी उत्साह हैं और गौरव की बात हैं कि मनसाही में एक डिग्री कॉलेज मिला। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक रविकांत ने कहा कि जिस बच्चें को इंटर के बाद कटिहार शहर के भीड़ भाड़ वाले डीएस कॉलेज,केबी कॉलेज सहित अन्य कॉलेज में नामांकन लेने में काफी दिक्कत होती थी आज डिग्री कॉलेज मरंगी में हो जाने से मनसाही प्रखंड के सभी छात्र-छात्राएं आगे की पढ़ाई मनसाही से ही कर पाएंगे। विद्यालय के नाम से भूमि उपलब्ध रहने के कारण ही डिग्री कॉलेज मरंगी में दिया गया हैं।

इस दौरान कॉलेज के प्रधानाचार्य बीना रानी ने कहा कि सरकार के आदेशानुसार डिग्री कॉलेज तत्काल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मरंगी के ऊपरी मंजिल पर ही चलाया जाएगा जब डिग्री कॉलेज के भवन बन जाएंगे तब उन्हें नए भवन में शिफ्ट किया जाएगा जिसको लेकर सर्वप्रथम दिन प्रधानाचार्य वीना रानी ने डीएस कॉलेज से आकर मरंगी में सभी शिक्षक एवं प्रधान शिक्षक शिक्षिका के साथ एक बैठक कर आगे की रणनीति तैयार की। अपना पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि अगले आदेश आने के बाद बीए में हिंदी,हिस्ट्री,सोशल साइंस, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिकल साइंस में नामांकन लिया जाएगा। इस मौके पर हर्ष जाहिर करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक रविकांत ने कहा कि बहुत ही भाग्य की बात हैं कि हमारे ही विद्यालय में डिग्री कॉलेज स्थापित की गई बच्चों की भविष्य के लिए इससे कोई बड़ी बात नहीं हो सकती हैं । इस मौके पर शिक्षक जितेंद्र कुमार,पंकज कुमार, आशीष कुमार, रूपेश कुमार, एकलाख,मोहम्मद जमील,दिलीप कुमार, हेमंत कुमार,प्रवीण कुमार शिक्षिका सिंधु कुमारी,विभा कुमारी, मौसम कुमारी,निशा गोगराई,प्रतिभा कुमारी, श्वेता भारती,काजल कुमारी, आदि सहित राजद के वरीय नेता संतोष यादव,मुखिया संघ के अध्यक्ष शंकर कुमार यादव,प्रखंड प्रमुख सुषमा कुमारी, प्रतिनिधि गौतम कुमार सिंह,निर्मल भगत,अजीत सिंह,कुरेठा पंचायत के मुखिया अवधेश प्रसाद यादव,सरपंच प्रमोद कुमार सिंह,पंचायत समिति सदस्य फुलेश्वर उड़ाव,कुरेठा पैक्स अध्यक्ष छोटू कुमार गोस्वामी,भाजपा मंडल अध्यक्ष बबन कुमार सिंह,कमल किशोर साह,अमित कुमार साह,विनोद कुमार उड़ाव आदि ने मुख्यमंत्री का आभार जताया।

वैभव नंबर 1 पर कायम, पारी में 8 छक्के लगा कूपर कोनोली नहीं निकल पाए उनसे आगे

टूटा डिकॉक का 10 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 49वें मैच में पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज कूपर कोनोली ने हैदराबाद के खिलाफ जमकर लड़ाई की और नाबाद 107 रन की शतकीय पारी खेली। कूपर बेशक अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो पाए, लेकिन उन्होंने क्विंटन डिकॉक का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। अपनी पारी में कूपर ने 8 छक्के भी लगाए, लेकिन वो वैभव सूर्यवंशी के इस रिकॉर्ड को तोड़ने में कामयाब नहीं हो पाए।

वैभव से पीछे रह गए कूपर कोनोली– कूपर ने हैदराबाद के खिलाफ अपनी नाबाद 107 रन की पारी के दौरान कुल 8 छक्के लगाए और वो आईपीएल में अपनी पहली 9 पारियों के बाद सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए। वैभव का रिकॉर्ड टूटने से बच गया और वो पहले नंबर पर बने हुए हैं। आईपीएल की पहली 9 पारियों के बाद सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज है।

कूपर ने की प्रभसिमरन की बराबरी

कूपर कोनोली पंजाब किंग्स के लिए 22 साल की उम्र में आईपीएल में शतक लगाने वाले दूसरे बैटर भी बने। इससे पहले पंजाब के लिए 22 साल की उम्र में इस लीग में शतक लगाने का कमाल प्रभसिमरन सिंह ने साल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ किया था। अब कूपर कोनोली ने ऐसा कमाल किया और उनकी बराबरी पर आ गए।

छक्के लगाने वाले टॉप-3 बैटर

- 30 छक्के : वैभव सूर्यवंशी
- 28 छक्के : जैक फ्रेजर मैकगर्क
- 26 छक्के : कूपर कोनोली

कूपर ने तोड़ा 10 साल पुराना रिकॉर्ड

कूपर ने आईपीएल करियर का पहला शतक हैदराबाद के खिलाफ लगाया और वो अब इस लीग में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले विदेशी बैटर भी बन गए। कूपर ने ये कमाल 22 साल 257 दिन की उम्र में किया और उन्होंने क्विंटन डिकॉक का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। डिकॉक इससे पहले आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले विदेशी बल्लेबाज थे। उन्होंने ये कमाल साल 2016 में 23 साल 122 दिन की उम्र में आरसीबी के खिलाफ किया था।

सबसे कम उम्र के विदेशी शतकवीर

- 22 साल 257 दिन – कूपर कोनोली बनाम SRH, हैदराबाद, 2026
- 23 साल 122 दिन – क्विंटन डिकॉक बनाम RCB, बेंगलुरु, 2016
- 23 साल 153 दिन – डेविड वॉर्नर बनाम KKR, दिल्ली, 2010
- 23 साल 330 दिन – डेविड मिलर बनाम RCB, मोहाली, 2013
- 23 साल 352 दिन – कैमरन ग्रीन बनाम SRH, वानखेड़े, 2023

वैभव को खेलता देख आई सचिन तेंदुलकर की याद

...लेकिन माईकल क्लार्क ने कहा- टेस्ट के लिए जल्दबाजी न करने की चेतावनी भी दी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की है। माइकल क्लार्क ने कहा है कि उन्होंने इतनी कम उम्र में किसी खिलाड़ी को इस तरह खेलते पहले नहीं देखा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन ने हर किसी को हैरान कर दिया है।

बातचीत के दौरान माइकल क्लार्क ने वैभव सूर्यवंशी के आसपास बन रहे माहौल की तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के शुरुआती दिनों से की। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इतनी जल्दी वैभव सूर्यवंशी से टेस्ट क्रिकेट में बड़े चमत्कार की उम्मीद करना सही नहीं होगा।

माइकल क्लार्क ने कहा, ''खैर, मैंने पहले ऐसा कभी नहीं देखा। मैंने किसी 15 साल के बच्चे को ऐसा करते हुए नहीं देखा।'' माइकल क्लार्क ने हालांकि, वैभव के मामले में जल्दबाजी नहीं दिखाने की चेतावनी देते हुए कहा, ''आप जानते हैं दोनों बहुत अलग खिलाड़ी हैं और हां आप तुलना नहीं कर सकते। जब मैं पीछे मुड़कर सोचता हूं तो मुझे याद आता है कि जब सचिन तेंदुलकर ऑस्ट्रेलिया आए थे और उनके बारे में जो चर्चा थी, उस समय सच में वैसी चर्चा थी। मुझे लगता है कि वह 16 साल के थे। हां, 16 के ही थे। और वह चर्चा उन्होंने अपनी काबिलियत से हासिल की थी। उनकी वह विरासत आज भी सबके सामने है।'' वैभव सूर्यवंशी ढ्ढक्क सीजन के सबसे ज्यादा चर्चा वाले खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं। उनकी निडर बल्लेबाजी और शांत स्वभाव ने भारत के बाहर भी लोगों का ध्यान खींचा है। वैभव सूर्यवंशी ने IPL 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 10 मैचों में 237.64 के स्ट्राइक रेट से 404 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक और एक शतक शामिल है। इस युवा खिलाड़ी की तेजी से हुई तरक्की ने इस बात को लेकर उत्सुकता जगा दी है कि वह वह भविष्य में क्या बन सकते हैं, लेकिन माइकल क्लार्क ने जोर देकर कहा कि इस चर्चा को वर्तमान पर ही केंद्रित रखना चाहिए।

माइकल क्लार्क ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि कोई यह कह रहा होगा कि वह सीधे टेस्ट क्रिकेट में जाकर तुरंत ही महान खिलाड़ियों में से एक बन जाएगा। मुझे लगता है कि जिस तरह से वह खेलते हैं, अभी मैं जो देख रहा हूं, वह इस फ़ॉर्मेट के लिए बहुत ज़्यादा उपयुक्त है।''

इसके साथ माइकल क्लार्क ने यह भी साफ किया कि इतनी कम उम्र में इस तरह का प्रदर्शन स्वाभाविक रूप से उन्हें क्रिकेट की दुनिया में और भी ऊंचे मुकाम हासिल करने की राह पर आगे बढ़ाता है।

'वसीम अकरम से सामने सुपर ओवर में नहीं टिक पाएंगे विराट कोहली'

- **279 इंटरनेशनल विकेट लेने वाले बॉलर ने किया दावा**

नई दिल्ली। विराट कोहली इस युग के बेस्ट क्रिकेटर हैं और ऐसा कई दिग्गज मान चुके हैं। विराट कोहली ने क्रिकेट के हर प्रारूप में खुद को साबित किया और वो आज उस स्थान पर खड़े हैं जहां पहुंचना हर क्रिकेटर के बस की बात नहीं होती है। कोहली से पहले भी कई दिग्गज क्रिकेटर हुए जिन्होंने अपना लोहा मनवाया और किसी दो क्रिकेटर की तुलना करना बेतुका लगता है। आधुनिक पीढ़ी के दिग्गज क्रिकेटर और भारत के अब तक के महानतम क्रिकेटरों में से एक विराट कोहली के बारे में इयान बिशप ने बात की और जब उनसे विराट कोहली और पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम में से किसी एक को विजेता चुनने को कहा गया तब इयान ने वसीम अकरम को कोहली से ऊपर रखा।

अकरम बनाम विराट में किसकी होगी जीत– ईएसपीएन क्रिकइंफो पर एक शो के दौरान वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप (इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्होंने 279 विकेट लिए थे) से पूछा गया कि अगर विराट कोहली और वसीम अकरम एक–दूसरे के खिलाफ सुपर ओवर में आमने–सामने हों तो कौन जीतेगा। इसका जवाब देते हुए इयान ने वसीम अकरम को चुना। हालांकि उन्होंने अपने इस चुनाव के पीछे की वजह साफ तौर पर नहीं बताई, लेकिन ऐसा लगा कि गेंदबाजी में अकरम की जिस तरह की महारत थी उसकी वजह से उन्होंने अकरम का चयन किया।

चहल के वायरल वीडियो से इंटरनेट पर हंगामा

- **क्या सच में वेपिंग कर रहे थे या फैंस से किया प्रैंक?**

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में पंजाब किंग्स का हिस्सा युजवेंद्र चहल से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है। इस वीडियो में ऐसा लग रहा था कि वह पंजाब किंग्स की टीम के साथ हैदराबाद जाते समय फ्लाइट में वेपिंग (ई–सिगरेट पीते) का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह वीडियो तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के यूट्यूब ट्रैवल व्लॉग का हिस्सा था। वायरल क्लिप में युजवेंद्र चहल खिड़की वाली सीट पर अपने साथी खिलाड़ी शशांक सिंह के साथ बैठे दिखाई देते हैं। वीडियो में ऐसा लगता है कि वह हाथ में कोई चीज छिपाते हैं, फिर वेपिंग के इस्तेमाल करने जैसा इशारा करते हैं और हल्का सा धुआं भी दिखाई देता है। इसके बाद वह खांसते नजर आते हैं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर लोग नाराज हो गए और हाल ही में हुए रियान पराग के वेपिंग विवाद से इसकी तुलना करने लगे।

हालांकि, बाद में कई यूजर्स ने ध्यान दिलाया कि युजवेंद्र चहल के हाथ में शायद वेप नहीं बल्कि कोई स्प्रे या मिस्ट डिवाइस थी। कुछ यूजर्स का मानना है कि वह सिर्फ मजाक कर रहे थे। दिलचस्प बात यह भी है कि बताया जा रहा है कि व्लॉग के शुरुआती अपलोड में पूरा सीन मौजूद था, लेकिन अब अर्शदीप सिंह के यूट्यूब चैनल पर वह हिस्सा हटा दिया गया है। हालांकि, उस क्लिप की रिकॉर्डिंग वायरल है। इस घटना के बाद इंटरनेट पर बहस छिड़ गई है। कुछ लोग मान रहे हैं कि युजवेंद्र चहल सच में वेपिंग कर रहे थे, जबकि कुछ का कहना है कि वह मौजूदा वेपिंग विवादों पर मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दे रहे थे।

भरतपुर के यश कुमार ने एशियाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में बनाई जगह

पदक किया पक्का

भरतपुर। भरतपुर के मुक्केबाजी इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में 01 से 16 मई तक आयोजित हो रही सब जूनियर (अंडर-15) एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भरतपुर के उभरते मुक्केबाज यश कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए कम से कम कांस्य पदक सुरक्षित कर लिया है। यश कुमार ने 33 किलोग्राम भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में तजाकिस्तान के बॉक्सर रसूलजोन करीमोव को 4-1 के अंतर से करारी शिकस्त दी।

- **यश कुमार ने 33 क्वार्टर फाइनल मुकाबले में तजाकिस्तान के रसूलजोन करीमोव को 4-1 के से करारी शिकस्त दी।**

अपनी तकनीक और फुर्ती के दम पर यश ने मुकाबले को अपने पक्ष में किया और पदक की दौड़ में शामिल हुए। भरतपुर बॉक्सिंग संघ के चेयरमैन डॉ. राकेश चाहर ने बताया कि यश कुमार अब गोल्ड मेडल की राह में अपना अगला कदम बढ़ाएंगे। उनका सेमीफाइनल मुकाबला 10 मई को यू.ए.ई. (ब्श्) के बॉक्सर कियान इकबाल से होगा। पूरा जिला और खेल प्रेमी यश की जीत और फाइनल में प्रवेश के लिए आशान्वित हैं। यश कुमार ने इस जीत के साथ ही इतिहास रच दिया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीतने वाले भरतपुर जिले के पहले मुक्केबाज बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि पर खेल जगत में हर्ष की लहर है। यश की इस सफलता पर उनके कोच कृष्ण कुमार शर्मा और मनीषा चाहर सहित राजस्थान बॉक्सिंग संघ के सचिव डॉ. नरेंद्र निर्वाण, अध्यक्ष धीरेंद्र चौधरी, भरतपुर बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष भगतसिंह सूरौता, सचिव डॉ. संदीप देशवाल और अन्य पदाधिकारियों ने बधाई देते हुए सेमीफाइनल के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

मार्श ने लगाया आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक

नाम दर्ज हुआ बड़ा रिकॉर्ड

लखनऊ। आईपीएल 2026 के 50वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की भिड़ंत गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ हो रही है। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में एलएसजी के बल्लेबाज मिचेल मार्श ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 20 गेंदों में अर्धशतक लगाया। मार्श का यह आईपीएल में अब तक का सबसे तेज अर्धशतक भी है। इसके साथ ही उन्होंने इकाना स्टेडियम में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है।

इकाना के मैदान पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम है, जिन्होंने इस मैदान पर सिर्फ 18 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए थे। मार्श आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। एलएसजी की ओर से सबसे तेज अर्धशतक निकोलस पूरन ने लगाया है। उन्होंने साल 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सिर्फ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था।

इस मुकाबले के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने प्लेइंग इलेवन में तीन बड़े बदलाव किए हैं। जोश इंग्लिस, मोहसिन खान और आवेश खान चोटिल होने की वजह से यह मुकाबला नहीं खेल रहे हैं। इंग्लिस की जगह पर अर्शिन कुलकर्णी खेल रहे हैं, जबकि मोहसिन के स्थान पर शाहबाज अहमद को मौका दिया गया है।

टीम के डग-आउट में अनाधिकृत लोगों की मौजूदगी से खफा BCCI

बुलाई गई फ्रेंचाईजी के सीईओ की मीटिंग

नई दिल्ली। बीसीसीआई की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) ने आईपीएल 2026 के दौरान टीम के डग-आउट में बिना इजाजत अनाधिकृत लोगों की मौजूदगी और कुछ दूसरी गड़बड़ियों की तरफ इशारा किया है जिनके बारे में आम लोगों को जानकारी नहीं है।

इस जानकारी के आधार पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इस हफ्थे के आखिर में सभी फ्रेंचाईजी के सीईओ की एक मीटिंग बुलाई है, ताकि उन्हें तय नियमों (प्रोटोकॉल) की याद दिलाई जा सके साथ ही बोर्ड उन टीमों और लोगों के खिलाफ सही कार्रवाई करने का फैसला भी करेगा जिन्होंने नियमों का पालन नहीं किया है।

बीसीसीआई ने बुलाई फ्रेंचाईजी के सीईओ की मीटिंग

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक टीम बसों, टीम होटलों और यहां तक कि डगआउट एरिया में भी ऐसे लोग घूम रहे हैं जिनके पास इसकी अनुमति नहीं है। कुछ लोगों को ऐसी जगहों पर देखा गया है जहां उन्हें नहीं होना चाहिए। इस मामले पर बीसीसीआई के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि खिलाड़ियों और टीमों के बर्ताव को लेकर नियम और एडवाइजरी 2008 से ही लागू हैं, लेकिन उनका पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजकल लोग काफी लापरवाह होते जा रहे हैं। हम उन्हें इस तरह की लापरवाही करने की इजाजत नहीं देंगे। सैकिया ने कहा कि हम उन्हें याद दिला रहे हैं कि अगर नियमों का कोई भी उल्लंघन हुआ, तो हम किसी भी तरह की नरमी नहीं बरतेंगे। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। सैकिया ने बताया कि रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी शरद कुमार की अगुवाई वाली इस निगरानी संस्था ने उन्हें ऐसी जानकारी दी थी जो भारतीय बोर्ड द्वारा आधिकारिक तौर पर पुष्टि की गई दो घटनाओं से कहीं ज्यादा थी।

दिल्ली-एनसीआर में अगले पांच दिनों तक हल्के रहेंगे गर्मी के तेवर

आईएमडी ने बारिश को लेकर दिया नया अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसमी उतार चढ़ाव के बीच अभी अगले पांच दिन और राजधानी में गर्मी के तेवर हल्के ही बने रह सकते हैं। हालांकि इस दौरान सुबह के तापमान में थोड़ी वृद्धि होगी और यह 26 डिग्री सेल्सियस तक जाएगा। लेकिन दिन का तापमान अभी 38 डिग्री तक यानी 40 डिग्री से नीचे ही बना रहेगा। इस दौरान कभी बादलों की आवाजाही देखने को मिलेगी तो कभी धूप निकली रहेगी। बृहस्पतिवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रहा। न्यूनतम तापमान जहां सामान्य से 5.7 डिग्री कम 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ वहीं अधिकतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री कम 23.8 डिग्री रिकार्ड किया गया। हवा में नमी का स्तर 61 से 39 प्रतिशत तक रहा। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। धूप भी निकली रहेगी। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमश : 34 और 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकार्ड किया जा सकता है।

दिल्ली में सौतेले पिता ने किया नाबालिग बेटी का यौन उत्पीड़न, गर्भवती होने पर खुला राज

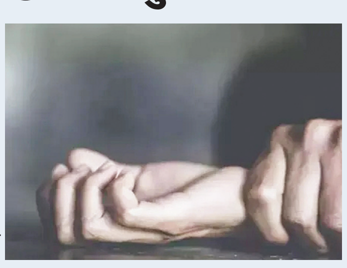

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। बाप-बेटी के रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। सौतेले पिता ने अपनी 14 साल की बेटी को अपनी हवस का शिकार बनाया। इसका भांडा तब फूटा, जब किशोरी के पांच महीने के गर्भवती होने की बात सामने आई। शिकायत के बाद पुलिस ने किशोरी का मेडिकल कराया और आरोपित सौतेले पिता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपित कार्टून व कार्डबोर्ड बाक्स बनाने वाली फैक्ट्री में काम करता है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने बताया कि कल छह मई को बेगमपुर थाने में नाबालिग लड़की के गर्भवती होने के संबंध में पीसीआर काल प्राप्त हुई। इसके बाद पुलिस ने पीड़िता के घर पहुंची और पीड़िता को तुरंत महिला पुलिस स्टाफ की मौजूदगी में अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने यौन उत्पीड़न की पुष्टि की और बताया कि पीड़िता लगभग पांच महीने की गर्भवती है। पूछताछ के दौरान पीड़िता ने बताया कि उसका सौतेला पिता पिछले लगभग एक साल से उसके साथ बार-बार यौन उत्पीड़न कर रहा था।

चार राज्यों में हार के कारणों पर विचार करने जल्द समीक्षा बैठक बुलाने का निर्णय किया

असम-बंगाल में शर्मनाक हार के लिए कौन जिम्मेदार? तय नहीं कर पा रही कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का केरल के अलावा बाकी चार राज्यों में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। इन राज्यों में हार के कारणों पर विचार करने के लिए पार्टी ने जल्द समीक्षा बैठक बुलाने का भी निर्णय किया है, पर तमाम कोशिशों के बावजूद पार्टी संगठन में जवाबदेही तय करने में विफल रही है। असम में हार के बाद प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दिया है, लेकिन पार्टी ने इस पर कोई फैसला नहीं किया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि हार की समीक्षा के बाद इस बारे में कोई निर्णय किया जाएगा।

पिछले कुछ वर्षों में हुई चुनावी हार के बावजूद संगठन स्तर पर कोई जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बिहार चुनाव में हार का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने जिस तरह हार की समीक्षा बैठक की और कारणों पर चर्चा की। उससे यह उम्मीद जगी थी

कि प्रदेश में पार्टी जवाबदेही तय करते हुए नए सिरे से शुरुआत करेगी, लेकिन एक वर्ष बाद भी हालत जस के तस है। संगठन सृजन कार्यक्रम में जिला अध्यक्षों की जवाबदेही तय करने की बात हुई थी।

कई प्रदेशों के नए जिला अध्यक्षों को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा था कि यह पद स्थाई नहीं है, जवाबदेही तय की जाएगी। गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव में हार के बावजूद कोई पहल नहीं हुई है। पार्टी जब जक जिम्मेदारी के साथ जवाबदेही तय नहीं करेगी, तब तक किसी बड़े बदलाव की उम्मीद बेमानी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी को वर्ष 2027 में होने वाले चुनाव में अपना प्रदर्शन सुधारना है, तो शुरुआत करनी होगी। कांग्रेस ने संगठन को जमीनी स्तर पर पुनर्जीवित करने के लिए अप्रैल 2025 में अहमदाबाद अधिवेशन से संगठन सृजन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। लेकिन ऐसा कोई तंत्र नहीं बना है। केरल में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को बहुमत मिलने के बाद सरकार गठन की तैयारी तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री पद की रेस में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन, रमेश चेन्निथला और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल सबसे आगे चल रहे हैं। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में गुरुवार को एक प्रस्ताव पारित कर अपने हाईकमान को मुख्यमंत्री चुनने का अधिकार दे दिया गया। यह प्रस्ताव केपीसीसी अध्यक्ष सन्नी जोसेफ ने विधायक दल की बैठक के दौरान पेश किया। इस बैठक में एआईसीसी पर्यवेक्षक मुकुल वासनिक और अजय माकन भी मौजूद थे। इस प्रस्ताव को विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया है।

सराय काले खां से मेरठ तक..., नमो भारत के 21 स्टेशनों का बदलेगा नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। नमो भारत के स्टेशनों को अब निजी कंपनियों के नाम से भी जाना जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम ने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर के 21 स्टेशनों पर विज्ञापन और ब्रांडिंग के लिए कंपनियों को आमंत्रित किया है। इस योजना के तहत जो कंपनियां इन स्टेशनों के ब्रांडिंग अधिकार खरीदेंगी, वे स्टेशन के असली नाम के साथ अपना नाम जोड़ सकेंगी। यह विज्ञापन सिर्फ बोर्ड तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्टेशन के प्लेटफॉर्म, खंभों, एंट्री और एग्जिट गेट पर भी कंपनी का लोगो और नाम दिखाई देगा। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन के अंदर होने वाली घोषणाओं में भी उस कंपनी का नाम लिया जाएगा और स्टेशन के नक्शों पर भी इसे दिखाया जाएगा। इसके अलावा कंपनियों को स्टेशन के भीतर अपना छोटा स्टाल लगाने की जगह भी मिलेगी। इन 21 स्टेशनों में सराय काले खान, न्यू अशोक नगर, आनंद विहार, साहिबाबाद, गाजियाबाद, दुहाई, मुरादनगर, मोदी नगर साउथ, मोदी नगर नॉर्थ, मेरठ साउथ, प्रतापपुर, रिठानी, शताब्दी नगर, ब्रह्मपुरी, मेरठ सेंट्रल, भैसाली, बेगमपुल, एमईएस कॉलोनी, दौरली, मेरठ नॉर्थ और मोदीपुरम शामिल हैं। एनसीआरटीसी का मानना है कि ये स्टेशन बाजारों और रिहायशी इलाकों के काफी करीब हैं, जिससे विज्ञापन देने वाली कंपनियों को बहुत फायदा होगा।

कोरोना से कितना अलग हंता वायरस? , डब्ल्यूएचओ ने जारी की है चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रूज के हंता वायरस की चपेट में आने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि यह गंभीर संक्रामक बीमारी है। डब्ल्यूएचओ की वैश्विक महामारी की निदेशक मारिया वैन केरखोव ने कहा कि यह अगला कोविड नहीं है, लेकिन यह एक गंभीर संक्रामक बीमारी है। हम इस वायरस को जानते हैं। यह कई वर्षों से मौजूद है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार क्रूज पर पहली मौत 11 अप्रैल को हुई थी। मरने वाला 70 साल का एक डच व्यक्ति था। लगभग दो हफ्ते बाद सेंट हेलेना में उसके शव को क्रूज से उतारा गया। उसकी 69 साल की पत्नी सेंट हेलेना से हवाई जहाज से दक्षिण अफ्रीका गई। वह हवाई अड्डे पर अचानक गिर पड़ी और 26 अप्रैल को अस्पताल में उनकी मौत हो गई। तीसरी यात्री एक जर्मन महिला थी।

इससे बचाव के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना सबसे जरूरी है। चूहों से दूर रहना, घर को साफ रखना और गंदे या बंद स्थानों की सफाई करते समय सावधानी बरतना बेहद महत्वपूर्ण है। कोरोना से बचाव के लिए हाथ धोना, मास्क पहनना और भीड़ से बचना जैसे उपाय अपनाने चाहिए।

हंतावायरस के शुरुआती लक्षण आम फ्लू जैसे होते हैं, जैसे बुखार, थकान और शरीर में दर्द, लेकिन जैसे-जैसे संक्रमण बढ़ता है, ये गंभीर रूप ले सकता है। सांस लेने में परेशानी, फेफड़ों में पानी भरना या किडनी से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकता है।

फिलहाल भारत में हंता वायरस को लेकर कोई बड़ा खतरा या अलर्ट नहीं है। यहां इसके मामले बहुत कम पाए जाते हैं और कई बार इसकी पहचान भी मुश्किल हो जाती है, क्योंकि इसके लक्षण दूसरी सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं।

हंता एक गंभीर और जानलेवा वायरस है, जो मुख्य रूप से चूहों से इंसानों में फैलता है। यह नया वायरस नहीं है। इसके लक्षण और गंभीरता इसे खतरनाक बनाते हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार यह वायरस संक्रमित चूहों के पेशाब, लार या मल के संपर्क में आने से फैलता है। चूहों के मल-मूत्र के सूखने पर उसके कण हवा में मिल जाते हैं और सांस के जरिए इंसान के शरीर में प्रवेश कर सकते हैं।

वेबसाइट नेचर के मुताबिक भारत में पहले भी हंता वायरस के कई मामले सामने आ चुके हैं। साल 2008 में तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में हंता वायरस फैला था। तब इरुला समुदाय के 28 लोग इससे संक्रमित हुए थे। ये मुख्य रूप से सांप और चूहे पकड़ने वाले थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2016 में मुंबई में एक 12 साल के बच्चे की मौत इस बीमारी से हुई थी। उसके फेफड़ों से खून बह रहा था। यह इस वायरस का एक प्रमुख लक्षण है।

हंता वायरस और कोरोना वायरस दोनों ही आरएनए वायरस हैं, लेकिन इनका फैलने का तरीका बिल्कुल अलग है। कोरोना वायरस इंसान से इंसान में तेजी से फैलता है, जबकि हंता वायरस ज्यादातर चूहों के संपर्क से फैलता है और इंसानों के बीच इसका फैलाव बहुत कम होता है। इसी वजह से कोरोना ने महामारी का रूप लिया। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि उसने 12 देशों को सूचित किया है।

नाबालिग पीड़िता के यहां समयपूर्व जन्मा नवजात, परिजनों ने ठुकराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दुष्कर्म की शिकार एक नाबालिग किशोरी के गर्भ समापन से जुड़े मामले ने अब नया और संवेदनशील मोड़ ले लिया है। सुप्रीम कोर्ट से गर्भ समापन की अनुमति मिलने के बाद चिकित्सकीय प्रक्रिया के दौरान समयपूर्व नवजात का जन्म हो गया। जन्म के बाद से नवजात एम्स में चिकित्सकों की विशेष निगरानी में है, जबकि पीड़िता और उसके स्वजन ने नवजात को अपनाने और अपने साथ रखने से इन्कार कर दिया है। इससे दुविधा खड़ी हो गई है। एम्स सूत्रों के अनुसार नाबालिग की गर्भावस्था उन्नत अवस्था में पहुंच चुकी थी।

भारत में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी होंगे बाहर, विदेश मंत्रालय ने बताया भेजने का पूरा प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने देश में अवैध रूप से रह रहे विदेशी लोगों, खासकर बांग्लादेशी प्रवासियों को वापस भेजने के लिए अपना रवैया और कड़ा कर लिया है। साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय ने साफ कहा कि भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा और अपनी आजादी के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। मंत्रालय ने पड़ोसी देश बांग्लादेश से कहा है कि वह अपने नागरिकों की पहचान की जांच का काम जल्दी पूरा करे ताकि उन्हें वापस भेजा जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया से बात करते हुए एक चौंकाने वाला डेटा साझा किया। उन्होंने बताया कि इस समय बांग्लादेश के पास नागरिकता की जांच के 2,860 से ज्यादा मामले रुके हुए हैं। इनमें से कई मामले तो पिछले पांच सालों से भी ज्यादा समय से अटके हैं। भारत ने उम्मीद जताई है कि बांग्लादेश की सरकार इन फाइलों पर जल्दी काम करेगी। जायसवाल ने साफ कहा कि भारत का नियम पक्का है देश में गैर-कानूनी तरीके से रह रहे विदेशी नागरिकों को कानून और आपसी समझौते के तहत उनके देश वापस भेजा ही जाएगा।। पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के बाद बांग्लादेश में भी हलचल बढ़ गई है। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार खलीलुर रहमान ने तीस्ता नदी के पानी के बंटवारे के समझौते पर तुरंत बातचीत करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वहां के लोगों के लिए यह मामला 'जीवन और मौत' जैसा है। वहीं, भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इन बातों को अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के मुद्दे के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए।

ईरान ने यूएस पर लगाया युद्धविराम तोड़ने का आरोप, जवाबी हमले में अमेरिकी जहाजों को नुकसान का दावा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुई जंग फिलहाल युद्धविराम की छांव में है। पर्दे के पीछे से अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत के प्रयास किए जा रहे हैं। लेबनान में भारतीय दूतावास ने खाड़ी क्षेत्र में फंसे पांच भारतीयों को निकाला और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की। इस मिशन के लिए दूतावास ने लेबनान की सरकार का आभार जताया है। दूतावास ने सोशल मीडिया में कहा, पांचों भारतीयों की सुगम वापसी में सहयोग व समर्थन के लिए लेबनानी अधिकारियों का हार्दिक धन्यवाद।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा-अमेरिका के तीन बड़े युद्धपोत सुरक्षित तरीके से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर गए, जबकि उन पर हमला किया गया था। ट्रंप के मुताबिक, इन जहाजों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन जवाबी कार्रवाई में ईरान के हमलावर पूरी तरह तबाह हो गए। कई छोटी नावें भी समुद्र में डुबो दी गईं, जिनका इस्तेमाल ईरान अपनी कमजोर पड़ चुकी नौसेना की जगह कर रहा था। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी युद्धपोतों पर मिसाइलें और ड्रोन दागे गए, लेकिन अमेरिकी सेना ने सभी हमलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान सामान्य देश की तरह व्यवहार नहीं कर रहा और वहां 'कट्टरपंथी' लोग सत्ता चला रहे हैं। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने जल्द समझौता नहीं किया तो अमेरिका भविष्य में और ज्यादा कड़ी कार्रवाई करेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी युद्धपोत अब फिर से अपनी नौसैनिक नाकेबंदी में शामिल होंगे, जिसे उन्होंने 'स्टील की दीवार' बताया। अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलमार्ग में अपने तीन नौसैनिक जहाजों पर हुए ईरानी हमलों को नाकाम कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि गुरुवार को जब उनके जहाज वहां से गुजर रहे थे, तब ईरान ने उन पर बिना किसी उकसावे के हमला किया। अमेरिकी सेना ने इन हमलों को रोका और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इसके साथ ही अमेरिका ने उन ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जो अमेरिकी सेना पर हमलों के लिए जिम्मेदार थे।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल ने दक्षिण लेबनान के नबातियेह जिले में हवाई हमले किए हैं। ये हमले दुएर, हारौफ और हब्बौश कस्बों पर हुए। इन हमलों में 11 लोगों की जान चली गई है। मृतको में दो बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा, इन हमलों में 36 लोग घायल हुए हैं। ईरान ने अमेरिका पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का गंभीर आरोप लगाया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि अमेरिका ने उनके एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। यह टैंकर जास्क क्षेत्र से होर्मुज जलमार्ग की तरफ जा रहा था। इसके अलावा, अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह के पास एक और जहाज पर हमला किया। ईरान का कहना है कि अमेरिका ने कुछ क्षेत्रीय देशों के साथ मिलकर खमीर, सीरिक और केश्म द्वीप के रिहायशी इलाकों पर भी हवाई हमले किए हैं। ईरान की सेना ने इन हमलों का तुरंत बदला लिया। ईरान ने होर्मुज जलमार्ग के पूर्व और चाबहार बंदरगाह के दक्षिण में अमेरिकी सैन्य जहाजों पर हमला किया। ईरान का दावा है कि इस जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी जहाजों को भारी नुकसान पहुंचा है।

ईरान पर हमला सिर्फ प्यार की थपकी

तेहरान पर सैन्य कार्रवाई के बाद ट्रंप का बयान, बोले- युद्धविराम अब भी लागू

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हालिया सैन्य कार्रवाई को लव टैप बताया है। इसका मतलब है कि यह प्यार या दुलार में की गई मामूली कार्रवाई है। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच लागू युद्धविराम अब भी प्रभावी है और हालिया घटनाओं को युद्ध की वापसी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। दरअसल, यह तनाव होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी और ईरानी सैन्य गतिविधियों के बाद बढ़ा। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना के तीन विध्वंसक युद्धपोत होर्मजु से सफलतापूर्वक गुजर रहे थे, तभी उन पर ईरान की ओर से हमला किया गया। उनके मुताबिक, ईरानी बलों ने मिसाइल, ड्रोन और छोटी नौकाओं के जरिए अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन अमेरिकी सेना ने सभी हमलों को रोक दिया। ट्रंप ने आगे दावा किया कि जवाबी कार्रवाई में ईरानी

नौकाओं को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना ने मिसाइलों और ड्रोन को बीच रास्ते में ही इंटरसेप्ट कर लिया था, जिससे अमेरिकी युद्धपोतों को कोई नुकसान नहीं हुआ। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत अच्छी चल रही है, लेकिन समझौते की जरूरत अमेरिका से ज्यादा ईरान को है। ट्रंप ने कहा कि बातचीत अच्छी चल रही है... वे इस समझौते पर मुझसे ज्यादा हस्ताक्षर करना चाहते हैं। उन्होंने संकेत दिए कि अमेरिका फिलहाल दबाव की स्थिति में नहीं है, जबकि ईरान तेजी से किसी समझौते तक पहुंचना चाहता है। इसी दौरान ट्रंप ने हालिया सैन्य कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान को कुछ ही मिनटों में बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि उन्हें दो मिनट में तबाह कर दिया गया। उनके टैंकर उड़ा दिए गए। हर मिसाइल और ड्रोन को मार गिराया गया और जो लोग हमला कर रहे थे, वे अब जिंदा नहीं हैं। ट्रंप यहीं नहीं रुके। उन्होंने ईरान को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि अगर युद्धविराम नहीं होता, तो दुनिया ईरान से उठती एक बड़ी चमक देखेगी।

बांग्लादेश में खसरे का कहर, टेस्टिंग किट की कमी से जांच ठप होने का खतरा; अब तक 300 से ज्यादा मौतें

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच पूरे देश में खसरे की जांच करने वाली इकलौती लैब मोहखाली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ की लैब में टेस्टिंग किट की भारी कमी है। जरूरी खरीद में देरी के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नई किट्स समय पर नहीं पहुंचीं, तो 11 मई के बाद पूरे देश में खसरे की जांच बंद हो सकती है। इससे यह पता लगाना मुश्किल हो जाएगा कि असल में कितने लोग संक्रमित हैं।

बांग्लादेशी दैनिक 'ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, यह लैब हर दिन देशभर से आने वाले करीब 300 सैंपल की जांच करती है। अधिकारियों का कहना है कि अगर इसी रफ्तार से टेस्टिंग चलती रही और नई किट्स नहीं मिलीं, तो हालात तेजी से बिगड़ सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि खसरे का प्रकोप अब काफी चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुका है। उनका मानना है कि अगर इसे आधिकारिक तौर पर महामारी घोषित किया जाए, तो इलाज के लिए एक समान व्यवस्था लागू की जा सकेगी और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्यकर्मियों को बेहतर तरीके से लगाया जा सकेगा।

साथ ही, ज्यादा टेस्टिंग होने से संक्रमित लोगों की पहचान जल्दी हो सकेगी, उन्हें अलग रखकर संक्रमण फैलने से रोका जा सकेगा और समय पर इलाज भी मिल पाएगा। इंस्टीट्यूट के सूत्रों का हवाला देते हुए, 'ढाका ट्रिब्यून' ने बताया कि खसरे की टेस्टिंग किट्स विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) देता है। एक किट से लगभग 90 लोगों की जांच हो सकती है। किट्स की कमी के कारण टेस्टिंग बढ़ाना संभव नहीं हो पा रहा है और कई सैंपल बिना जांच के पड़े हैं।

सोमवार तक लैब के पास सिर्फ सात टेस्टिंग किट्स बची थीं, लेकिन अगले दो दिनों में वह स्टॉक भी लगभग खत्म हो गया। वायरोलॉजिस्ट महबूबा जमील ने कहा, 'अभी सही संख्या बताना मुश्किल है, लेकिन किट्स

बहुत तेजी से खत्म हो रही हैं। हमने डब्ल्यूएचओ को इसकी जानकारी दे दी है। उनका कहना है कि नई किट्स आने में एक से डेढ़ हफ्ता लग सकता है। तब तक हमें बची हुई किट्स से ही काम चलाना होगा। इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर मोमिनुर रहमान ने भी किट्स की कमी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'करीब एक महीने पहले डब्ल्यूएचओ को किट्स के लिए अनुरोध भेजा गया था, लेकिन अभी तक सप्लाई नहीं मिली है। उम्मीद है कि 15 मई तक किट्स मिल जाएंगी। फिलहाल बची हुई किट्स से टेस्टिंग जारी है।'

डॉक्टरों ने दी चेतावनी: इस बीच डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि इलाज में देरी होने से बच्चों में सांस लेने में दिक्कत, शरीर में ऑक्सीजन की कमी, दिमाग में सूजन, लंबे समय तक दस्त और दौरे जैसी गंभीर समस्याएं बढ़ रही हैं। इससे मौत का खतरा भी बढ़ सकता है। पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट मुश्ताक हुसैन ने कहा, 'जब यह साफ हो गया था कि खसरे की स्थिति गंभीर है, तब ही पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर देनी चाहिए थी। इससे इलाज की सुविधाएं बेहतर होतीं और लोगों में जागरूकता भी बढ़ती।' उन्होंने यह भी कहा कि तुरंत बड़े स्तर पर वैक्सीनेशन अभियान चलाने, उपजिला स्तर पर इलाज की सुविधाएं बढ़ाने और ऑक्सीजन समेत जरूरी मेडिकल उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था करने की जरूरत है। किट्स से ज्यादा जरूरी वैक्सीनेशन है। किट्स का काम सिर्फ मरीजों की संख्या पता करना है, लेकिन संक्रमण रोकने में वैक्सीन सबसे असरदार होती है। बांग्लादेश में खसरे के इस प्रकोप में अब तक 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो संक्रमण तेजी से फैल सकता है, क्योंकि एक संक्रमित व्यक्ति 16 से 18 लोगों तक बीमारी फैला सकता है। इसके साथ ही मरने वालों का कुल आंकड़ा बढ़कर 336 हो गया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के मुताबिक, स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक दिन में देशभर के अस्पतालों में खसरे के लक्षणों वाले 1,238 नए बच्चों को भर्ती कराया गया है।

ट्रेजरी मामले की जांच के लिए जांच टीम बोकारो पहुंची, दस्तावेजों का किया अध्ययन

राज्य सरकार ने प्रधान सचिव उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग अमिताभ कौशल के नेतृत्व में जांच टीम की गठित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में प्रधान सचिव की अध्यक्षता में जांच टीम बोकारो पहुंची और जांच के क्रम में टीम ने जिला प्रशासन से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मांगे थे, जिन्हें जिला एवं पुलिस प्रशासन ने उपलब्ध करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सुबह से ही टीम संबंधित दस्तावेजों का गहन अध्ययन कर रही है तथा जिन बिंदुओं पर स्पष्टीकरण की आवश्यकता महसूस हो रही है, तथा कई पूरक जानकारी मांगी गई है, जिसे शीघ्र उपलब्ध कराया जाएगा।

ट्रेजरी कोड एवं वित्तीय नियमों के आधार पर हो रही जांच

प्रधान सचिव झारखण्ड ट्रेजरी कोड, पुलिस मैनुअल, झारखंड फाइनेंस रूल एवं वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों को मानक मानकर जांच कर रही है। जाँच समिति द्वारा हजारों पन्नों की प्रमाणित प्रतियां जांच टीम अपने साथ रांची ले जा रही है, जहां इनका विस्तृत अध्ययन किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर जांच टीम पुनः बोकारो का दौरा करेगी।

एसपी कार्यालय एवं ट्रेजरी का किया निरीक्षण

जांच टीम का नेतृत्व कर रहे प्रधान सचिव, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग अमिताभ कौशल ने टीम के साथ कैंप टू स्थित पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विभाग के लेखा शाखा, हेड क्लर्क कक्ष, अकाउंटेंट कक्ष एवं सामान्य शाखा आदि का जायजा लिया। वहीं, टीम ने बोकारो ट्रेजरी का भी निरीक्षण किया तथा विपत्र प्राप्ति समेत विभिन्न कमरों का अवलोकन किया।

कई महत्वपूर्ण दस्तावेज साथ ले गई टीम

टीम जांच हेतु स्वीकृत एवं कार्यरत बल का विवरण, बजट एवं आवंटन संचिका, जिला बल पंजी, मास्टर रोल पंजी, वेतन ज्ञापन, विपत्र पंजी, स्थापना मद से संबंधित अभिलेख, निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी तथा लिपिकों का विवरण, अस्थायी पहचान संख्या (टेम्परेरी आईडी) से संबंधित दस्तावेज, भुगतान एवं बैंक खाता विवरण, सेवानिवृत्त कर्मियों एवं सामान्य भविष्य निधि से संबंधित अभिलेख, नव नियुक्त एवं विरमित कर्मियों का विवरण, कर्मचारी मास्टर डाटा से संबंधित बैंक खातों की सूची, उच्च वेतन खातों का लेन-देन विवरण तथा विपत्रवार विवरण अपने साथ ले गई।

बैठक - निरीक्षण में यह अधिकारी रहे उपस्थित

बैठक एवं निरीक्षण क्रम में राज्य स्तरीय जांच टीम से उप महालेखाकार भार्गव राम ख्याति, उप सचिव वित्त विभाग ज्योति कुमारी झा, अवर सचिव वित्त विभाग कपिल देव पंडित, वरीय निदेशक आईटी ओमरेश प्रसाद सिन्हा, सहायक निदेशक एनआइसी रांची गौरव कुमार, प्रशाखा पदाधिकारी खिरोद सिंह मुंडा आदि तथा जिला से उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, राज्य कर सहायक आयुक्त विकास कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय अनिमेश गुप्ता, पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन, कोषागार पदाधिकारी गुलाब चंद्र उरांव, वरीय लेखा पदाधिकारी पंकज दूबे, शाखा प्रबंधक गौरव कुमार, सर्जेंट मेजर प्रणव कुमार उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्तरीय दिशा समिति, सदस्य ने परिसदन में बैठक कर ज्वलंत समस्याओं की जानकारी ली

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के राज्य स्तरीय दिशा समिति, सदस्य देवेश तिवारी का आज बोकारो परिसदन में स्थानीय कार्यकताओं एवं सामाजिक प्रतिनिधियों द्वारा उनका स्वागत किया गया। बोकारो प्रवास के दौरान उनके कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम निर्धारित हैं। श्री तिवारी ने बोकारो स्टील प्लांट के डायरेक्टर इंचार्ज से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न विकासात्मक एवं जनसरोकार से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इससे पूर्व बोकारो के युवा नेता शीतल समीर चौबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने श्री तिवारी से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। विशेष रूप से बोकारो एयरपोर्ट, क्षेत्रीय विकास, आधारभूत संरचना तथा जनसुविधाओं से संबंधित विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। देवेश तिवारी ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए हर संभव सहयोग एवं सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में शशि भूषण ओझा ह्लमुकुलह्व, मृणाल कांत चौबे, विष्णु शंकर मिश्रा, वीरेंद्र कुमार चौबे, अशोक कुमार पांडे एवं राजकुमार मिश्रा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्टेट टॉपर को लीला जानकी पब्लिक स्कूल ने 11 हजार का चेक प्रदान कर किया सम्मानित

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार प्रखंड के राजकीयकृत क्षेत्रनाथ प्लस टू उच्च विद्यालय, हरनाद की छात्रा स्टेट टॉपर छोटी कुमारी को लीला जानकी पब्लिक स्कूल के निर्देशक नीरज कुमार सिन्हा ने ग्यारह हजार का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान लीला जानकी पब्लिक स्कूल के निर्देशक ने पुष्प गुच्छा व मिठाई खिलाकर खैराचातर की प्रतिभाशाली बेटी छोटी कुमारी का प्रोत्साहित किया। बताया, 500 नम्बर में 478अंक प्राप्त कर झारखंड एकेडमिक काउंसिल की 12वीं (आर्ट्स) परीक्षा में स्टेट टॉपर बनी हैं। साथ ही उनकी उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु ग्यारह हजार का चेक प्रदान कर उसका उत्साहवर्धन किया। साथ ही उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्री सिन्हा ने कहा कि छोटी कुमारी की यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे क्षेत्र एवं जिले के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता मेहनत, लगन और आत्मविश्वास का प्रेरणादायी उदाहरण है। वहीं इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मासिक अपराध गोष्ठी में की गई लंबित मामलों की समीक्षा

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह की अगुवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में मासिक अपराध गोष्ठी आयोजन किया गया। इस बारे में अनुमंडल पदाधिकारी श्री वशिष्ठ नारायण सिंह ने बताया कि अपराध गोष्ठी जो माह अप्रैल का अपराध समीक्षा बैठक है। जिसमें विगत माह जितने भी मामलों का निष्पादन किया गया है, उस पर चर्चा की गई। साथ ही पुलिस अधीक्षक महोदय बोकारो, जोनल आईजी महोदय से जो भी निर्देश प्राप्त होती है उसका अनुपालन करने के लिए सभी को बताया गया। साथ ही क्षेत्र में जो भी आपराधिक मामला घटी है और कितनों का निष्पादन हुआ है और जो मामले बच गये हैं उसका निष्पादन जल्द से जल्द कैसे निपटाया जाये उन्हीं सब बातो को लेकर परिचर्चा की गई। वहीं वैसे वारंटी जो पुलिस से बचते फिर रहे है उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार की जाये। वहीं इस बैठक में पुलिस निरीक्षक जीतेंद्र कुमार, शैलेन्द्र कुमार सिंह, रोहित कुमार, पिंकू कुमार यादव, प्रफुल्ल महतो, राजू कुमार मुंडा, भजन लाल महतो, श्रीनिवास कुमार सिंह, राजेश कुमार प्रजापति, रवि कुमार, धनंजय कुमार सिंह, अमित कुमार सोनी, शशि शेखर कुमार, अजय कुमार सिंह, कृष्ण कुमार कुशवाहा सहित अनुमंडल के पुलिस इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

विद्यालय द्वारा स्टेट टॉपर छोटी कुमारी का किया गया सम्मान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मध्य विद्यालय खैराचातर के प्रांगण में एक गौरवान्वित करने वाला 'प्रतिभा सम्मान समारोह' आयोजित किया गया। यह समारोह विद्यालय की पूर्व छात्रा छोटी कुमारी के सम्मान में रखा गया, जिन्होंने राज्य स्तरीय कक्षा 12वीं (कला संकाय) की परीक्षा में स्टेट टॉपर बनकर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए राज्य टॉपर छोटी कुमारी भावुक हो गईं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय प्राथमिक शिक्षा को देते हुए कहा कि "मेरी सफलता की मजबूत बुनियाद इसी मध्य विद्यालय खैराचातर में तैयार हुई। कक्षा 1 से 8वीं तक के सफर में यहाँ के शिक्षकों ने मुझे जो मार्गदर्शन दिया, उसी का परिणाम है कि आज मैं इस मुकाम पर हूँ। छोटी कुमारी ने अपनी सफलता के पीछे विद्यालय के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों के विशेष योगदान को रेखांकित किया। इस दौरान प्रधानाध्यापकअमित कुमार जायसवाल ने कहा कि मध्य विद्यालय में बुनियादी शिक्षा को लेकर विशेष ध्यान रखा जाता है जिस कारण इस गांव के प्रति हमेशा सामने आती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की शिक्षिका मीना जयसवाल, कामदेव विश्वकर्मा, भारती देवी,मेहताब हर, विमल कुमार राय, शिवगन कुमार महली एवं कंप्यूटर शिक्षिका डोली कुमारी उपस्थित थी। इस समारोह में केवल छोटी कुमारी ही नहीं, बल्कि राज्य के टॉप-10 में जगह बनाने वाले विद्यालय के अन्य पूर्व छात्र-छात्राओं— खुशी परवीन और सरताज रजा को भी सम्मानित किया गया। इन विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रारंभिक शिक्षा इसी विद्यालय से प्राप्त की है। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि, ग्राम पंचायत खैराचातर के मुखिया श्री विजय कुमार जायसवाल ने छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष जटल अड्डी, संयोजिका श्रीमती मीला देवी और समिति के सभी सदस्यों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से टेट पास सहायक अध्यापकों में खुशी की लहर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट द्वारा झारखंड के टेट पास पारा शिक्षकों के पक्ष में दिए गए फैसले के बाद राज्यभर में टेट सफल सहायक अध्यापकों में खुशी का माहौल है। बोकारो में भी टेट सफल अध्यापकों ने एकजुट होकर फैसले का स्वागत किया और सरकार से इसे जल्द लागू करने की मांग की। बोकारो जिला टेट सफल अध्यापक संघ के बैनर तले शिक्षक चास के आईटीआई मोड़ पर जुटे और सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जताई। शिक्षकों ने कहा कि यह फैसला लंबे समय से संघर्ष कर रहे टेट पास पारा शिक्षकों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। संघ के संयोजक सीमांत घोषाल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में प्रत्येक वर्ष टेट सफल पारा शिक्षकों की बहाली का निर्देश दिया है। साथ ही सहायक अध्यापक के 50 प्रतिशत पदों पर टेट पास पारा शिक्षकों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 16 सप्ताह के भीतर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश भी दिया है। मैट्रिक, इंटर, ग्रेजुएशन और पात्रता परीक्षा के अंकों के आधार पर जिला स्तर पर मेरिट लिस्ट तैयार करने का आदेश दिया गया है। टेट सफल अध्यापकों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को जल्द से जल्द लागू किया जाए, ताकि वर्षों से इंतजार कर रहे शिक्षकों को नियुक्ति का लाभ मिल सके।

बीएसएल के मजदूरों ने मांगों को लेकर किया

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेल बोकारो स्टील प्लांट में काम करने वाले मजदूरों ने आज प्रबंधन के खिलाफ आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन कर प्रबंधन को चेतावनी दी। बीएसएल अनाधिशासि कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हरिओम प्रदर्शन का नेतृत्व किया। प्रदर्शनकारी सेक्टर 4 मजदूर मैदान में जुटे। जिसमें काफी संख्या में मजदूर शामिल हुए। अध्यक्ष हरिओम ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि प्रबंधन मजदूरों के साथ अन्याय कर रहा है। मजदूरों को छटनी के नाम पर डराने का काम कर रहा है। बोकारो स्टील के आवास में लगातार अतिक्रमण हो रहा है, लेकिन बोकारो के मजदूर दो कमरों के क्वार्टर में रहने को मजबूर है। जबकि दो क्वार्टर देने का प्रावधान हो चुका है।

आज आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

न्याय सदन बोकारो एवं व्यवहार न्यायालय तेनुघाट में मामलों का होगा सुलह के आधार पर निष्पादन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के सचिव अरुण कुमार दुबे ने जानकारी दी कि झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार 09 मई 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन न्याय सदन, व्यवहार न्यायालय, बोकारो एवं व्यवहार न्यायालय, तेनुघाट में किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न प्रकार के लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों का आपसी सुलह एवं समझौते के आधार पर निष्पादन किया जाएगा।

आपसी समझौते से होगा त्वरित एवं सरल न्याय

राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से बैंक ऋण, मोटर दुर्घटना दावा, बिजली बिल, पारिवारिक विवाद, श्रम विवाद, राजस्व संबंधी मामले, चेक बाउंस, बीमा दावा सहित अन्य मामलों का निपटारा सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया जाएगा। इससे पक्षकारों को त्वरित, सस्ता एवं सरल न्याय प्राप्त होगा। जिलेवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लेकर अपने मामलों का निष्पादन आपसी सुलह के आधार पर कराएं तथा समय एवं धन दोनों की बचत करें।

होमगार्ड हेतु चयनित अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर दिया धरना

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रणधीर वर्मा चौक पर वर्ष 2017 की होमगार्ड बहाली प्रक्रिया में चयनित अभ्यर्थियों का गुस्सा फूट पड़ा। नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने धरना-प्रदर्शन किया और सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बहाली प्रक्रिया पूरी होने और चयन सूची जारी होने के बावजूद आज तक नियुक्ति नहीं दी गई। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द नियुक्ति नहीं हुई तो वे अनशन और आत्मदाह जैसे कदम उठाने को मजबूर होंगे। धरना दे रहे अभ्यर्थियों ने बताया कि वर्ष 2017 में होमगार्ड बहाली प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी और चयनित उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर दी गई थी। लेकिन बाद में यह कहकर बहाली रोक दी गई कि प्रक्रिया के दौरान की गई वीडियोग्राफी की सीडी नजारत कार्यालय से गायब हो गई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि अगर सीडी विभागीय लापरवाही से गायब हुई है तो इसकी सजा चयनित उम्मीदवारों को क्यों दी जा रही है। उनका आरोप है कि पिछले कई वर्षों से उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है। प्रदर्शन में शामिल महिला अभ्यर्थियों ने भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि जब 2017 की बहाली प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, तो फिर वर्ष 2023 में नई बहाली प्रक्रिया शुरू करना समझ से परे है। अभ्यर्थियों ने मांग की कि पहले 2017 में चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति पूरी की जाए, उसके बाद नई बहाली प्रक्रिया शुरू हो। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई से कराने की भी मांग उठाई गई।

सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक ने सुनी जनता की समस्याएं

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें जिला सामाजिक सुरक्षा विभाग के सहायक निदेशक नियाज अहमद ने आमजनों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। जनता दरबार में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखीं। सहायक निदेशक पदाधिकारी ने सभी आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों की शीघ्र जांच कर उचित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर लोदना, कतरासगढ़, बाघमारा, धनबाद, सरायढेला, सिंदरी, तोपचांची, चिरकुंडा, गोविंदपुर,सहित अन्य क्षेत्रों से आए लोगों की शिकायतें सुनी गईं। जनता दरबार में बिजली बिल, वैवाहिक मामले, सिंचाई विभाग,प्रधानमंत्री आवास, बेलगाड़िया टाउनशिप,जमीन विवाद,विद्यालय के नामांकन,भविष्य निधि के अनुदान,जिला दंडाधिकारी न्यायालय के मामले,घर कब्जाने,परीक्षा संबंधी,पुनर्वास मामले,सहित अन्य मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। सहायक निदेशक महोदय ने आमजनों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी मामलों में विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उनकी समस्या का शीघ्र निष्पादन किया जाएगा। मौके पर आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय झा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी आलोक कुमार मिश्रा मौजूद रहें।

कर्ण कायस्थ महासभा द्वारा मिलन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कर्ण कायस्थ महासभा की स्थानीय इकाई द्वारा एक मिलन कार्यक्रम का चास स्थित होटल यमुना बिल्ला में आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कर्ण कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.ए. आशीष नीरज थे. उन्होंन कर्ण कायस्थ महासभा के कार्य कलापों पर विशेष प्रकाश डाला. महासभा के द्वारा किए गए क्रिया कलापों पर गंभीर रुप से चर्चा हुई. विशिष्ट अतिथि कर्ण समागम बोकारो के उपाध्यक्ष सिद्धेश नारायण दास ने कर्ण कायस्थ महासभा के द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए स्थानीय कर्ण समागम बोकारो के कार्यकारिणी को इससे प्रेरणा लेकर बोकारो के कायस्थों को एक जुट करने एवं समाज में अपना एक निश्चित स्थान बनाने पर बल दिया. समारोह में कर्ण कायस्थ महासभा बोकारो के अध्यक्ष अनिल दत्त, उपाध्यक्ष अरविंद कुमार, सचिव रंजन कुमार कर्ण, कर्ण समागम उपाध्यक्ष सिद्धेश नारायण दास, उपाध्यक्ष राजेन्द्र नारायण मल्लिक, समागम मीडिया अधिकारी रंजन कुमार कर्ण, सुभद्र दास, संजय कर्ण, एस एन लाल सचिव अरबिंद कुमार, धनंजय कुमार दास, कोषाध्यक्ष परिणव कुमार, संरक्षक विजय शंकर मल्लिक, चंद्रपति मल्लिक, कर्ण समागम महासचिव मिहिर चंद कंठ, उप महासचिव श्री अमरनाथ लाल दास,सचिव प्रवीण कुमार कंठ उपस्थित थे. कर्ण कायस्थ महासभा अध्यक्ष आशीष नीरज ने जमशेदपुर में नवंबर में होने वाले कर्ण कुम्भ में बोकारो के सभी कर्ण कायस्थों को आने का आह्वान किया. इस कार्यक्रम में कर्ण कायस्थ महासभा के द्वारा एक जरूरत मंद महिला को स्वरोजगार योजना के तहत एक सिलाई मशीन , अध्यक्ष आशीष नीरज एवं कर्ण समागम उपाध्यक्ष श्री सिद्धेश नारायण दास द्वारा वितरित किया गया . कार्यक्रम में कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया. इस कवि सम्मेलन में विख्यात कवि विजय शंकर मल्लिक एवं धनंजय कुमार दास ने अपना काव्य पाठ किया एवं सदस्यों ने काफी आनंद उठाया. अंत में कार्यक्रम का समापन कर्ण कायस्थ महासभा बोकारो उपाध्यक्ष श्री अरबिंद कुमार जी द्वारा किया गया. कर्ण कायस्थ महासभा झारखंड सचिव श अमरनाथ लाल दास ने लोगों को कर्ण कायस्थ महासभा से जुड़ने का आग्रह किया .

विश्व रेडक्रास दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आज भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद ने दो ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया। प्रथम कैंप व्यवहार न्यायालय स्थित मध्यस्ता केंद्र में आयोजित किया गया। इसमें 17 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। तत्पश्चात भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद में विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर पदेन उपाध्यक्ष सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने केक काट कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। जहां भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के दो सदस्यों ने रक्तदान किया। वहीं एक अन्य कार्यक्रम में भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद के कार्यकारिणी की बैठक पदेन उपाध्यक्ष सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में आयोजित की गई। मौके पर अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे के साथ चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, वाईस चेयरमैन श्री धनेश्वर महतो, कार्यपालक दंडाधिकारी सह सहसचिव रवींद्रनाथ ठाकुर, कार्यकारिणी सदस्य कुमार मधुरेन्द्र सिंह, श्री देवेंद्र कुमार, दिलीप सिंह, बेनजीर परवीन, श्वेतांबरा पाठक, आशीष अग्रवाल, डॉ जिम्मी अभिषेक, रणजीत सिंह, सौरभ सिंह, ललिता चौहान, लीला माजी, ब्रिजेन्द्र सिंह, रवि श्रीवास्तव सहित भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद के अन्य सदस्य एवं युको बैंक कोर्ट मोड़ शाखा प्रमुख डॉ उपेंद्र कुमार व मधु कुमारी उपस्थित रहीं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK